ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • भाद्रपद कृष्ण पक्ष 02 • विक्रम संवत 2080 • शुक्रवार, 01 सितम्बर 2023 • वर्ष-29 • अंक-316 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

बिना लाइसेंस बंदूक रखने वालों को बिग बी ने ... पेज 10 पर

आदित्य एल1 लांच भी सफल हुआ तो क्या होंगे लाभ

बीआर गुरुप्रसाद, पूर्व वैज्ञानिक इसरो

भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंड करने के अपने प्रयास में जीत हासिल करने के बाद, अब सूर्य पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। इसरो द्वारा निर्मित आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान 2 सितंबर को भारत के भरोसेमंद, बहुमुखी वर्कहॉर्स पीएसएलवी पर लॉन्च के लिए तैयार है। लेकिन चंद्रयान-3 के विपरीत, जो एक ल्युनर लैंडिंग, रोविंग और इन सीटु एक्सप्लोरेशन मिशन रहा है, आदित्य-एल1 एक अंतरिक्ष यान मिशन है जो सूर्य का अध्ययन पृथ्वी से लगभग डेढ़ लाख किलोमीटर की दूरी पर सूर्य की ओर से करता है।

गहरे अंतरिक्ष में स्थित एल 1 लेग्रैंजियन पॉइंट के रूप में जाना जाता है। इस स्थान से सूर्य का चौबीसों घंटे अवलोकन किया जा सकता है। भले ही आदित्य की पृथ्वी से दूरी पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से चार गुना अधिक हो, लेकिन सूर्य आदित्य से बहुत दूर होगा। इसलिए हमारे सूर्य उतना खतरनाक नहीं है जितना तब होता जब आदित्य उसके बहुत करीब जाता। पृथ्वी से सूर्य की औसत दूरी करीब 15 करोड़ किलोमीटर है। सूर्य का प्रकाश, जो 3 लाख किलोमीटर प्रति सेकंड की एक अकल्पनीय गति से यात्रा करता है, पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग आठ मिनट का समय लेता है। लगभग 6 हजार डिग्री सेल्सियस के सतह के तापमान और इसके बाहरी वायुमंडल कोरोना में बहुत अधिक तापमान वाला सूर्य गर्म आयनित गैसों का एक चमकता हुआ गोला है। यह हमाला मूल तारा है।

सूरज की तरफ 15 लाख किमी जाएगा आदित्य एल-1, चंद्रयान-3 के बाद भारत के लिए क्यों अहम है यह सूर्य मिशन : हमारे मूल तारे, सूर्य के सतह के निकट जाना असंभव है। लेकिन अमेरिका का पार्कर सोलर प्रोब 2025 में उस क्षेत्र से लगभग 60 लाख 20 हजार किलोमीटर की दूरी तक यात्रा करने का प्रयास करेगा। सूर्य का पहली बार वैज्ञानिक अवलोकन 17वीं शताब्दी में पुनर्जागरण काल के वैज्ञानिक गैलीलियो गैलीली ने अपनी अपूर्ण दूरबीन से किया था। दूरबीन के माध्यम से इसकी चमक को देखने के लिए उनकी बेलगाम उत्साह ने उनकी आंखें खराब दी, लेकिन उन्होंने सूर्य के दृश्यमान सतह पर जिन दोषों (सूर्य के धब्बे) का अवलोकन किया, उनसे साइंटिफिक एक्सप्लोरेशन को बहुत बढ़ावा मिला। स्पेक्ट्रोस्कोप और फिल्टर के आविष्कार ने सौर अवलोकन की कठिनाई को कम कर दिया, लेकिन तब भी पृथ्वी की सतह से केवल सूर्य से निकलते दृश्य प्रकाश और रेडियो तरंगों को ही देखा जा सकता था। सूर्य से यूवी किरणों, एक्स-किरणों और गामा किरणों जैसे अन्य प्रकार के विद्युत चुम्बकीय विकिरणों को समझने के लिए भी अध्ययन करना आवश्यक है। चूंकि ये अधिकांशतः पृथ्वी के वायुमंडल द्वारा फिल्टर हो जाते हैं, इसलिए यह आवश्यक था कि मनुष्य अंतरिक्ष में ऐसी दूरबीनों को लॉन्च करे जो उन्हें महसूस करने में सक्षम हों और यह 1957 में अंतरिक्ष युग के उदय के बाद हुआ। इस तरह के टेलीस्कोप से लैस कई अमेरिकी, सोवियत, यूरोपीय और जापानी अंतरिक्ष यानों ने सूर्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र कीं। भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट सूर्य का अध्ययन करने के लिए एक मामूली उपकरण ले गया और बाद में दो और भारतीय उपग्रह ऐसे पेलोड ले गए। लेकिन आदित्य-एल1 एक राष्ट्रीय मिशन है जो विशेष रूप से सूर्य का अध्ययन करने के लिए समर्पित है। जब पहली बार इसकी कल्पना की गई थी, तो आदित्य 400 किलोग्राम का एक उपग्रह था जिसका उद्देश्य सूर्य के कोरोना का अध्ययन 800 किलोमीटर की पृथ्वी की कक्षा से करना था। मिशन का दायरा बढ़ने के कारण आदित्य अब प्रक्षेपण के समय लगभग 1,500 किलोग्राम वजन का है। इसमें सात वैज्ञानिक उपकरण हैं, जिनमें से चार सूर्य का अध्ययन दृश्यमान, पराबैंगनी और एक्स-रे के माध्यम से करते हैं। इस प्रकार कोरोना की हीटिंग सहित सूर्य की गहरी समझ सुविधाजनक हो जाती है। अन्य तीन आसपास के अंतरिक्ष को 'परखेंगे' और इसकी सामग्री के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे।

NEWS इन ब्रीफ

एटीएस ने हथियार और गोली सप्लायर को किया गिरफ्तार

रांची। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने रुद्रा महतो गिरोह को हथियार और कारतूस मुहैया कराने वाले एक सप्लायर सत्यम कुमार सिंह को डोरंडा से गिरफ्तार किया है। उसके पास से 7.65 का 20 गोली, मोबाइल और संदिग्ध कागजात बरामद किये गये हैं। झारखंड पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने गुरुवार को बताया कि एटीएस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि कारतूस के लिए अभिमन्यु साहू ने 82 हजार 500 रुपये ऑनलाईन उपलब्ध कराया था। जब्त किये गये कारतूस के माध्यम से रूद्रा महतो गिरोह के सदस्यों के जरिये व्यापारियों एवं उद्योगपतियों में भय आतंक एवं दहशत का माहौल बनाकर रंगदारी की वसूली की योजना बनायी गई थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप पर निजी अस्पताल ने महिला का शव व नवजात शिशु परिजनों को सौंपा

रांची। शहर के एक निजी अस्पताल में बुधवार को ऑपरेशन से बच्चे को जन्म देने के बाद हजारीबाग की महिला राखी कुमारी की मौत हो गई थी। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन को इलाज का खर्च देने में असमर्थता जताई। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने महिला के शव और बच्चे को बंधक बना लिया। मामले की सूचना मुख्यमंत्री सचिवालय तक पहुंची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फौरन मामले का संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन की कार्रवाई पर अस्पताल प्रबंधन ने महिला का शव और नवजात को परिजनों को सौंप दिया। बच्चा पिता करन भुइयां की गोद में सुरक्षित है।

रांची में नाबालिग के अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

रांची। जिले की बुंडू थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही नाबालिग को सकुशल बरामद किया है। आरोपित को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने गुरुवार को बताया कि नाबालिग को बहला फुसलाकर उसे बेचने के इरादे से अपहरण किया गया था। बच्ची का परिवार मूल रूप से सोनाहातू का रहने वाला है। उसके माता-पिता बुंडू के महावीर मंदिर में एक किराए के मकान में रह कर काम करते है। उन्होंने बताया कि तमाड़ थाना क्षेत्र के जानूमपीढ़ी गांव का निवासी आरोपित बिराजी मछुआ तथा उसकी पत्नी भी इस मामले में शामिल है। उसे भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मामला 27 अगस्त के दिन का है। नाबालिग के अभिभावक काम करने बाहर गए हुए थे। इसी दौरान उसका रिश्तेदार विराजी मछुवा घर आया और बच्ची को बहला-फुसलाकर उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले के आलापुर थाना क्षेत्र में स्थित ईंट-भट्टे पर ले गया, जहां उसे बेचने की तैयारी कर रहा था।

गुमला में जेजेएमपी का नक्सली गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में कुरूमगढ़ पुलिस ने जेजेएमपी संगठन के नक्सली बहुरा मुंडा, गांव कुटवां, थाना कुरुमगढ़ को छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के भागलपुर कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के सकसरी गांव के महुआ टोंगरी पहाड़ में छुपा कर रखा गया एक देसी कट्टा और 315 बोर की दो कारतूस भी बरामद किया गया।

गुमला में जेजेएमपी नक्सली गिरफ्तार होने को लेकर कुरूमगढ़ थाना में गुरुवार को पत्रकार वार्ता में चैनपुर सर्किल इंस्पेक्टर बैजू उरांव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का सक्रिय उग्रवादी बहुरा मुंडा जशपुर जिले के भागलपुर कॉलोनी में छुपा हुआ है। सूचना पर पुलिस निरीक्षक चैनपुर

अंचल के नेतृत्व में कुरुमगढ़ थाना और रायडीह थाना की पुलिस ने जशपुर जिले के भागलपुर कॉलोनी में छापेमारी की।

पुलिस की इस कार्रवाई में नक्सली बहुरा मुंडा को गिरफ्तार कर लिया गया। सर्किल इंस्पेक्ट ने बताया कि बहुरा मुंडा ने वर्ष 2021 में अपने सुप्रीमो सुकर उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से वो संगठन का हथियार लेकर फरार चल रहा था। बहुरा मुंडा के खिलाफ घाघरा थाना में एक और कुरूमगढ़ थाना में दो नामजद प्राथमिकी दर्ज है। इस छापेमारी दल में मुख्य रूप से पुलिस निरीक्षक चैनपुर अंचल, कुरूमगढ़ थाना प्रभारी नीतीश कुमार रायडीह थाना प्रभारी अमित कुमार पुअनि महेश प्रसाद कुशवाहा सहित थाना के जवान मौजूद थे।

डुमरी उप चुनाव से पहले भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

गिरिडीह। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में गुरुवार को जिला पुलिस व सीआरपीएफ को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस व सीआरपीएफ की टीम में नक्सलियों द्वारा बंकरनुमा गड्ढे में छिपाकर रखे गए विस्फोटक को बरामद किया है। यह बरामदगी पारसनाथ के इलाके से हुई है। टीम ने भारी मात्रा में कोडेक्स वायर के साथ अन्य विस्फोटक को बरामद किया गया है। इसकी पुष्टि गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा ने की है। गिरिडीह में नक्सली की गिरफ्तारी को लेकर बताया जा रहा है कि जिला एसपी दीपक शर्मा के निर्देश पर सीआरपीएफ 54वीं बटालियन के साथ गिरिडीह जिला पुलिस पारसनाथ के इलाके में सर्च अभियान चला रही थी। यह अभियान डुमरी विधानसभा उपचुनाव को देखते हुए चलाया जा रहा था। इसी अभियान के दौरान टीम को यह सूचना मिली की क्षेत्र में नक्सलियों ने भारी मात्रा में विस्फोटक छिपाकर रखा है। ऐसे में पूरे जंगल व पहाड़ की खोज की गई। इसी दौरान वहां एक गड्ढेनुमा बंकर मिला। इसी बंकर के अंदर पानी की बड़ी टंकी के साथ विस्फोटक व कई तरह के सामान पाये गये हैं। टंकी में ही कोडेक्स वायर को छुपा कर रखा गया था। एसपी ने बताया कि अभी नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन जारी है। बता दें कि गिरिडीह के पारसनाथ का इलाका घोर नक्सल प्रभावित है। इस क्षेत्र में नक्सलियों की चहल कदमी रहती है। चुनाव को देखते हुए पुलिस व सीआरपीएफ भी पूरी तरह से अलर्ट मोड में है और यहां के जंगलों में लगातार सर्च अभियान भी चलाया जा रहा है। गिरिडीह के एसपी द्वारा पूरे अभियान पर नजर रखी जा रही है।

रांची के ओरमांझी में आपसी विवाद में तीन लोगों की हत्या, छह गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ओरमांझी में मामूली विवाद में गुरुवार दोपहर तीन लोगों की हत्या कर दी गई। मृतकों में दो महिला और एक पुरुष है। घटना ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित झांझी टोला का है। मृतकों में जनेश्वर बेदिया (42), सरिता देवी (39) और संजू देवी (25) हैं। जानकारी के मुताबिक, जनेश्वर बेदिया के खेत में लगे फसल को उसके गोतिया के जानवर ने बर्बाद कर दिया था। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते-देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। इस घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हुए हैं। इस मामले में प्रभारी ग्रामीण एसपी हरीश बिन जमा ने बताया कि जानवर के द्वारा फसल चरने को लेकर हुए विवाद में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। ओरमांझी थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने ट्रिपल मर्डर की पुष्टि करते हुए बताया कि सुअर के फसल खाने की वजह से गांव के दो परिवारों के बीच विवाद हुआ। इसी में घटना को अंजाम दिया गया। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। जांच के क्रम में हत्या में प्रयुक्त भुजाली (चापड़), दबिया, लाठी और डंडा बरामद किया गया है। तीन लोगों की हत्या मामले में 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरपुतार आरोपितों में सहजानाथ बेदिया, राजो देवी, रंजीत बेदिया, संचित बेदिया, हेमंत बेदिया और महेन्द्र बेदिया शामिल है। सभी से पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दो दोषियों को 25-25 साल सश्रम कारावास

कोडरमा। नाबालिग के साथ दुष्कर्म किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर की अदालत ने गुरुवार को दोषी जनार्दन मोदी (37) एवं अरुण कुमार दास (30) को 376डी एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 25-25 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 50-50 हजार जुमार्ना भी लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर तीन-तीन वर्ष अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी। इस मामला में न्यायालय में दायर मुकदमे में कहा गया था कि जब भुक्त भोगी घर में अकेली थी उस समय दोनों उसे अकेला पाकर घर में घुस आए और जबरन दुष्कर्म किया। जब वह रोने और चिल्लाने लगी तो चाकू दिखाकर चुप कर दिया। डर से बची चुप हो गई। इस प्रकार वह लोग बच्ची को अकेली पाकर अक्सर उसके साथ दुष्कर्म करने लगे। वह गर्भवती हो गई, जिसकी जानकारी उसके माता-पिता को इलाज के दौरान चला।

पीड़िता के माता-पिता जब उन दोनों के घर जाकर शादी की बात की तो अरुण कुमार दास ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। बाद में उपरोक्त मामले को लेकर न्यायालय में कंप्लेन केस दायर किया गया। इसे लेकर पोक्सो 02/23 एवं जयनगर थाना कांड संख्या 157/14 दर्ज कराया गया था।

चारा घोटाला मामले में 36 अभियुक्तों की सजा पर सुनवाई आज

रांची। चारा घोटाले का 27 साल पुराना और अंतिम मामला (कांड संख्या आरसी 48 ए/96) में एक सितंबर को 36 अभियुक्तों की सजा पर सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश विशाल श्रीवास्तव की अदालत में सुनवाई होगी। मामला डोरंडा कोषागार से 36.59 करोड़ के अवैध निकासी से जुड़ा हुआ है। इसके पहले 28 अगस्त इस मामले में सुनवाई हुई थी। मामले में 124 आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे। उनमें से 35 आरोपितों को रिहा कर दिया गया था, जबकि 53 अभियुक्तों को दो से तीन साल की सजा सुनाई गयी थी। निचली अदालत ने उन्हें बेल दे दिया था, अब वे हाई कोर्ट में अपील करेंगे। मामले में सीबीआइ की ओर से विशेष लोक अभियोजक रविशंकर पैरवी कर रहे हैं।

चाईबासा मनरेगा घोटाला : ईडी ने एसीबी से मांगे दस्तावेज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चाईबासा जिले में मनरेगा घोटाले की जांच को लेकर ईडी ने एसीबी से पत्राचार किया है। ईडी ने इस मामले में एसीबी में दर्ज सभी केस की डिटेल्स व अनुसंधान की स्टेट्स रिपोर्ट मांगी है। एसीबी में 28 करोड़ के मनरेगा घोटाले में 14 केस दर्ज किए गए थे। इन केस में चाईबासा के दो पूर्व डीसी समेत डीडीसी व कई अभियंताओं की भूमिका संदेहास्पद है। एसीबी ने इस मामले में पूर्व में सभी केस का स्टेट्स रिपोर्ट हाईकोर्ट में भी दिया था। अब एसीबी इस मामले में एफआईआर व जांच से जुड़े सारे दस्तावेज, चार्जशीट की कॉपी भी एसीबी को देगी। ईडी इस मामले में मनी लाउंड्रिंग के पहलुओं पर जांच करेगी।

एसीबी के किस-किस कांड में क्या है अद्यतन स्थिति

- एसीबी के कांड संख्या 6/15, 7/15 में 19 मई 2017 को चार्जशीट दायर हुई थी। इस केस में सभी आरोपियों की उपस्थित अभी नहीं हो पायी है।
- एसीबी के कांड संख्या 8/15 में 16 मई 2017 को अंतिम प्रपत्र दायर हो चुका है।
- एसीबी कांड संख्या 9/15 में आरोपी जूनियर इंजीनियर मनोज कुमार, वशिष्ठ नारायण पांडेय, कार्यपालक अभियंता दीनानाथ सिंह, सहायक अभियंता शशि प्रकाश पर अभियोजन स्वीकृति लंबित है। 19 अप्रैल 2022 को वशिष्ठ नारायण पांडेय, मनोज कुमार को जमानत मिल चुकी है।
- एसीबी के कांड संख्या 10/15 में भी कोर्ट में चार्जशीट 19 जनवरी 2017 को चार्जशीट दायर हो चुका है। कांड सं 11/15 में दीनानाथ सिंह, वशिष्ठ नारायण को हाईकोर्ट से जमानत मिली है, वहीं बाकि आरोपियों पर विभागीय अभियोजन स्वीकृति लंबित है।
- एसीबी 12/15 केस संख्या में आरोपियों पर अभियोजन स्वीकृति नहीं मिल पायी है। 23 सितंबर 2022 को आरोपियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी गई है।

जेएसएससी जेई परीक्षा पत्र लिक के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

रांची। झारखंड स्टाफ सलेक्शन कमीशन(जेएसएससी) जूनियर इंजीनियर परीक्षा पत्र लिक करने वाले गिरोह के चार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की गयी है। छापेमारी बिहार और झारखंड के विभिन्न जिला में शुरू की गयी है। गत 22 अगस्त को इसी मामले के आरोपित दीपक श्रीवास्तव को नालंदा जिला से नामकुम पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद इस मामले में अन्य आरोपितों के ठिकानों के संबंध में पुलिस को जानकारी मिली है। ग्रामीण एसपी हारिश बिन जमा ने गुरुवार को बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम बिहार और झारखंड में छापेमारी कर रही है।

पहल पांच देश घूमकर 46 साल में 20 लाख पेड़ों को रक्षा सूत्र बांध चुके हैं किशोर

पर्यावरण को बचाने की मुहिम में जुटा है कौशल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रक्षा बंधन के मौके पर बहन अपने भाइयों को कलाई पर राखी बांध रहीं हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना कर रही हैं। लेकिन एक ऐसा शख्स भी हैं जो 46 साल से लगातार पर्यावरण को बचाने के मुहिम में जुटा है और पेड़ों को रक्षा सूत्र बांध रहा है। उन्होंने अब तक भारत समेत पांच देशों में 20 लाख से अधिक पेड़ों को रक्षा सूत्र (राखी) बांधे हैं। ये शख्स हैं, पलामू जिला में छतरपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले कौशल किशोर जायसवाल। कौशल किशोर जायसवाल वनराखी मूवमेंट के प्रणेता हैं। वह अपने इस संकल्प से पर्यावरण को बचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे भारत के 102 जिलों के साथ-साथ नेपाल, भूटान, मलेशिया और सिंगापुर में लाखों पेड़ों को रक्षा सूत्र में बांध

चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए शपथ भी दिलवाई है। 1966 में पलामू का इलाका भीषण अकाल की चपेट में आ गया था। इसकी कहानियां आज भी लोगों की जुबान पर है। कौशल किशोर जायसवाल बताते हैं कि उस दौरान वे बाल्य अवस्था में थे। उनके माता पिता बातचीत के दौरान यह कह रहे थे कि जंगल के कटने के कारण अकाल पड़ा है और बारिश कम हो रही है। यही बात उनके बाल मन में घर कर गई थी। कुछ वर्ष बाद उन्होंने अपने गांव में करीब नौ एकड़ में पेड़ लगाए। लेकिन कुछ लोगों ने पेड़ों को काटना शुरू कर दिया। जिसके बाद उन्होंने पेड़ों को बचाने के लिए एक मुहिम शुरू की। स्थानीय महिला और ग्रामीणों को एकजुट कर पेड़ों को राखी बांधने का अभियान शुरू किया। कौशल किशोर जायसवाल बताते हैं कि वह वक्त 1977 का था, जब उन्होंने पलामू की धरती से वनराखी मूवमेंट की शुरूआत हुई थी। वे बताते हैं कि पेड़ों को रक्षा सूत्र में बांधने के लिए कई बार ग्रामीणों को समझाने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। लेकिन उनकी मेहनत ने असर दिखाया और आज सैकड़ों ग्रामीण इस अभियान का हिस्सा हैं और पर्यावरण को बचाने के मुहिम में जुटे हैं। वनरखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल किशोर जायसवाल ने विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान की भी शुरूआत की। इस कड़ी में कौशल किशोर जायसवाल भारत समेत कई देशों में 50 लाख से भी अधिक पौधों का वितरण कर चुके हैं। सीबीएसई और आईसीएसई ने क्लास छह के अंग्रेजी के पाठ्यक्रम में कौशल किशोर जायसवाल को शामिल किया है। कौशल किशोर जायसवाल ने पलामू के छतरपुर के डाली में पर्यावरण धर्म मंदिर की स्थापना की है। इस मंदिर की करीब पांच एकड़ जमीन पर 110 देशों के पेड़ पौधों की प्रजातियां लगायी गई हैं। इनमें से करीब तीन दर्जन से अधिक दुर्लभ प्रजाति के पौधे शामिल हैं।

एआईएमआईएम के प्रत्याशी रिजवी सहित अन्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज

ओवैसी की जनसभा में लगे थे 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे

गिरिडीह। डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसिलमिन (एआईएमआईएम) द्वारा आयोजित सभा में एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के भाषण के दौरान दर्शक दीर्घा से पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने की बात सामने आने पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। इस मामले को लेकर जिले के गिरिडीह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी दीपक कुमार शर्मा ने निर्देश पर वीडियो अवलोकन दल ने भाषण के दौरान रिकॉर्ड वीडियो का अवलोकन किया। इसके बाद यह पाया गया कि भाषण के दौरान दर्शक दीर्घा से पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया था। इस संदर्भ में संबंधित उड़नदस्ता दल, डुमरी के द्वारा डुमरी थाना में एआईएमआईएम पार्टी प्रत्याशी अब्दुल मोबिन रिजवी, मुजफ्फर हसन नूरानी एवं अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इस मामले में प्रशासन प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि वीडियो के अवलोकन में यह पाया गया कि यह कृत्य आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है और सांप्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने का प्रयास है। डुमरी के थाना प्रभारी पवन कुमार सिंह ने पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को डुमरी के केबी हाई स्कूल मैदान में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने जनसभा को संबोधित किया था। इसी दौरान लोगों के बीच से किसी ने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया, जिसके बाद असदुद्दीन ने अपना भाषण बीच में ही रोक कर उसे फटकार लगाई थी।

NEWS इन ब्रीफ

भाजपा नगर मंडल की हुई बैठक,तैयारी की समीक्षा

विश्रामपुर। आरसीआइटी के सभागार में बुधवार को भाजपा नेताओं - कार्यकताओं की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम और संचालन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी ने किया। बैठक में बिश्रामपुर विधानसभा अंतर्गत आने वाले सभी प्रखंडों व नगर के पार्टी अधिकारी शामिल हुए। बैठक में प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के 15 सितंबर के प्रस्तावित दौरे को लेकर चर्चा हुई। श्री मरांडी के आगमन पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बनी। कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा भी की गई। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि बाबूलाल मरांडी के बिश्रामपुर आगमन को ऐतिहासिक बनाया जायेगा। इसके लिए कार्यकर्ता आज से ही जुट जाएं। इससे पहले बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण करके की गयी। मौके पर भाजपा जिला के उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव,रविंद्र पासवान,सुशील चौबे उर्फ टिकैत चौबे,जिला पार्षद विजय रविदास,मनीष कुमार,संतोष राम सहित कई भाजपा नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में रक्षा सूत्र बांधकर मना रक्षाबंधन का पर्व

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के जपला सदभावना भवन परिसर में ब्रह्मकुमारी बहनों ने कार्यक्रम में आए लोगों को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा। कार्यक्रम का संचालन बीके.नीलम ने किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता बीके नम्रता ने रक्षाबंधन पर्व का महत्व समझाते हुए राखी के साथ मस्तक पर तिलक लगाने की प्रथा पर कहा कि तिलक विजय का प्रतीक है। हम आत्म स्वरूप टिक कर दूसरों की आत्मा की नजर से देखते हैं, तो बुराइयों पर हमारी विजय होती है। वाणी मिठाई की प्रतीक है। मीठा खाने से दो चार मिनट के लिए मुख मीठा होता है, लेकिन मीठा बोलने से मन मीठा रहता है। रक्षाबंधन का वास्तविक रहस्य जानकर मनाएंगे तो विष तोड़क पर्व सिद्ध होगा। इस कार्यक्रम में बीके.नीलम, बीके नीरज, बीके. धीरज, बीके कृष्णा, रामनरेश यादव, आनंद किशोर भगत, मनोज भगत, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

उप मुखिया ने नवनिर्मित आगनबाड़ी केंद्र की गुणवत्ता पर उठाये सवाल

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। प्रखंड अंतर्गत केतात कला पंचायत के वार्ड संख्या सात मे लगभग 16 लाख रुपए की लागत से बन रहे आंगनबाड़ी केंद्र में इन दिनों घटिया सामग्री के साथ गुणवक्ता के विपरीत संवेदक द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसे लेकर केतात के उप मुखिया सत्य प्रकाश चौबे ने केतात में स्थित अपने आवास पर प्रेस वार्ता की। जिसमे उन्होंने विभाग के आला अधिकारियों से जांच करते हुए संवेदक पर कारवाई करने की बात कही है। श्री चौबे ने कहा की नव निर्मित आंगन बाड़ी केंद्र के नीव में ना तो गुणवकतापूर्ण ईट का प्रयोग किया जा रहा है और ना ही सही क्वांटिटी मे सीमेंट का कंक्रीट किया जा रहा है। जिससे अभी से ही केंद्र की नीव की दीवार में दरार पड़ गई है। जिससे आगे इस में पढ़ने वाले बच्चो के साथ कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। समय रहते विभाग को इस पर ध्यान देकर संवेदक पर कारवाई करते हुए सुधार लाने की श्री चौबे ने जरूरत बताई है। ताकि देश के नौनिहालो का भविष्य खतरे में ना पड़े। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

सर्प दंश से मधुरीडीह-तेनवाहि की महिला की हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। रेहला थाना क्षेत्र के मधुरीडीह-तेनवाहि गांव में एक महिला को किसी विषैले सर्प ने डंस लिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार रेहला थाना क्षेत्र के मधुरीडीह-तेनवाहि गांव निवासी इंद्रदेव यादव की 35 वर्षीय पत्नी ललिता देवी अपने घर मे सोयी हुयी थी। तभी अचानक विषैले सर्प ने घर मे घुस कर ललिता देवी को काट लिया। जिससे वह घायल हो गयी। परिजन उसे हॉस्पिटल ले गये। लेकिन तबतक उसकी मौत हो गयी थी। मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इधर पुलिस शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दी। वहीं समाजसेवी कृष्णकांत यादव उर्फ मुन्ना यादव मृतक के परिजनों से मिलकर परिवार वालो को ढांढस बंधाये।

ड्यूटी के जवानों की कलाई सूनी न रहे, इस जज्बे से

थाने जाकर स्कूली छात्राओं ने पुलिस जवानों को बांधी राखी

बच्चों ने कहा कि देश के सैनिक व पुलिस जवान निरंतर अपनी तैनाती को लेकर त्योहारों में शामिल नहीं हो पाते हैं

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। संत जेवियर इंग्लिश स्कूल पिपरा बाजार की छात्राओं ने पिपरा थाना पहुंचकर पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। बच्चों ने कहा कि देश के सैनिक व पुलिस जवान निरंतर अपनी तैनाती को लेकर त्योहारों में शामिल नहीं हो पाते हैं। ये अक्सर आम जनता की सुरक्षा वे लिए अपनी खुशियों को त्याग देते हैं। ऐसे जवानों की कलाई सूनी न रहे। इसलिए रक्षाबंधन कार्यक्रम पुलिस जवानों के साथ मनाया गया। वही थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि आज के दिन हर किसी को अपने घर परिवार एवं बहन की याद आती है। सभी का घर पहुंच पाना मुश्किल होता है। लेकिन यहां की बहनों ने राखी बांधकर उस कमी को पूरा करने का कोशिश की। इस मौके पर एसआई सुरेंद्र सिंह, अजय यादव, संत जेवियर विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल प्रजापति सहित अन्य दर्जनों पुलिसकर्मी उपस्थित थे। वहीं पूरे हरिहरगंज व पिपरा प्रखंड क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़े धूमधाम एवं हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया।

विश्रामपुर के नावाडीह में धोती साड़ी का हुआ वितरण

विश्रामपुर। विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित रामजी विश्वकर्मा के जनवितरण प्रणाली दुकान पर कार्डधारियों के बीच सोना सोबरन योजना के तहत धोती - साड़ी व लुंगी का वितरण किया गया। लाभुकों के बीच धोती साड़ी का वितरण गांव के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा कराया गया। मौके पर कृष्णा विश्वकर्मा,मनोज विश्वकर्मा, बिनोद कुमार विश्वकर्मा,मथुरा राम,अनिल कुमार चौधरी,जगदीश राम,जुगुल राम,अंबिका चौधरी, दिनेश चौबे,मिठू पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

सोना सोबरन योजना के तहत लकरही में 106 धोती-साड़ी व लूंगी का वितरण

विश्रामपुर। नगर परिषद अंतर्गत लकरही में सोना सोबरन योजना के तहत पीडीएस डीलर मंजू देवी के जन वितरण प्रणाली दुकान पर लाभुको के बीच धोती साड़ी व लुंगी का वितरण किया गया।जिसमे कुल 106 लाभुकों को धोती,साड़ी व लूंगी दिया गया। वहीं लाभुकों के बीच वितरण के मौके पर समाजसेवी राजू राम सहित कई लोग मौजूद थे।

रक्षाबंधन के उपलक्ष में समूह के तहत पौधारोपण किया गया

नौडीहा बाजार। पलामू जिले के नौडीहा बाजार प्रखंड अंतर्गत किसान कल्याण समूह खैरादोहर के सदस्यों के द्वारा राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय ग्राम शिल्दा खुर्द के प्रांगण में समूह के अध्यक्ष पंकज राम, पंचायत समिति सदस्य संतोष यादव एवं समूह के सदस्यों के द्वारा भाई बहन का अटूट प्यार एव पावन पवित्र पर्व रक्षाबंधन के उपलक्ष में करंज, और पीपल का वृक्ष रोपण कर किया गया। पंचायत समिति सदस्य संतोष यादव ने कहा कि नौडीहा बाजार प्रखंड स्तरीय पंचायत में किसान कल्याण समूह का गठन किया गया है। जिसमें 25 सदस्य हैं। समूह के माध्यम से हर माह पैसा एकत्रित कर किसान हित एवं सरकार के द्वारा मिलने वाला लाभ से पंचायत से लेकर प्रखंड तक लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वातावरण एवं वायु प्रदूषण से बचाव को लेकर सबसे अधिक हवा देने वाले वृक्ष पीपल का पेड़ लगाया गया। मौके परसमूह के सदस्य, पप्पू यादव, दिलीप राम, अरविंद राम, प्रदीप राम, दिलीप कुमार, जितेन्द्र भारती अन्य मौजूद रहे।

ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। उमेश सिंह एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित रेहला - बेलचंपा ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल में सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर मेहंदी और राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमे स्कूल के सभी हाउस से बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्कूल परिसर में रक्षाबंधन पर्व भी पूरे रीति - रिवाज के साथ मनाया गया। स्कूल की छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई राखियों को छात्रों के कलाई पर बांधा। छात्रों ने भी छात्राओं को सुरक्षा का भरोसा और उपहार प्रदान किया। स्कूल के निदेशक अमित कुमार सिंह बाबुल ने सावन पूर्णिमा की बधाई देते हुए बच्चो को रक्षाबंधन पर्व के महत्व के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य दीपक तिवारी एवं मनीष पांडेय रेहला ने विस्तृत रूप से रक्षा सूत्र के महत्व को बच्चों के बीच में रखा। मौके पर वरीय शिक्षक शैलेश चौबे सुरेंद्र शर्मा, विकास चौबे, गीता पांडे, अब्दुल लतीफ, नंदन ठाकुर, विकास पांडेय, राजीव रंजन ठाकुर, प्रवीण प्रसाद, आभा कुमारी, आशु कुमारी, मधु कुमारी, निशिका कुमारी, संजना कुमारी, प्रतिमा कुमारी सहित स्कूल के शिक्षक, शिक्षिका और छात्र छात्रा मौजूद थे।

छोटी बहने भी अपने भाई के कलाई पर बांधी राखी

नावा बजार। पूरे देश में रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बहने अपने भाई के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर अपने भाई के लिए की मंगल कामना करती हैं। भाई भी रक्षा सूत्र बंधवाकर अपनी बहनों के लिए उम्र भर सुरक्षा का संकल्प लिये। रक्षाबंधन इस त्यौहार को पूर्व समय से लोग मानते चले आ रहे है। इस दिन बहन ने अपने भाई के लिए हाथों पर रक्षा सूत्र बांधकर एवं मिठाई खिलाकर भाई से अपने हिफाजत के लिए कलाई पर राखी के रूप में सूत्र बांधते हैं और यह विश्वास दिलाते हैं मैं तुम्हारीबहन हूं और मेरी जिंदगी की डोर तेरे हाथ में है। जब भी मैं टूटने लगु तो इस रक्षा सूत्र को याद कर भाई के रिश्ते को अमर एवं मजबूती बनाए रखना। वहीं इस दिन छोटी बहनें को भी रक्षाबंधन पर खुशी से झूमते देखा गया कि आज मैं अपने भैया के हाथ में रक्षा सूत्र बांधुगी।

वीरकुंवर देवस्थल की जमीन से कब्जा हटाने का अनुरोध

विश्रामपुर। पलामू जिले के नावा बाजार प्रखंड के बसना व वनखेता गांव के लोगों ने डीसी शशिरंजन को एक हस्ताक्षरयुक्त आवेदन देकर वहां वीरकुंवर देवस्थल की जमीन पर अवैध रूप से हो रहे आंगनवाड़ी भवन निर्माण पर रोक लगाने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि संबंधित जमीन वीरकुंवर देवस्थान के नाम की है। सर्वे के नक्शा, खतियान और राजस्व अभिलेखों में अंकित है। ग्रामीणों ने बताया कि राजस्व कर्मचारी को ठेकेदार ने अपने प्रभाव से आर्थिक लाभ देकर गलत तरीके से चेक स्लिप निर्गत कराकर काम शुरू किया है। सीओ राकेश श्रीवास्तव ने इस संबंध में कहा कि जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि उक्त भूमि पर काफी लंबे अरसे से ग्राम बसना और वनखेता के ग्रामीण बाबा वीर कुंवर का पिंड स्थापित कर पूजा करते हैं। सोहराई त्योहार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि देवस्थान की जमीन को अतिक्रमण कर भवन निर्माण कराया जाना न्यायोचित नहीं है। वीर कुंवर स्थल की जमीन अतिक्रमण करने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। ग्रामीणों ने स्थिति को देखते हुए अवैध रूप से कराए जा रहे निर्माण कार्य पर अविलंब रोक लगाने की मांग करते हुए इसकी जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की गुहार लगाई है।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

मेदिनीनगर। पलामू जिला स्कूल के मैदान में खेल दिवस पर विमला पांडेय मेमोरियल ज्ञान निकेतन के छात्र-छात्राओं ने द्वारा बेहतर प्रदर्शन करने पर स्कूल परिवार की ओर से पुरस्कृत किया गया। खेल दिवस पर आयोजित कबड्डी में लड़कों की टीम को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। कबड्डी में ही लड़कियों की टीम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। खो-खो में भी लड़के एवं लड़कियों की टीम अव्वल रही। दोनों टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 1500 मीटर दौड़ में विद्यासागर को दूसरा प्राप्त हुआ। पुरुषोत्तम कुमार को कबड्डी में बेस्ट रेडर घोषित किया। खेल शिक्षक निधि उपाध्याय, पंकज कुमार तिवारी, विद्यालय के अध्यक्ष बलिराम शर्मा, प्राचार्य मनोहर पांडेय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

बरकट गांव में निकाली गई कलशयात्रा

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के बरकट गांव में पतेरवा विश्वनाथ धाम मंदिर में शिवलिंग स्थापना को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। मंदिर परिसर से गाजे-बाजे एवं जयकारे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने श्रद्धालुओं को कलश प्रदान किया। उन्होंने कहा कि धर्म मार्ग पर चलने के लिए सत्य पुरुषों ने प्रेरित किया है। कलश यात्रा में शामिल लोग माथे पर कलश लिए बोल बम, ॐ नमः शिवाय आदि का उद्घोष करते चल रहे थे। गुरुवार को भोजपुरी दुगोला कार्यक्रम तय है जिसमें औरंगाबाद के महावीर यादव और बलिया के सुदर्शन यादव के बीच मुकाबला होगा। शैलेश चंद्रवंशी, सरिता देवी, निर्मला देवी, भूपेंद्र चौधरी, सत्यनारायण बैठा, शिवकुमार सिंह, जगदीश बैठा आदि कलश यात्रा में सक्रिय रहे।

संत जोसेफ कांवेंट स्कूल में राखी बनाओ व थाली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन

विजय प्रतिभागियों को स्कूल प्रबंधन ने किया पुरस्कृत, छात्राओं ने छात्रों को बांधी राखी

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। पूनम तिवारी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित विश्रामपुर संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल में रक्षा बंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में राखी बनाओ और थाली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें यूकेजी से लेकर आठवीं क्लास की छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत किया गया। स्कूल की छात्राओं ने अपने हाथों से बनायी राखी छात्रों की कलाई पर बांधी। छात्रों ने छात्राओं को उपहार के साथ उनके सुरक्षा का वचन दिया। स्कूल के निदेशक एन के तिवारी ने रक्षा बंधन पर्व के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। कहा कि बहनों की रक्षा के साथ हम सब को संकृति और प्रकृति के सुरक्षा का भी संकल्प लेना होगा। प्राचार्य आर के सिंह ने कहा कि हमारे समाज में रिश्ते को कोई न कोई नाम दिया गया है। उन सब में सबसे प्यारा रिश्ता भाई बहन का होता है। रक्षाबंधन बहन की रक्षा की प्रतिबद्धता का पर्व है। सह-निदेशिका पूनम तिवारी ने बताया कि हम सब जानते है कि भाई बहन का रिश्ता सबसे मजबूत और प्यारा है। मौके पर शिक्षक विकाश कुमार,दिनेश सिंह, शिक्षिका निधि राय, ऋतु कुमारी, रिंकी कुमारी, नंदनी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रिंजु यादव, कुमारी सुशीला, पप्पू पासवान, दिनेश चौधरी सहित सभी शिक्षक - शिक्षिका और छात्र छात्रा मौजूद थे।

दिवंगत भाजपा नेता के परिजनों से मिले सांसद, बंधाया ढांढस

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम आज विश्रामपुर प्रखंड के केतात गांव पहुंचे। जहां उन्होंने दिवंगत भाजपा नेता सतेंद्र नाथ चौबे उर्फ ललन चौबे के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया। यहां बताते चलें कि पिछले रविवार को ललन चौबे का देहांत हो गया था। सांसद बी डी राम ने कहा कि ललन चौबे का निधन भाजपा के लिए अपूर्णीय क्षति है। पार्टी और संगठन के लिए उन्होंने बहुत त्याग किया था। मौके पर सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, वरीय भाजपा नेता ईश्वरी पांडेय, अखिलेश चौबे, मार्कंडे चौबे, संजय चौबे सहित कई लोग मौजूद थे।

भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना...रक्षा बंधन धूमधाम से मनाया गया

हुसैनाबाद। गुरूवार को हुसैनाबाद शहरी व ग्रामीणों इलाकों में भाई बहन के प्यार का त्योहार रक्षा बंधन धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने स्नान, पूजा अर्चना करने के बाद अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर मुंह मीठा कराकर उनके सुखद भविष्य की कामना की। वहीं भाईयों ने भी बहन को हर मुसीबत में साथ देने का वादा किया। रक्षा बंधन को लेकर सुबह से ही बाजारों में रौनक थी। मिठाई की दुकानों में ग्राहकों का भीड़ देखी गई। रक्षा बंधन को लेकर सभी सरकारी व गैर सरकारी शिक्षण संस्थान बंद थी। दूसरी ओर राखी के गीतों से बाजार ही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बहना ने भाई की कलाई पर प्यार बंधा है, तो कहीं चंदा रे मेरे भईया से कहना......। सहित एक से बढ़कर एक गीतों से गूंजमान हो रहा थौ।

कार्रवाई डीलरों की मनमानी से प्रभावित कार्डधारियों से मिली जानकारी पर

जन वितरण प्रणाली की दुकानों की अनुज्ञप्ति को निलंबित करने की अनुशंसा

अगस्त में माह एलोकेशन का मात्र 52.53 प्रतिशत ही वितरण किया गया है

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। अंचल अधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी यशवंत नायक ने गोड़ाडीह के डीलर विमलेश कुमार और महिला उत्थान स्वयं सहायता समूह की जन वितरण प्रणाली की दुकानों की अनुज्ञप्ति को निलंबित करते हुए रद्द करने की अनुशंसा जिला आपूर्ति पदाधिकारी को की है। उन्होंने इनके संबंध में अलग-अलग पत्र जारी किया है। जिसमें डीलर विमलेश कुमार को निलंबित किए जाने को लेकर जारी पत्र में कहा गया है कि इनके संबंध में प्राप्त शिकायत के आलोक में 30 अगस्त को इनकी दुकान की औचक जांच के क्रम में उनके गोदाम में खाद्यान्न उपलब्ध नहीं था। माह अगस्त में एलोकेशन का मात्र 52.53 प्रतिशत ही वितरण किया गया है। जबकि पूछने पर बताया कि उन्होंने खाद्यान्न कार्डधारियों के बीच वितरण कर दिया है। वहीं महिला उत्थान स्वयं सहायता समूह की दुकान को लेकर मिली शिकायत के आलोक में औचक जांच के क्रम में गोदाम में पाया गया कि एनएफएसए मद में मात्र 2450 किग्रा खाद्यान्न उपलब्ध था। माह अगस्त के कुल एलोकेशन 7395 किग्रा में से मात्र 2244 किग्रा ही वितरण किया गया है। पूछने पर बताया गया कि खाद्यान्न सभी कार्डधारियों के बीच वितरण कर दिया गया है। दोनों ही पीडीएस दुकानदारों का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया है। बताते चलें कि प्रखंड 20-सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने इन डीलरों की मनमानी से प्रभावित कार्डधारियों से मिली जानकारी पर इन पीडीएस की जांच करने के बाद शिकायत दर्ज कराई थी।

NEWS इन ब्रीफ

500 में घरेलू गैस सिलेंडर दे केंद्र सरकार : रूचिर

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव व राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि मोदी सरकार के द्वारा गैस पर 200 घटाकर दाम कम करने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है और रक्षाबंधन में बहनों का तोहफा बताया जा रहा है। जबकि 2014 से जब केंद्र सरकार सत्ता में आई तब से महंगाई दिन प्रतिदिन बढ़ती चली गई और 400 का घरेलू गैस सिलेंडर का दाम बढ़ाकर 1150 रूपया तक कर दिया गया। वहीं पेट्रोल एवं डीजल का दाम बढ़कर 100 के करीब कर दिया गया। जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आज एक सालों से अधिक समय से काफी गिरावट आई है और आज महंगाई के नाम पर 200 रू गैस सिलेंडर का दाम घटाकर गृहिणियों को झुनझुना थमाने का काम मोदी जी ने किया है। वहीं पेट्रोल डीजल के दाम पर अभी भी चुप्पी साधे हुए हैं। इसी प्रकार किसानों के मिलने वाली खाद भी जो 200 रू बोरी मिलती थी, उसको 1200 कर दिया गया और दाम घटाने के नाम पर 200 कम कर दिया जाता है। जो एक राजनीतिक स्टंट एवं जनता को मूर्ख बनाने का तरीका है। केंद्र सरकार अभिलंब घरेलू गैस सिलेंडर 500 में एवं पेट्रोल डीजल का कीमत 70 प्रति लीटर करें। ताकि आम जनता पर महंगाई का बोझ कम हो सके। चुंकी कच्चे तेल के दाम में लगातार वृद्धि होने से खाद्य पदार्थ की अन्य वस्तुओं के दाम में भी लगातार वृद्धि हो गई है। जिसके चलते आम अवाम को रोजमर्रा की वस्तुएं आटा, चावल, चीनी, तेल, दवा इत्यादि लेना मुश्किल हो गया है।

कचहरी से अस्पताल चौक तक अतिक्रमण मुक्ति की मांग

मेदिनीनगर। बसपा नेता,सह पलामू लोकसभा प्रभारी विनोद कुमार सोनी ने प्रेस बयान के माध्यम से जिला प्रशासन से मांग की है कि कचहरी रोड से लेकर अस्पताल चौक तक रोड के किनारे अतिक्रमण के वजह से आये दिन दुर्घटना हो रही है, लेकिन जिला प्रशासन अतिक्रमण के लेकर कार्रवाई नहीं कर रही ह। जिससे लोगों काफी दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। लेकिन जिला प्रशासन निद्रा में सोया हुआ है। उन्होंने जिला प्रशासन से प्रेस के माध्यम से मांग की कि अतिशीघ्र कचहरी चौक से अस्पताल चौक तक अतिक्रमण मुक्ति किया जाए।

आंगनवाड़ी केंद्र का मुखिया ने किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। प्रखंड अंतर्गत लालगढ़ पंचायत के पंजरी खुर्द गांव में आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। जिसके बतौर मुख्य अतिथि पंचायत के मुखिया धर्मेंद्र चौधरी की अगुआई में पूरे वैदिक मंत्रों उच्चारण के बीच भूमि पूजन किया गया। मुखिया ने कहा कि पंचायत के विकास में हम कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। जनता के हित और सम्मान का हमेशा ख्याल रखूंगा। मौके पर पंचायत समिति सूरजमल राम, पूर्व पंचायत समिति प्रताप कुमार, पंचायत सचिव चंदा सिन्हा, रोजगार सेवक जितेंद्र कुमार चौधरी, वार्ड

सदस्य रामविकास पाठक, राजीव पाठक, भूमिदाता महेंद्र पाठक, आनंद पाठक, सौरभ पाठक, पंकज ठाकुर, जितेंद्र चौधरी, बसंत पासवान, देवेंद्र पाठक, दिनेश पाठक,कृष्ण चौधरी, गोतम पाल ,संतरा देवी, पूनम देवी, मीरा देवी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने भूमि पूजन में सामूहिक रूप से भाग लिया।

चैनपुर के बंदुआ में मना विश्व संस्कृत दिवस

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के बंदुआ गांव में गुरुवार को विश्व संस्कृत दिवस मनाया गया। इस अवसर मां मंगला गौरी मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मां सरस्वती की तस्वीर पर पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। बतौर मुख्य अतिथि डॉ अजय मिश्रा ने कहा कि संस्कृत सनातन संस्कृति का आधार है। यह सभी भाषाओं की जननी है। हमें इसके गौरव को बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा नीति में संस्कृत उपेक्षित हो गई है। सरकार संस्कृत शिक्षा पर ध्यान नहीं दे रही है। इसके लिए सभी को आगे आना होगा। भाजपा के मंडल अध्यक्ष शशि भूषण पांडेय ने कहा कि संस्कृत समस्त भाषाओं की जननी है। विश्व की सभी सभ्यता व

संस्कृति का आधार संस्कृत ही है। सरकार की गलत नीतियों के कारण संस्कृत उपेक्षित हो गई है। हमें इसका गौरव वापस दिलाना होगा। मुखिया दीनानाथ मांझी ने कहा कि वर्तमान में संस्कृत सिर्फ कर्मकांड की भाषा बनकर रह गई है। संस्कृत शिक्षण संस्थान निरंतर घट रहे हैं। हमें अपने परिवार की एक-एक बच्चे को संस्कृत पाठशाला भेजना चाहिए। मुखिया अरविंद तिवारी ने कहा कि संस्कृत शब्द से ही संस्कृति का उदय हुआ बाद में सनातन संस्कार आदि शब्द जुड़ते गए। इसका संरक्षण व संवर्धन आवश्यक है। इसके पूर्व वेद मंत्रो के बीच विद्यादायिनी मां सरस्वती की तस्वीर पर पूजा अर्चना की गई। मां की आरती उतारी गई। साथ ही प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अजय मिश्रा व संचालन अरविंद तिवारी ने किया। मौके पर जगदीश सिंह, रामचरित्र सिंह, राणा प्रताप चंद्रवंशी, अरुण सिंह,रितिक कुमार पांडेय, उमेश प्रजापति आदि मौजूद थे।

बहनों ने अपने भाईयों की लंबी आयु की कामना की

धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

ईश्वर पूजन के बाद भाईयों को तिलक, मिष्ठान, पूजन, रुमाल के साथ बहनों ने राखी बांधी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में बृहस्पतिवार को रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर लंबी आयु की कामना की। वहीं भाईयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का वादा किया। इस दौरान मुंह मीठा करने का दौर भी जारी रहा। लोगो ने घर के बुढ़े-बुजुर्गों के पैर छुकर आशिर्वाद लिया। गुरुवार की सुबह से ही अधिकांश बहनों ने भाई की कलाई पर राखी सजाई और उपहार पाकर अपनों के साथ खुशियां मनाई। सुबह से शुरू हुआ रक्षाबंधन का त्यौहार रात तक चलता रहा। ईश्वर पूजन के बाद भाई को तिलक, मिष्ठान, पूजन, रुमाल के साथ बहन

ने राखी बांधी। इस मौके पर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। भाई और बहन के इस विशेष त्योहार को लेकर अधिकांश घरों में बहनों ने बुधवार की रात में प्लानिंग कर ली थी जिससे सुबह होने पर त्योहार की धूम घरों में नजर आने लगी। मेदिनीनगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन का पावन पर्व रक्षा बंधन धूमधाम से मनाया गया। शहर से लेकर देहात तक मिठाई की दुकानें सज गईं थीं। बहनों ने मिठाई और राखी की दुकान पर खरीदारी जमकर की। सुबह बाइक से बहनें भाई के घर गईं। कहीं-कहीं भाइयों ने बहनों के घर जाकर राखी बंधवाया। पूरे दिन रक्षा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बच्चों में भी रक्षाबंधन का उल्लास देखने को मिला। भाइयों ने बहनों की लंबी उम्र के लिए दुआ मांगी।

पुलिस ने 17 पुड़िया हेरोइन के साथ युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू एसपी रिषमा रमेशन के आदेश पर शहर थाना की पुलिस ने संध्या गश्ती के दौरान शहर थाना क्षेत्र के कांदू मोहल्ला से 17 पुड़िया हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा ने बताया कि 30 अगस्त को संध्या गश्ती के दौरान पुलिस अवर निरीक्षक महाबीर एक्का को शहर थाना टी०ओ०पी० 2 अंतर्गत कान्दु मुहल्ला रामनगर में जितेन्द्र कुमार गुप्ता के द्वारा नशीला पदार्थ बेचने की सूचना प्राप्त हुयी थी। जिस सूचना को वरीय पदाधिकारी को देते हुए प्राप्त निर्देष के आलोक में टीओपी0 2 के पदाधिकारी एवं टाइगर जवान के साथ जितेन्द्र कुमार गुप्ता के घर के पास पहुंचे थे कि पुलिस के आने की आहट पर पक्का मकान से निकलकर एक व्यक्ति को भागने के प्रयास करते छापामारी दल के पुलिस पदाधिकारी तथा आरक्षी द्वारा रोका गया। जिसके पश्चात उसके पास मादक पदार्थ रखने की सूचना पुलिस को होने की पुख्ता

जानकारी होने की बात बताते हुए उसे एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत तलाशी करवाने का पूरा अधिकार होने से संबंधित जानकारी देते हुए नोटिस दिया गया। नोटिस दिए जाने के पश्चात उस व्यक्ति से प्राप्त अनुमति के आलोक में ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर, मेदिनीनगर द्वारा विधिवत तलाशी ली गयी। तलाशी लेने पर उक्त व्यक्ति के पास अवैध हेरोइन जैसा नशीला पदार्थ का कागज में लपेटकर रखा पुड़िया कुल वजन 5.18 ग्राम बरामद किया गया। पकड़ाये व्यक्ति को गिरफतार कर माननीय न्यायलय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

राजनीति में महिलाओं को मुकाम देने की पहल

राजद ने 'राखी बांधो, भाई बनाओ' कार्यक्रम का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। 2024 लोकसभा और विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों की तैयारियां शुरू हो गई है। इसी कड़ी राष्ट्रीय जनता दल ने अपने कार्यालय में राखी बांधो भाई बनाओ कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसके माध्यम से राजनीतिक संगठनो ने महिलओं को एक मुकाम देने की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम में राजद नेताओं ने महिलाओं के गुलाबी गैंग बनाने को लेकर विचार किया और कहा कि महिलाएं अत्याचार के खिलाफ काम करेंगी। राखी बांधो भाई बनाओ कार्यक्रम में अक्टूबर के महीने में महिलाओं का विशाल सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को आमंत्रित करने का भी आग्रह किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद के जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा ने कहा कि महिलाओं के राजनीतिक भागीदारी को लेकर कई तरह की टिप्पणियां की जाती हैं और उन्हें परेशान भी किया जाता है। जिस वजह से महिलाओं को मजबूत बनाने और राजनीतिक में अच्छे हालात को लेकर राखी बांधो भाई बनाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत पार्टी महिलाओं को राजनीति में ज्यादा सक्रिय करना चाहती है, ताकी उन्हें आने वाले चुनावों में इसका पूरा फायदा मिल सके। इस कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में आए। उनके साथ नरेश प्रसाद सिंह, धनंजय पासवान और रामनाथ चंद्रवंशी समेत कई नेता मौजूद थे।

बच्चों की पिटायी मामले में शिक्षा विभाग ने मांगी रिपोर्ट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सतबरवा थाना क्षेत्र के लहलहे में संचालित एक निजी विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा कतार में खड़ा कर एक साथ 50 बच्चों की पिटायी करने के मामले पर बाल कल्याण समिति पलामू (सीडब्लूसी) ने संज्ञान लिया है। इस मामले से संबंधित रिपोर्ट जिला शिक्षा पदाधिकारी से मांगी है। बाल संरक्षण प्राधिकारी प्रकाश कुमार ने जानकारी दी कि शिक्षा विभाग एवं पुलिस से घटनाक्रम पर रिपोर्ट मांगी गयी है। ज्ञातव्य है कि सावन की अंतिम सोमवारी के मौके पर लहलहे में कलश यात्रा निकाली गयी थी। इसमें सैकड़ो ग्रामीणों के साथ गांव के स्कूली बच्चे भी शामिल हुए थे। कलश यात्रा में शामिल होने के कारण बच्चे सोमवार को स्कूल नहीं गये थे।

मंगलवार को बच्चे जब स्कूल पहुंचे तो प्रिंसिपल ने सभी बच्चों को एक साथ कतार में खड़ा कर उनकी छड़ी से पिटायी कर दी। मंगलवार की देर शाम इस संबंध में बच्चों के द्वारा अपने अभिभावकों को जानकारी दी गयी। इसके बाद अभिभावक बच्चों को लेकर सतबरवा थाना पहुंचे थे और मामले में शिकायत की थी। इस संबंध में परिजनों के द्वारा लिखित आवेदन देने की भी बात सामने आयी है। मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि यह निजी स्कूल का मामला है। उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर की बात है। वहीं सतबरवा थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने बताया कि स्कूल के प्रिंसिपल को थाना बुलाया गया है। आवेदन के आधार पर जांच की जा रही है।

लाभुकों का ई-केवाईसी करने का निर्देश

सतबरवा। झारखंड राज्य कृषि ऋण माफी योजना के लाभुकों का ई-केवाईसी करने का निर्देश संबंधित बैंकों तथा सीएसपी केंद्र के संचालकों को दिया गया। प्रखंड कार्यालय में प्रखंड स्तरीय परामर्शी समिति की बैठक बीडीओ सह सीओ राजकिशोर प्रसाद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संबंधित विषय पर गहन चर्चा की गई। एलडीएम एंथोनी लियोनी ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि प्राप्त सभी लाभुकों की केसीसी ऋण संबंधित बैंकों के बैंकर्स को करनी है। बीएओ धर्मेंद्र बैठा, एमो सह जनसेवक अरविंद कुमार और एटीएम प्रियंका कुमारी ने बताया कि सांसद आदर्श गांव घुटूवा (चतरा) संसदीय क्षेत्र के सतबरवा का गांव है। बैंकों को वहां के ग्रामीणों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। मत्स्य और पशुपालकों को केसीसी ऋण मुहैया कराना तथा सभी स्कूलों का शत-प्रतिशत छात्रों का एकाउंट बैंकों में खुलवाने और झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के लाभुकों का ई -केवाईसी करके लाभ देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

वनो पर रक्षासूत्र बांधकर उसे बचाने का संदेश दिया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वन राखी मूवमेंट के 46 वर्ष के सफर पूर्ण होने पर गुरुवार को रक्षाबंधन के अवसर पर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर जायसवाल ने मेदिनीनगर शहर के बाईपास रोड स्थित पर्यावरण भवन के आकाश बाग में चंदन वृक्ष पर और छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के बेलवा टांड पर लगे वनो पर रक्षासूत्र बांधकर उसे बचाने का संदेश दिया। इस मौके पर पर्यावरण धर्म पर आयोजित गोष्ठी में पर्यावरण से जुड़ी बातों पर विस्तृत चर्चा हुई। पर्यावरणविद कौशल ने वन वृक्षों पर रक्षाबंधन और पौधरोपण कर वन राखी मूवमेंट के 47 वें वर्ष का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के त्योहार में बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षाबंधन कर उसकी सुरक्षा की मंगल कामना करती है। जबकि जीवन रूपी प्राकृतिक वन वृक्षों पर रक्षाबंधन से धरती और ब्रह्मांड के 84 लाख योनियों की सुरक्षा होती है। वन राखी मूवमेंट के तहत अबतक देश और विदेश के कई राज्यों में करीब 50 लाख पौधों का वितरण व रोपण किया जा चुका है। इस अवसर पर निकाली गई प्रभात फेरी में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में शामिल लोगों के बीच 100 मच्छरदानी और पौधा वितरित कर इसका समापन किया गया। कार्यक्रम में उप मुखिया अफजल अंसारी, सत्येंद्र प्रसाद, सुचित कुमार, जुबेर अंसारी, अंजनी देवी, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, सुमित कुमार, अमन कुमार, श्याम देव सिंह, चंद्रेश सिंह, बृजमोहन सिंह, छठु सिंह, देवंती देवी, फुलवा देवी, राजपति कुंवर, बचेश यादव , अशर्फी यादव, बाबूराम, शिवनाथ राम, रामू, छोटू, अद्विका कुमारी, अनुषा कुमारी, समेत सैकड़ो प्रकृति प्रेमी महिला पुरुष और नौजवान शामिल थे।

अज्ञात वाहन के धक्के से 25 वर्षीय युवक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के बिसफुट्टा पुल के नजदीक बैजनाथ आश्रम के पास बुधवार की रात बाइक दुर्घटना में एक 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम मझौली निवासी स्वर्गीय राम जबित सिंह के पुत्र हरेंद्र कुमार सिंह बुधवार की रात लगभग 8:00 बजे अपने घर से बाइक पर सवार होकर मेदिनीनगर डिज्नीलैंड मेला देखने जा रहा था। इसी बीच रास्ते में बैजनाथ आश्रम के पास अज्ञात वाहन से उसकी बाइक की टक्कर हो गई। जिसमें हरेंद्र सिंह बाइक से गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा उसे इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। वहीं दुर्घटना की खबर सुनकर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे और हरेंद्र सिंह के शव को लेकर घर चले गए। इसके बाद मृतक के परिजन व स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा इस घटना की सूचना पाटन पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह को दी गई। जानकारी मिलते ही जिला परिषद संग्राम सिंह परिजनों को समझा बूझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल भेजवाये और परिजनों को कानूनी प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम करवाने की सलाह दिये। वहीं मौके पर उपस्थित जिला परिषद संग्राम सिंह ने कहा कि मृतक के परिजन काफी गरीब परिवार से आते हैं,उनके परिवार को सरकारी मुआवजा दिलाया जायेगा। उन्होंने मृतक के परिजनों को अपने स्तर से सहयोग देने का आश्वासन दिया है। गुरुवार को उन्होंने अपने देखरेख में हरेंद्र सिंह का पोस्टमार्टम करवाया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

अलहदा

विरले संयोग ने दिया यह मौका

केंद्रीय कारा में भी मनाया गया राखी का पावन पर्व

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। इस समय इस केंद्रीय कारा में पांच ऐसी महिलाएं बंद हैं। जिनके भाई भी बंद है। इन महिलाओं ने जेल अधीक्षक जितेंद्र कुमार से लिखित आग्रह किया था कि वह इन पांचो बहनों को जिनके भाई भी इसी जेल में बंद है, राखी बांधने की अनुमति प्रदान करें। जेल अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने प्रेस को बताया की सभी कानूनी प्रावधानों को देखते हुए इन पांचो महिलाओं को अपने भाईयों को, जो इस समय इस जेल में बंद है, राखी बांधने की अनुमति दे दी गई। आज यह पांच बहने जेल के कांफ्रेंस हॉल में लाई गईं। वहां उनके पांचो भाई मौजूद होते हैं, भाई बहन के इस अटूट रिश्ते का दृश्य दिल को छू लेने वाला था। पांच बंदी बहनों ने अपने पांच बंदी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। यह दृश्य जितना सरल लग रहा था उतना ही भावुक था। जेल प्रशासन ने इन पांच बहनों और पांच भाइयों, जो संयोग से इसी जेल में बंद है,

की खुशियों से राखी त्योहार मनाने में अहम भूमिका निभाई। सूत्र कहते हैं कि ऐसा बहुत कम देखा गया है जब बहन और भाई एक साथ ही एक ही जेल में बंद हो और यहां तो इस केंद्रीय कारा में पांच बहने बंद है और उनके एक-एक यानी कुल मिलाकर पांच भाई भी बंद है । इन पांच महिलाओं में तीन महिलाएं सजा याफ्ता हैं और दो विचाराधीन कैदी है। पांच भाइयों में केवल एक सजा याफ्ता है जबकि चार विचाराधीन कैदी है । केंद्रीय कारा डाल्टनगंज में आज इन पांच बहनों और भाइयों को भाई बहन के पवित्र रिश्ते को निभाने के लिए न केवल हर मुमकिन कोशिश की बल्कि सुहूलियत भी दी गई। एक जेल कर्मी ने बताया की जेल प्रशासन की ओर से मिठाई की भी व्यवस्था की गई थी। राखी का ये त्यौहार, जो आज केंद्रीय कारा डाल्टनगंज में पांच बंदी बहनों और पांच बंदी भाइयों ने मनाया, वह हर दृष्टिकोण से अति उल्लेखनीय और यादगार है।

पैक्स अध्यक्ष ने कहा-अब किसानों को बीज और खाद समय पर मिलेगा

लॉटरी से चुनाव : रवि बने पैक्स अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता। केतार

केतार पंचायत सचिवालय के सभागार में गुरुवार को दंडाधिकारी सह कनीय अभियंता आनंद कुमार की देखरेख में लॉटरी के माध्यम से पैक्स अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न हुआ। इसमें रवि कुमार रवि को विजेता घोषित किया गया। निर्वाचन पदाधिकारी मनोज कुमार के द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष रवि कुमार रवि को प्रमाण पत्र दिया गया।

इससे पूर्व निवार्ची पदाधिकारी मनोज कुमार, दंडाधिकारी आनंद कुमार के द्वारा दोनों प्रत्याशी मिथलेश कुमार गुप्ता और रवि कुमार रवि की उपस्थिति में बंद कमरे में दोनों प्रत्याशियों का कागज के टुकड़ा पर अलग-अलग नाम लिखकर डब्बा में डाला गया और नाबालिग बच्चा से लॉटरी निकलवा गया, जिसमें रवि कुमार रवि का नाम निकला। निवार्ची पदाधिकारी

ने रवि कुमार रवि को अध्यक्ष पद के लिए विजेता घोषित किया और प्रमाण पत्र दिया। यहां जैसे ही अध्यक्ष पद की घोषणा हुई रवि कुमार रवि के दर्जनों समर्थकों ने आतिशबाजी करते हुए विजयी जूलुस निकाल कर खुशियां मनाई। इस अवसर पर रवि ने कहा की यह जीत सच्चाई की जीत है। उन्होंने कहा कि अब किसानों को बीज और खाद समय पर उपलब्ध कराया जाएगा। गौरतलब है कि केतार पैक्स प्रबंधन समिति का चुनाव 22 अगस्त को हुआ था। लेकिन दोनों प्रत्याशियों का बराबर बराबर मत आने के बाद पुनः मतगणना कराया गया, जिसमें पुनः दोनों प्रत्याशियों को 97-97 मत मिले थे। दोनों प्रत्याशियों ने उस दिन लॉटरी के माध्यम से निर्णय का विरोध किया था। जिस कारण घोषणा स्थगित कर 31 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई थी। इस मौके पर दंडाधिकारी आनंद कुमार, निर्वाचन पदाधिकारी मनोज कुमार, मुख्यालय इंस्पेक्टर सुनील कुमार, उदय कुमार, पीएसआई संजय हेंब्रम, मुखिया प्रमोद कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि सुरेंद्र प्रसाद, अमरनाथ जयसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद, गुडन पासवान, राजू सिंह, दिलीप जयसवाल आदि मौजूद थे।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक की मौत, तीन लोग हुये गंभीर

दो बाइकों की हुई टक्कर, टेंपू ने खड़े ट्रक में मारा धक्का

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

अनुमंडल मुख्यालय क्षेत्र में हुयी दो सड़क दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना महदेइया पेट्रोल पंप के समीप एनएच 75 पर हुई, जहां दो बाइक की टक्कर में पतरिहा गांव निवासी बसंत राम की मौत हो गयी, जबकि मंगरदह निवासी महिला मीना देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी।

जानकारी के अनुसार बसंत राम मंगरदह स्थित अपने ससुराल से अपनी सरहज मीना देवी को बाइक पर लेकर घर जा रहे थे। इसी दौरान महदेइया पेट्रोल पंप के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक से उनकी टक्कर हो गयी। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को अनुमंडलीय अस्पताल इलाज के लिए लाया गया, जहां गंभीर स्थिति देखते हुए दोनों को सदर अस्पताल

रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल पहुंचने से पहले ही बसंत राम की मौत हो गयी। दूसरी घटना जंगीपुर के समीप एनएच-75 पर हुई। जहां नगर उंटारी से मेराल जा रही टेंपू ने खड़े ट्रक में पीछे से धक्का मार दिया। इस घटना में मेराल थाना क्षेत्र के गोना निवासी उमेश राम की पत्नी रानी देवी और उसके दो पुत्र सत्यम कुमार व शिवम कुमार घायल हो गए। तीनों घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां गंभीर स्थिति देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। रानी देवी अपनी मायके खरौंधी थाना क्षेत्र के मझिगावां से राखी बांधकर टेंपू से वापस ससुराल जा रही थी। वहीं घटना के बाद पुलिस ने टेंपू को जब्त कर लिया है।

रंका सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को किया गया सम्मानित

डॉ. असजद अंसारी को संस्था ने सम्मानित किया

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

डॉ. असजद अंसारी को रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बनाए जाने पर वीर अब्दुल हमीद संस्था ने सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के लोगों ने डॉ असजद अंसारी को अंग वस्त्र व बुके प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर मोहम्मद अमन रजा, मोहम्मद तौफिक, मोहम्मद कैफ, मोहम्मद बिक्की सहित कई लोग उपस्थित थे। मौके पर वीर अब्दुल हमीद संस्था के नौशाद आलम आलम ने कहा डॉ असजद अंसारी एक कुशल चिकित्सक हैं। इनके कार्यकाल में रंका अनुमंडल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगा। अयूब खान ने कहा कि डॉ असजद अंसारी बेहतर चिकित्सक होने के साथ ही समाजसेवी भी हैं। वे रक्तदान, कंबल वितरण, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, अनाज वितरण, मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर, पाठ्य सामग्री का वितरण, विवाह में सहयोग, शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में कई सेवा कार्य करते रहते हैं। जिसका लाभ यहां के लोगों को मिलता है। सलमान आलम ने कहा कि अभी तक डॉ असजद अंसारी के द्वारा 13 बार मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा चुका है। जिसके तहत 455 यूनिट रक्तदान किया जा चुका है। वहीं वे खुद 30 बार रक्तदान कर चुके हैं। ऐसे में रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों को काफी लाभ हुआ है। मोहम्मद रिजवान ने कहा कि डॉ असजद के द्वारा प्रत्येक वर्ष ठंड के दिनों में गरीब व असहाय लोगो के बीच कंबल वितरण किया जाता है। अभी तक उनके द्वारा 1300 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया जा चुका है। वहीं सांप्रदायिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष हरेक त्योहार के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की जाती है।

पीपल के पेड़ को राखी बांध लिया पर्यावरण बचाने का संकल्प

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

पूरे देश में भाई बहन का त्योहार रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया जा रहा है। वहीं नगर उंटारी के मध्य विद्यालय में पढ़ने वाली बेटियों ने नगर पंचायत कार्यालय के सामने चबूतरे पर पीपल के पेड़ को राखी बांध कर पेड़ लगाने, पेड़ बचाने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम में भाग ले रही बेटियों ने कहा कि ये पेड़ भी हमारे भाई हैं, जो हम सभी को शुद्ध वायु देकर एवं पर्यावरण को बचा कर हमारी रक्षा करते हैं। इस अवसर पर बेटियों ने विधिवत पीपल पेड़ को संस्कृति के अनुसार विधि विधान से राखी बंधन करते हुए सभी सजीव जगत के लिए रक्षा, सुख, संवृद्धि, की कामना की। इस कार्यक्रम को करते देख कुछ अन्य राज्यों से आई महिला पर्यटकों ने भी अपने आप को नहीं रोक सकीं और बेटियों का

उत्साह वर्धरन करते हुए कार्यक्रम में शरीक हुई। इस अवसर पर बेटियों ने रक्षा बंधन का मधुर गीत 'भैया मेरी राखी की डोर, कभी होने देना न कमजोर' गीत का सस्वर गायन कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अगल बगल के लोग इस कार्यक्रम को देख काफी प्रभावित हुए तथा इस कार्यक्रम को नगर उंटारी में अनोखा बताया। इस कार्यक्रम में भाग लेनी वाली बेटियां मुस्कान, आसिया, सुगंधा, शांति,अंजलि, श्रेया, आइसा, शीतल, करुणा, आलिया, आफरीन आदि उपस्थित थीं। मौके पर डॉ. इमरान खान, शिक्षक रामलला मिश्र, तनवीर आलम, उपेंद्र कुशवाहा, मासूम खलीफा, उपेंद्र कुमार, शिब्बू खलीफा, अजय मेहता आदि मुहल्ले के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

खरौंधी। प्रखंड क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। बहन-भाई के प्यार का प्रतीक इस त्योहार को लेकर घर-घर में व्यापक तैयारियां की गई थी। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और रक्षा का वचन लिया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर रक्षा का वादा किया। इस दौरान मुंह मीठा करने का दौर भी जारी रहा। घर के बुढ़े- बुजुर्गों का पैर छुकर आशिर्वाद लिया गया। सुबह 8 बजे तक अधिकांश बहनों ने भाई की कलाई पर राखी सजाई और उपहार पाकर अपनों के साथ खुशियां मनाई। बुधवार की शाम से शुरू हुआ रक्षाबंधन का त्योहार गुरुवार रात तक चलता रहा। वहीं सावन पूर्णिमा को लेकर सुबह से ही लोगों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

चिनिया थाना क्षेत्र में तीसरे दिन भी जारी रहा हाथियों का आतंक

मसरा गांव में कई एकड़ में लगी धान की फसल को रौंदा

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया

थाना क्षेत्र में जंगली हाथियों का तीसरे दिन भी आतंक जारी रहा। बुधवार रात्रि करीब 12:00 बजे थाना क्षेत्र के मसरा गांव के मुरटंगी टोले में कई किसानों के खेतों में लगे फसलों को जंगली हाथियों ने भारी नुकसान पहुंचाया। इससे किसानों की कमर टूट गई है। हाथियों द्वारा खेत में लगी धान की फसल को सफाचट कर दिया गया तथा रौंद दिया गया। जिन किसानों की फसलों को जंगली हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचाया गया है वह हैं शंकर भुईहर, रामप्रवेश साव, कृष्णा साव, उमेश साव, शिवपूजन सिंह। वहीं अन्य किसानों की फसलों को भी हल्का नुकसान पहुंचाया गया है।

बताते चलें कि पिछले तीन दिनों से लगातार थाना क्षेत्र में जंगली हाथियों के द्वारा फसलों को भारी

नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के किसान काफी भयभीत हैं। गांव के किसान जंगली हाथी के डर से रतजगा कर रहे हैं। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि रात्रि करीब 12 बजे लगभग 12 से 15 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड गांव में प्रवेश किया और रात भर फसलों को नुकसान करता रहा। उधर ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग जल्द से जल्द हाथियों को क्षेत्र से भगाए तथा हाथियों को भगाने के लिए पटाखे एवं किरासन तेल मुहैया कराए। बर्बाद हुई फसलों का आकलन कर हम लोगों को उचित मुआवजा दिया जाए। उधर मामले में पूछे जाने पर वन विभाग के प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार ने कहा कि हाथियों द्वारा फसलों को नुकसान किए जाने की जानकारी मिली है। फसलों का जायजा लिया जा रहा है। प्रावधान के अनुसार किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर में 65 रोगियों का इलाज

मिलाप मेडिकल सेंटर में लायंस क्लब ने किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

शहर के चिनिया रोड स्थित मिलाप मेडिकल सेंटर में लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ऑसम एवं मिलाप मेडिकल सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में हर महीने के 30 तारीख को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम की जानकारी सेंटर के डायरेक्टर डॉ. असजद अंसारी ने दी। उन्होंने बताया कि इस महीने भी मिलाप मेडिकल सेंटर में कुल 65 रोगियों का इलाज और जांच की सुविधा उपलब्ध की गई है। इस कार्यक्रम के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. महजबीं और डॉ असजद द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। स्वास्थ्य सलाह के साथ-साथ दवाओं का वितरण भी किया गया।

उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य शिविर आम जनता के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य स्थानीय रोगियों को मुफ्त मेडिकल सुविधाओं तक पहुंचना है। इस आयोजन के माध्यम से सेंटर की टीम विभिन्न महिला संबंधित रोगों के लिए समागम स्थल बनाती है और रोगियों को आवश्यक इलाज और सलाह प्रदान करती है। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मासिक आधार पर होता है, जिसे लोग अग्रिम बुक करा सकते हैं। रोगियों का आगंतुक जल्दी से जांच होता है और विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा उनकी चिकित्सा योजना बनाई जाती है। इसके साथ ही, महिलाओं को विभिन्न जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सही जानकारी भी दी जाती है। यह सेवा स्वास्थ्य परिस्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास है। इसमें विभिन्न रोगों की पहचान, उनका निपटारा और समय पर इलाज कराने का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस मौके पर लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ऑसम के सचिव ला राजेश गुप्ता, ला संतोष कश्यप, ला पूनम कांस्यकार, ला डॉ आलोक गुप्ता, ला मनीष कश्यप, ला सरोज सिंह इसके अलावा अस्पताल की ओर से ओटी असिस्टेंट युसूफ अंसारी, एएनएम संध्या, सेजल, बिंदु सहित कई लोग उपस्थित थे।

केतार में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नवीन मेल संवाददाता। केतार

केतार थाना क्षेत्र के पंडितपुरा गांव निवासी घुरन साह का 25 वर्षीय पुत्र एस कुमार गुप्ता ने बुधवार की रात्रि में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया कि एस कुमार की अपने पत्नी के नाना से फोन काफी नोंक-झोंक हुई थी, जिससे आहत होकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी के बाद केतार थाना पुलिस रात्रि में ही शव को कब्जे में लेकर थाना ले गयी। गुरुवार की सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार पंडा नदी तट पर किया गया। इस घटना से गांव में मातम पसरा है।

धर्म-कर्म धर्मपालन में कभी भी बहानेबाजी नहीं करनी चाहिए : जीयर स्वामी महाराज

'संसार विष्णुमय है, कोई न किसी का मित्र है न शत्रु'

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

संसार में न तो कोई किसी का मित्र है, न शत्रु है। मनुष्य किसी को अपना शत्रु मानकर उसपर क्रोध करते हैं; वे वास्तव में अपनी ही हानि करते हैं। संसार विष्णुमय है। शरीर का एक अंग दूसरे अंग का शत्रु कैसे हो सकता है? भगवान की कथा में श्रद्धा करे, भगवान की प्रतिमा को पूजा करे, भगवान का स्मरण करे, भगवान के ही चरणकमलों में रिश झुकावे, भगवान को ही संसार में सबसे बड़ा साथी माने, भगवान का हो सेवक बने और भगवान के ही चरणकमलों में संपूर्ण रूप से आत्मसमर्पण कर दे। जो पुरुष इस प्रकार भगवान की भक्ति करते हैं, वे इस असार संसार के बंधन से मुक्त होकर परमपद पाते हैं। तुम परमेश्वर और भोग दोनों की सेवा नहीं कर सकते। विषय न बटोरो। कल के लिये चिंता न करो। कल अपनी चिंता आप करेगा। सदा स्मरण करनेयोग्य तो एक ही वस्तु है। सदा सर्वदा सर्वत्र श्रीकृष्ण के सुंदर नामके स्मरणमात्र से ही प्राणिमात्र का कल्याण हो सकता है। रे मनुष्य! तू दीन होकर घर-घर क्यों भटकता है। तेरा पेट तो सेर भर आटे से ही भर जाता है।

भगवान तो उस समुद्र को भी भोजन पहुंचाते हैं जिसका शरीर चार सौ कोस लंबा-चौड़ा है। संसार में कोई भूखा नहीं रहता। चीटीं और हाथी सभीका पेट भगवान भरते हैं। अरे मूर्ख! तू विश्वास क्यों नहीं करता। शोक, मोह, दुःख-सुख और देह की उत्पत्ति सब माया के ही कार्य हैं और यह संसार भी स्वप्न के समान बुद्धि का ही विकार है। इसमें वास्तविकता कुछ भी नहीं है। एक भगवान ही सत्य हैं। शरीर और मन, बुद्धि को जीता हुआ अपरिग्रही, निराशी मनुष्य शरीर संबंधी कर्म करता हुआ भी पापों को प्राप्त नहीं होता। सुख-दुःख, हानि-लाभ आदि द्वन्द्वों में फंसे हुए जीवों में जो मनुष्य हर्ष, शोकरहित होकर विचरण करता है, वही तृप्त है। मैं न राज्य चाहता हूं, न स्वर्ग चाहता हूं और न मोक्ष ही चाहता हूं। मैं दुःख पीड़ित प्राणियों के दुःख का नाश चाहता हूं। मैं परमेश्वरसे आठ सिद्धियों वाली उत्तम गति या भक्ति नहीं चाहता, मैं केवल यही चाहता हूं कि समस्त देहधारियों के अंतःकरण में स्थित होकर उनके कष्टों को भोगूं, जिससे उन्हें कष्ट न हो। लोभ, दीनता, भय और धन आदि किसी भी कारण से मैं अपना धर्म नहीं छोड़ सकता – यह मेरा दृढ़ निश्चय है। धर्मपालन में बहानेबाजी कभी नहीं करनी चाहिये, मैंने सत्य से हीं सब शस्त्र प्राप्त किये हैं। मैं सत्य से कभी नहीं डिग सकता। श्रीहरि के चरणों की सेवा मनुष्यों को स्वर्ग, मोक्ष, इस लोक की महान संपत्ति और सब प्रकार की सिद्धियों को देने वाली है। भगवान की पूजा छोड़कर जो लोग दूसरे की पूजा करते हैं, वे महामूर्ख हैं।

लोगों को खिलायी गयी फाइलेरिया रोधी दवा

नवीन मेल संवाददाता। महुआडांड़

महुआडांड़ में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर गौसिया व मदीना मस्जिद अम्वाटोली के स्वास्थ्य सहिया रफतजहां व डिपाटोली के स्वास्थ्य सहिया आमना बीबी के द्वारा फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया गया। इसकी जानकारी देते हुए स्वास्थ्य सहियाओं ने बताया कि गौसिया मस्जिद में कारी शमशेर रजा, मोहसिन, खुर्शीद आलम के अगुवाई में व मदीना मस्जिद में मौलाना इमरान व जसीम उद्दीन के अगुवाई में दवा का सेवन कराया गया। दोनों मस्जिद में मिलाकर 78 लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा

डीईसी, एलबेंडाजॉल एवं आइभरमेक्टिन का सेवन कराया गया। और लोगों को इस संबंध में जानकारी दी गई कि फाईलेरियारोधी दवा का सेवन खाली पेट नहीं करें, एवं 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति फाईलेरिया रोधी दवा का सेवन नहीं करें।

कुचिला खेल मैदान का सुंदरीकरण किया जाएगा : विधायक रामचंद्र सिंह

कुचिला ने चंदवा को हराकर जीता फुटबॉल टूर्नामेंट

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह

प्रखंड के छिपादोहर थाना क्षेत्र के कुचिला पंचायत के खेल मैदान में बीते एक सप्ताह से चल रहे कुचिला लोकल फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला चंदवा और कुचिला के बीच खेला गया। रोमांचक मैच में निर्धारित समय तक कोई निर्णय नहीं होने के कारण पेनल्टी कॉर्नर की मदद ली गयी, जिसमें कुचिला की टीम ने चंदवा की टीम को दो गोल से पराजित किया। मुख्य अतिथि विधायक रामचंद्र सिंह ने विजेता टीम को नकद राशि एवं शील्ड देकर सम्मानित किया। वहीं उपविजेता टीम को भी पुरस्कार दिया गया। सफल प्रतिभागियों के बीच भी पुरस्कार वितरण किया गया। विधायक ने कहा कि लोकल टूर्नामेंट आयोजन

नियमित होना चाहिए, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने कुचिला खेल मैदान का सुंदरीकरण कराने की घोषणा की। मौके पर थाना प्रभारी छिपादोहार अभिषेक कुमार, समाजसेवी अनिल कुमार सिंह, नेजाम अंसारी, कौशल यादव, प्रदेश कांग्रेस कार्य समिति सदस्य रविंद्र राम, विधायक पुत्र सह स्टेट कोआर्डिनेटर कांग्रेस विजय बहादुर सिंह, आयोजनकर्ता अध्यक्ष नरेश सिंह, सचिव देवनंद सिंह कोषाध्यक्ष अल्ताफ राजा, आलोक सिंह, अमित सिंह, रंजन सिंह नौशाद अली, विरेंद्र सिंह, अजीत कुमार आदि मौजूद थे।

सब जूनियर कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने खिलाड़ी हुये रवाना

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह

दुमका में 1 से 3 सितंबर तक होने वाली झारखंड सब जूनियर कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने को लेकर लातेहार जिले की टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले 9 खिलाड़ियों का समूह बुधवार शाम बरवाडीह से रवाना हुआ। इससे पूर्व लातेहार जिला कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष मदन लाल द्वारा एक समारोह का आयोजन रेलवे क्लब में किया गया, जहां जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापिका सुनीता टोप्पो ने जहां खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कराटे खिलाड़ी संदीप कुजूर, सूरज टोप्पो, दीनानाथ खरवार, रमनदीप टोप्पो, भूपेंद्र सिंह, सूर्योदय कुमार सिंह अभिषेक

बोदरा, रोशनी कुमारी समेत अन्य सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं। जिप सदस्य ने कहा कि हमारे प्रखंड क्षेत्र में हर खेल के प्रतिभावान खिलाड़ी मौजूद हैं और उन प्रतिभावान खिलाड़ियों को लगातार निखारने का काम किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि आज हमारे क्षेत्र के खिलाड़ी राज्य स्तर के साथ-साथ देश स्तर पर भी हमारे प्रखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मौके पर कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष मदनलाल, जनरल सेक्रेटरी जंग बहादुर, कोच संगीत टोप्पो, गौतम सिंह समेत काफी संख्या में खिलाड़ी आदि मौजूद थे।

मनिका थाना क्षेत्र में भीषण हादसा

रक्षाबंधन के दिन हादसे में भाई की मौत, बहन-बहनोई घायल

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

रक्षाबंधन के दिन एक बहन से उसका भाई सदा के लिए जुदा हो गया। वह भी तब हुआ जब वह एक बाइक से अपनी बहन व बहनोई को लेकर अपने घर लौट रहा था। घटना मनिका थाना क्षेत्र की है। थाना क्षेत्र के मनधनिया ग्राम निवासी शंकर उरांव रक्षाबंधन के दिन गुरुवार की सुबह अपनी बाइक से बरवाही गांव से अपने घर लौट रहा था। उसके साथ बाइक में उसकी बहन नमिता देवी व बहनोई राजेश उरांव भी सवार थे।

बताया जाता है कि एनएच-75 पर मनिका थाना क्षेत्र के नामूदाग ग्राम के पास एक ट्रक से उनकी सीधी टक्कर हो गयी। इस दुर्घटना में शंकर उरांव की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी, जबकि बहन व बहनोई घायल हो गये। उनकी बाइक टक्कर के बाद ट्रक के पहिया के नीचे आ गयी थी। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने

पर थाना प्रभारी भानू प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने शव व ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। हालांकि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़ कर भाग गया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने की सड़क जाम

दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-75 को जाम कर दिया। बाद में थाना प्रभारी के सरकारी प्रावधानों के अनुसार मुआवजा व अन्य सहायता देने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया। हालांकि इस दौरान एनएच -75 के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षा कवच

नवीन मेल संवाददाता। महुआडांड

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन का त्योहार पूरे प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन बेला पर बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर रक्षा कवच बांधकर उनकी लंबी उम्र और उनके सुख और समृद्धि की कामना की। बदले में भाइयों ने बहनों पर स्नेह लुटाए और उन्हें उपहार दिया। वहीं पर्व को लेकर सर्वत्र उत्साह, उमंग का माहौल रहा। बजार में चहल पहल छायी रही। रक्षाबंधन पर लड्डू और पेड़े खुब बिके। दुकानों में भारी भीड़ दिखी। अन्य सुखी मिठाइयों की बिक्री भी जमकर हुई। दूर दराज रहने वाली बहनों ने भाईयों को राखी भेजने के लिए डाकघर का भी सहारा लिया। एक सप्ताह से डाकिए बहनों के द्वारा भेजी गई राखियां बांट रहे हैं। बहनों की राखियां स्पीड पोष्ट से भी प्राप्त हुई हैं।

चंदवा में रक्षा बंधन हर्षोल्लास से मना

चंदवा। भाई बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास का प्रतीक रक्षा बंधन सावन मास के पूर्णिमा तिथि को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके दीघार्यु एवं सुखमय जीवन की कामना की। भाई ने भी हर परिस्थिति में अपनी बहन की रक्षा करने का संकल्प दोहराया। शहर समेत ग्रामीण इलाकों के शिवालयों में भीड़ देखी गई। रक्षाबंधन पर्व को लेकर शहर में काफी भीड़ देखी गई। राखी व मिठाई की दुकानों में लोग बड़ी संख्या में खरीदारी करने पहुंचे थे। बाजार में एक से बढ़कर एक राखी के डिजाइन मौजूद थे। इस वर्ष देसी राखियों की मांग ज्यादा रही।

रक्षा बंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास के प्रतीक रक्षा बंधन सावन मास के पूर्णिमा तिथि को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके दीघार्यु एवं सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर भाई ने भी हर परिस्थिति में अपनी बहन की रक्षा करने का संकल्प दोहराया। वहीं रक्षाबंधन पर्व को लेकर शहर में काफी भीड़ देखी गई। राखी व मिठाई की दुकानों में लोग बड़ी संख्या में खरीदारी करने पहुंचे थे।

भाइयों ने लिया बहनों की रक्षा का संकल्प

बारियातु। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन का पावन पर्व रक्षा बंधन त्योहार गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सुत बांधकर जन्म जन्म तक सुख-दुःख में साथ निभाने का वचन भाइयों से लिया। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर रक्षा का वादा किया।

सावन पूर्णिमा पर सिंदुवारी गुरुमठ में अखंड हरिकीर्तन-भंडारे का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)

गुरुवार मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के सिंदुवारी गुरुमठ में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर अखंड हरिकीर्तन व भंडारे का आयोजन किया गया। अखंड हरिकीर्तन में दिग्ही, मखरौल, सिंदुवारी के ग्रामीणों के अलावा अमझर, पचघारा, धनगावां, पंदनी समेत दर्जनों लोगों ने भाग लिया। हरिकीर्तन सुबह सात बजे से शुरू होकर शाम सात बजे हवन पूजन के साथ भंडारे का प्रसाद वितरण कर संपन्न हुआ। ज्ञात हो कि सिंदुवारी गुरुद्वारा चय व चंपा

परगणा का गुरुमठ है। इस गुरुमठ में लगभग एक दर्जन मठाधिशों की समाधि स्थल है, जो लगभग सात सौ वर्षों का पुराना धरोहर प्रतित होता है। गुरुमठ का अपना लगभग चौबीस एकड़ खेती योग्य जमीन भी उपलब्ध है। इस पवित्र स्थल पर शिवलिंग के साथ राम, जानकी, लक्ष्मण व वीर हनुमान की ठाकुरबाडी स्थपित है। गुरुपूर्णिमा व सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर चय व चंपा प्रगणा के शिष्य विशेष कर काफी संख्या में उपस्थित होतें हैं।

मोबाइल स्टोर का हुआ उद्घाटन

महुआडांड। महुआडांड शास्त्री चौक के समीप रक्षा बंधन के शुभ अवसर पर गुरुवार को निखिल इंटरप्राइजेज एंड निखिल मोबाइल स्टोर का उद्घाटन किया गया।

इस मौके पर बजरंग दल के विभाग संयोजक सुरज प्रसाद की माताजी शांति देवी ने फीता काटा। स्टोर के संचालक सुरज कुमार एवं दीपक कुमार ने बताया कि अब उनके प्रतिष्ठान से मोबाइल लेना और आसान हो गया है। आसान किस्तों पर फाइनेंस की भी सुविधा उपलब्ध है। इच्छुक लोग जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर मोबाइल प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

विशिष्ट पांच योग में मना भाई-बहन का त्योहार

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

भाई बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन का त्योहार विशिष्ट पांच योग में धूमधाम के साथ जिले भर में मनाया गया। बहन-भाई के प्यार का प्रतीक इस त्योहार को लेकर घर-घर में व्यापक तैयारियां की गई थी। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर मुंह मीठा करवाया। वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा का वचन देते हुए उपहार भेंट किए। राखी का पर्व जिलेभर में दो दिन तक मनाया गया। बुधवार को दिनभर भद्रा होने के कारण बहनें शुभ मुहूर्त के लिए रात्रि 9 बजने का इंतजार करती रही। हांलाकि पूर्णिमा बुधवार सुबह 10 बजकर 59 मिनट से शुरू हो गई, लेकिन शुरूआत के साथ ही भद्रा लग गई थी। इस दौरान बुधवार रात 9 बजकर 2 बजे तक भद्रा रही। ऐसे में कुछ घरों में रात 9 बजकर 2 मिनट के बाद ही राखी बांधी गई। देर रात राखी बांधने का क्रम चलता रहा, जो गुरुवार दिनभर चला। जानकार पंडितों का कहना है कि रक्षाबंधन पर

बुधादित्य योग, राजयोग, घनिष्ठा नक्षत्र सहित अन्य योग-संयोग रहने से भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन इस बार बेहद खास रहा। करीब 100 साल बाद चंद्रमा और शनि, सूर्य और बुध की युति रही। सूर्य स्वराशि सिंह, शनि स्वराशि कुंभ, बृहस्पति मित्र राशि मेष, बुध मित्र राशि सिंह में विराजमान होने से पंचमहायोगों का निर्माण हुआ।

हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

गिद्धौर/प्रतापपुर(चतरा)। गिद्धौर, पत्थलगड़ा व प्रतापपुर आदि प्रखंड में रक्षाबंधन का त्योहार गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन पर बहने अपने भाई की कलाई में राखी बांध मुह मिठा करवाया। इस दिन बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर कलाई पर राखी बांधती तो भाईयों ने बहनों की रक्षा का वचन देकर उपहार दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया।

गर्म जलकुंड में स्नान को लेकर उमड़ी भीड़

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत बलबल स्थित माता बागेश्वरी मंदिर परिसर स्थित गर्म जल कुंड में रक्षाबंधन के अवसर पर स्नान करने को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कुंड में स्नान करने के लिए चतरा सहित अन्य जिले से अहले सुबह से ही पहुंचने लगे थे। गर्म कुंड में स्नान कर मां बागेश्वरी की श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। मंदिर के पुजारी ने बताया कि बालबाल गर्म कुंड में स्नान कर यहां मां बागेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करने से श्रद्धालुओं को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही काया रोग से भी मुक्ती मिलती है ऐसी मान्यता है। इधर मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विधि व्यवस्था बनाए रखने को लिए दिनभर लगे रहे।

आयोजन समारोहपूर्वक मनायी गयी ज्ञान तंत्र इंटर कॉलेज की दूसरी वर्षगांठ

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोहा

नवीन मेल संवाददाता। इटखोरी(चतरा)

इटखोरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ज्ञान तंत्र इंटर महाविद्यालय करनी की दूसरी वर्षगांठ समारोहपूर्वक मनाया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि जिप उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी उर्फ बिरजू तिवारी, डीएसपी केदार नाथ राम, पूर्व विधायक योगेंद्र नाथ बैठा, मुखिया किरण देवी, बीस सूत्री अध्यक्ष जागेश्वर यादव, भाजपा नेता बसंत नारायण सिंह व कांग्रेस नेता अनिल सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत माला पहना कर किया गया। मुख्य अतिथि तिवारी ने कहा कि

संचालक शुभम कुमार ने करनी क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगाया है, मैं मंच से वादा करता हूं कि मेरे से जो भी मदद चाहिए वो मैं अथा संभव करूंगा। हर क्षेत्र में शिक्षा की जरूरत है मैं इनके जज्बे को सलाम करता हूं। ज्ञान तंत्र के छात्र एवं छात्राओं के द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। मौके पर संजय रजक, शिव कुमार राणा, संतोष दांगी, नवीन सिन्हा, बीरबल पांडेय आदि उपस्थित थे।

सावन पूर्णिमा पर निकाली कांवड़ यात्रा

नवीन मेल संवाददाता। मनिका

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डोकी पंचायत के हेसातु स्थित पहाड़ी बाबा शिवमंदिर मे सावन पूर्णिमा को लेकर भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। भक्तों ने

बारियातु बोहली नदी से जल उठाकर पैदल 3 किलोमीटर चलकर पहाड़ी बाबा मंदिर में जलार्पण किया। पूर्णिमा पर निकली कांवड़ यात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सावण पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर प्रांगण में एक दिवसीय मेले का आयोजन किया गया। मेले में घिरनी, चरखी, मिठाई स्टेशनरी दुकान सहित अन्य दर्जनों दुकान लगाया गया। मौके पर मंदिर अध्यक्ष रंजीत कुमार गुप्ता, कोषधयक्ष मनोज कुमार गुप्ता, सचिव गोपाल कुमार गुप्ता, रिंकू गुप्त समेत कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर रक्षा का वचन लिया

धूमधाम से मना रक्षाबंधन त्योहार

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रेशम की डोरी के धागे भले ही कमजोर होते हैं, लेकिन इसके पीछे का प्रेम बहुत मजबूत होता है। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर सुख-दुख में साथ निभाने का वचन लिया। भाइयों ने बहनों को उपहार देकर दुख में साथ निभाने का वचन दिया।

पर्व दो दिन होने के कारण कुछ जगहों पर लोग असमंजस में नजर आए। फिर भी क्षेत्र के आसपास धूमधाम से पर्व मनाया गया। इस बार रक्षाबंधन का त्योहार बुधवार को भद्रा होने से कारण रक्षाबंधन का पर्व बुधवार देर रात व गुरुवार सुबह को मनाया गया। सुबह लोगों ने स्नान आदि के बाद तैयार होकर बहनों से कलाई पर राखी बंधवाई। इधर रक्षा बंधन को लेकर बहनों में काफी उत्साह दिखा। सुबह से ही तैयार होकर भाईयों का इंतजार

करते दिखी। जैसे ही भाई पहुंचे तो उनका उत्साह से स्वागत किया। बहनें थाल में तिलक, फूल, दूब, राखी व दीये के साथ मिठाई सजाकर आसन पर भाईयों को बिठाया। इसके बाद भाईयों को तिलक लगाकर पूजा की प्रक्रिया पूरी किया। साथ ही बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर दीघार्यु होने की कामना की और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस दौरान भाईयों ने भी बहनों को रक्षा का वचन दिया। उपहार देकर बहनों की खुशियों को दोगुना कर दिया। भाई-बहन के बीच निर्मल प्रेम की डोर को और अधिक मजबूत करने का दिन, और रेशम की डोर से बंधा यह त्योहार शहर सहित जिलेभर में उत्साह पूर्वक मनाया गया। इधर राखी बंधवाने के लिए दूर-दूर से भाई बहनों के घर पहुंचे तो बहनें भी भाईयों के घर राखी बांधने के लिए पहुंची। सबसे पहले बहनों ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान को राखी बांधी। इसके बाद भाईयों की कलाई पर राखी बंधी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहनो ने अपने - अपने भाइयों की कलाईयों पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर भाईयों की लंबी उम्र की कामना के साथ अनुष्ठान पूरा किया तो वहीं भाईयों ने भी अपने सामर्थ्य के अनुसार उपहार भेंट किया। इस दौरान भाईयों बहनों ने एक दूसरे के प्रति प्रेम और कर्तव्य का पालन और रक्षा का दायित्व लेते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। राखी बांधने के बाद बहनों ने भाईयों से सुरक्षा का वचन लिया। वहीं भाईयों ने गिफ्ट भी दिए। इस वर्ष बाजार में ओमकार, रुद्राक्ष, चंदन, वीरा, रुई, जड़ी सहित अन्य देसी वेरायटी की राखियां उपलब्ध थे। इधर शहर से लेकर देहात तक मिठाई की दुकानें सज गईं थीं। बहनों ने मिठाई और राखी की दुकान पर खरीदारी जमकर की। सड़कों पर बहनें सज-धज कर अपने हाथो में रंग-बिरंगी राखी लेकर आती-जाती नजर आई।

राखी और मिठाइयों के दुकान में आज भी काफी भीड़ देखी गई। दिन भर क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल रहा। वहीं क्षेत्र के शिव मंदिरों में सुबह से ही पूजा पाठ करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शिव मंदिर व शिवालयों में सुबह से हीं श्रद्धालु जुटे रहे जो शाम तक सिलसिला जारी रहा। इस अबसर पर महिला-पुरुष श्रद्धालु ओम नमः शिवाय हर हर महादेव सहित विभिन्न मंत्रों के उच्चारण के साथ जलाभिषेक दुग्ध अभिषेक दही अभिषेक भांग अभिषेक करते हुए बेलपत्र रोली चंदन एवं रूप अर्पित किया। मौके पर शिवालयों में सुबह से लेकर शाम तक हर हर महादेव जय भोलेनाथ के उच्चारण गूंजता रहा।

स्कूल जाने के नाम पर घर से निकला बच्चा हुआ लापता, रिपोर्ट की गयी दर्ज

भंडरा थाना पुलिस ने लोगों से की सूचना देने की अपील

नवीन मेल संवाददाता।
भंडरा/लोहरदगा
जिले के भंडरा थाना पुलिस ने विगत 30 अगस्त से स्कूली बच्चे के लापता होने का सन्हा दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी गौतम कुमार ने आम आवाम से अपील करते हुए कहा है कि बीते 30 अगस्त को भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत साकिन बंडा निवासी सिद्दीक मिरदाहा का 12 वर्षीय पुत्र सदनान मिरदाहा जो राजकीय मध्य विद्यालय आकाशी में पढ़ता है। उक्त बच्चा आकाशी विद्यालय में पढ़ने जाने के नाम से घर से निकला था। थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि इस बीच परिजन बच्चे की अपने सगे संबंधी में काफी खोजबीन कर चुके हैं लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चल पाया। थाना प्रभारी ने बताया कि इसे लेकर लापता बच्चे का चचेरा भाई एनामुल मिरदाहा के द्वारा थाना में लिखित

थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चे का हुलिया इस प्रकार है। रंग सांवला, उम्र 12 वर्ष, उंचाई 3 फीट 6 ईंच, पहनावा काला सर्ट और जिंस और पैर में क्रीम कलर का चप्पल पहना हुआ है।

आवेदन देकर बच्चे की लापता होने का सन्हा दर्ज कराया गया है। थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि इस संदर्भ में भंडरा थाना सन्हा संख्या 12 के तहत सन्हा दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चे का हुलिया रंग सांवला उम्र 12 वर्ष उंचाई 3 फीट 6 ईंच पहनावा काला सर्ट और जिंस और पैर में क्रीम कलर का चप्पल पहना हुआ है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी ने बच्चे के बारे में जानकारी प्राप्त होने पर इसकी सूचना तत्काल भंडरा थाना को देने की अपील की है।

गुरुकुल में ब्रम्हचारियों को बहनों ने बांधा रक्षासूत्र

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
गुरुकुल शांति आश्रम प्रांगण में भाई बहनों का पवित्र त्योहार रक्षाबंधन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान पूर्वक मनाया गया। सभी ब्रह्मचारियों को रीमा कुमारी, रीत केशरी, खुशी भारती द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर विधि विधान से मनाया गया। मौके पर योगेंद्र आर्य, काजल रॉय, अर्जुन देव आर्य, रेशमी, पूजा कुमारी, प्रिया, किशन आर्य, सूरज उरांव आदि मौजूद रहे।

रक्षासूत्र बांध लिया पेड़ों की रक्षा का संकल्प

एमएलए सविमं इंटर कॉलेज के इको क्लब का वृक्षाबंधन कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के इको क्लब ने वृक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया। रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में इको क्लब के छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य उत्तम मुखर्जी ने आंवला के वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधकर किया। उन्होंने सभी इको क्लब के छात्र-छात्राओं को पेड़ों की रक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम जहां कहीं भी रहे वहां अपने घरों और आसपास के क्षेत्र में प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन में प्रमुखता से

अपनी भूमिका निभाएं। पेड़ों की रक्षा करें और दैनिक उपयोग के पॉलिथिन का बहिष्कार करें। घर से थैला साथ लेकर चलें। इको क्लब प्रमुख रेणु कुमारी और यशोदा कुमारी ने भी इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को प्रकृति के प्रति दायित्व बोध कराते हुए पेड़ों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित किया।

भीषण सड़क दुर्घटना में कार सवार दो घायल

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा
सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा जंगल में बुधवार देर रात ट्रक एवं कार में जोरदार टक्कर हुयी, जिसमें कार सवार दो लोग घायल हो गये। उन्हें राहगीरों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान लोहरदगा निवासी लुकमान अंसारी के 27 वर्षीय पुत्र यूसुफ अंसारी व मेहंदी हसन के 25 वर्षीय पुत्र रिजवान अख्तर के रूप में की गयी। घटना की सूचना पर सेन्हा थाना के एसआई गणेश कुमार यादव दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे। बताया जाता है कि कार सवार लोहरदगा से सेन्हा की ओर जा रहे थे कि विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने कार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी।

कैरो में चलाया गया एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

कैरो/लोहरदगा। कुडू-चट्टी मुख्य पथ पर नागजुआ के गजनी मोड़ के समीप गरुवार को कैरो थाना के सब इंस्पेक्टर ऋषिकांत कुमार शर्मा के अगुवाई में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान दो पहिया,चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई। वाहन से संबंधित कागजात, हेलमेट व डिक्की आदि की भी जांच की गई। इस दौरान हेलमेंट नही पहनने व वाहन से संबंधित कागजात लेकर नही चलने वाले लोगों को सख्त हिदायत दी गई। मौके पर इस दौरान थाना के दलबल मौजूद थे।

सेन्हा प्रखंड में बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांध लिया वचन

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा
प्रखंड क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार गुरुवार को उमंग व हर्षोल्लाष के साथ धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड मुख्यालय के साथ साथ पूरे क्षेत्र में धूमधाम से रक्षा बंधन का त्योहार मनाया गया। भाई बहनों का पर्व रक्षा बंधन के पावन अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा का सूत्र बांधकर अपने भाईयों की दीघार्यु होने की कामना की।

वहीं भाइयों ने भी रिश्ते की इस डोर को मजबूत से निभाने का संकल्प कर उपहार स्वरूप बहनों को भेंट दिए.सुबह से ही बहने रक्षाबंधन का त्योहार की तैयारियों पर लगी हुई थी। वहीं सभी के घरों में विभिन्न प्रकार के पकवान और मिठाई बनाये गये थे। साथ ही बाजारों से भी कई तरह की मिठाईयां मंगवाया गया था। रक्षा बंधन के अवसर में महिलाएं,

लड़कियां व लड़के, पुरुष सभी रंग बिरंगे नये कपड़े पहने शुभ मुहूर्त में बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी हंसी खुशी से लंबी उम्र की कामना की। गुरुवार को सुबह से ही रक्षाबंधन से पूर्व मंदिरों में खासी भीड़ देखी गयी।

आर्यवीर दल झारखंड प्रदेश व आर्य समाज का वेद प्रचार अभियान प्रारंभ

लोहरदगा। आर्य वीरदल झारखंड प्रदेश गुरुकुल शांति आश्रम लोहरदगा एवं आर्य समाज शांति आश्रम लोहरदगा के संयुक्त तत्वावधान में अष्ट दिवसीय वेद प्रचार अभियान गुरुवार से प्रारंभ हुआ। पूरे कार्यक्रम आचार्य शरतचंद्र आर्य, आचार्य गणेश कुमार शास्त्री के सानिध्य में संपन्न हुई। मोतीचंद यादव की अगुवाई में यह कार्यक्रम आंगनबाड़ी केंद्र रोचो में किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा-आचार्य महादेव, भजन गुरुकुल के ब्रह्मचारी गण द्वारा जबकि संयोजक संजय चंद्र यादव, प्रमोद उरांव ने भूमिका निभाई हैं। सहयोगी की भूमिका में संजू कुमारी, अमृता कुमारी एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे। उक्त आशय की जानकारी आचार्य शरचचंद्र आर्य ने दी।

पांच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

नवीन मेल संवाददाता। कुडू
कुडू प्रखंड के ककरगढ़ चैलेंजर फुटबॉल क्लब के तत्वावधान में फुलसूरी मैदान में चल रहे पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच गुरुवार को खेला गया। इसके साथ ही टूर्नामेंट का समापन हो गया। फाइनल मैच में प्रयागो फुटबॉल क्लब की टीम ने जज्बा कम्पटीशन बीजूपड़ा की टीम को पराजित कर शील्ड पर अपना कब्जा जमा लिया।

वहीं तृतीय स्थान पर कंदरी फुटबॉल क्लब और चौथे स्थान पर पंकज ब्रदर्स रांची की टीम रही। विजेता टिम को मुख्य रूप से उपस्थित कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, उप प्रमुख सह जेएमएम नेता एनुल अंसारी, कांग्रेस के सलीम ऊर्फ बड़े, संजर अंसारी, संजू तूरी, वारिस अंसारी आदि ने विजेता उप विजेता टीमों को नगद पुरूस्कार एवं खस्सी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों के अलावा भारी संख्या मे खेल प्रेमी और ग्रामीण उपस्थित थे।

जनता की गाढ़ी कमाई लूट रही सरकार : महतो

लोहरदगा। कांग्रेस के स्टेट कोऑर्डिनेटर ओबीसी विभाग संतोष कुमार महतो ने बयान जारी कर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाली, निर्दयी मोदी सरकार, अब माताओं-बहनों से दिखावटी सद्भावना जता रही है। 9 सालों तक 400 रुपये का एलपीजी सिलेंडर 1170 रुपये में बेच कर, आम आदमी की ज़िंदगी तबाह करते रहे, तब कोई स्नेह भेंट की याद क्यों नहीं आई? भाजपा सरकार ये जान लें कि 140 करोड़ भारतीयों को 9 साल तड़पाने के बाद चुनावी लॉलीपॉप थमाने से काम नहीं चलेगा। आपके एक दशक के पाप नहीं धुलेंगे। भाजपा लागू कमरतोड़ महंगाई का मुकाबला करने के लिए, कांग्रेस पार्टी पहली बार कई राज्यों में गरीबों के लिए केवल 500 रुपये का सिलेंडर करने वाली है।

पेशरार से तीन आरोपी गिरफ्तार, भेजे गये जेल

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
भारतीय वन अधिनियम के के तहत तीन नामजद आरोपियों को गुरुवार को पेशरार थाना प्रभारी अख्तर अली की अगवाई में चली छापामारी में गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया गया। इस संदर्भ में पेशरार थाना प्रभारी अख्तर अली ने बताया कि, पेशरार थाना क्षेत्र के मेरम गांव निवासी बुधराम लोहरा का पुत्र वीरेंद्र लोहरा, सुधराम लोहरा का पुत्र सुंदरा लोहरा एवं स्व जगदीश महतो का पुत्र जग्गू महतो को गिरफ्तार का भेज दिया गया है। बताया गया कि रिजर्व फॉरेस्ट के अवैध कटिंग करने के आरोप में उपरोक्त गिरफ्तार आरोपी फरार चल रहे थे। छापामारी में पेशरार थाना के पुलिस पदाधिकारी दिनेश प्रसाद सिंह, पवन सोरेन समेत थाना के सशस्त्र जवान मौजूद थे।

स्मृति शेष **प्रथम पुण्यतिथि पर पूर्व सीओ को दी गयी श्रद्धांजलि**

'लोकप्रिय प्रशासक थे अरुण तिर्की'

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
लोहरदगा सदर के तत्कालीन सदर अंचलाधिकारी स्व अरुण कुमार तिर्की को उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर याद कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। सदर प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर पर गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व सीओ स्व अरुण कुमार तिर्की के उत्कृष्ट कार्य, कुशल प्रशासनिक कार्यशैली, मृदुभाषी और लोकप्रिय व्यक्तित्व को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया।

इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल ने कहा कि, पूर्व सीओ अरुण कुमार तिर्की बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। कुशल प्रशासक के साथ सच्चे और नेक व्यक्तित्व उनकी थी। डिप्टी कलेक्टर संघ उनको कभी नहीं भूल पाएगा। सदर

अंचलाधिकारी सनी कुमार दास ने कहा कि सदर अंचल का प्रभार ग्रहण करने के बाद उनके उल्लेखनीय कार्यों से परिचय हुआ। डिप्टी कलेक्टर स्व अरुण कुमार तिर्की मृदुभाषी, कर्मठ और कुशल प्रशासक के रूप में अपनी लोकप्रियता बनाए थे। सदर अंचल परिवार प्रथम पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता है। श्रद्धांजलि देने वालों में सदर प्रखंड सह अंचल कार्यालय के आलोक सहदेव, नीरज कुमार, अमित कुमार, बबली कुमारी, दिनेश उरांव, सूरज तिवारी, मोनू कुमार, रामा महतो, मनीष चंद्र उरांव, महातम यादव समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

करमा पर्व 19 को सामूहिक रूप से मनाया जायेगा

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा
अरु पंचायत अन्तर्गत नंदलाल प्लस 2 उच्च विद्यालय खेल मैदान स्थित धूमकुड़िया भवन में करमा पूर्व संध्या मनाने को लेकर आदिवासी छात्र संघ व राजी प्रार्थना सभा के संयुक्त तत्वावधान में बैठक आयोजित किया गया। आदिवासी छात्र संघ का प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर उरांव ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 19 सितंबर को प्रखंड स्तरीय करमा पर्व सामूहिक रूप से मनाया जायेगा, जिसमें प्रखंड क्षेत्र के सभी गांवों से खोड़हा दल को आमंत्रित किया जाना है। वहीं करमा पूर्व संध्या कार्यक्रम का मुख्य अतिथि जिप सदस्य राधा तिर्की होंगे, जिनके द्वारा सभी खोड़हा दल को सान्त्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा। मौके पर बुटी मुखिया पार्वती उरांव, सेन्हा मुखिया धनवाज उरांव, सेरेंगहातु मुखिया शोभा देवी, राजी प्रार्थना सभा के प्रखंड सचिव रामावतार भगत के अलावे रामप्रकाश तिग्गा, एतवा उरांव सहित सैकड़ों आदिवासी महिला पुरुष उपस्थित थे।

NEWS इन ब्रीफ

पहली तिमाही में 43 शहरों में घर हुए महंगे, 7 में कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। देश के 43 शहरों में 2023-24 की पहली तिमाही में घर महंगे हुए हैं। वहीं सात शहरों में आवासीय इकाइयों के दाम घटे हैं। राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आवास वित्त कंपनियों के नियामक ने कहा कि एनएचबी आवास मूल्य सूचकांक के मुताबिक आवास ऋण की दरें अब भी महामारी-पूर्व के स्तर से कम हैं। इस दौरान अहमदाबाद में संपत्ति की कीमतों में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बेंगलुरु में 8.9 प्रतिशत और कोलकाता में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार, चेन्नई में घरों के दाम में 1.1 प्रतिशत, दिल्ली में 0.8 प्रतिशत, हैदराबाद में 6.9 प्रतिशत, मुंबई में 2.9 प्रतिशत और पुणे में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंकों और आवास वित्त कंपनियों से जमा किए गए संपत्तियों के मूल्यांकन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई में 2023-24 की पहली तिमाही के दौरान 4.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई।

हल्दी से उतरने लगा महंगाई का रंग, भाव 20 फीसदी गिरे

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं के लिए यह अच्छी खबर है कि त्योहारी सीजन में हल्दी की कीमतों पर महंगाई का रंग उतरने लगा है। दोगुनी महंगी हुई हल्दी के भाव अब गिरने लगे हैं। बाजार जानकारों के मुताबिक आगे भी हल्दी की महंगाई से और राहत मिलने की उम्मीद है। हल्दी की कीमतों में आ रही गिरावट की वजह ऊंचे भाव पर इसकी मांग कमजोर पड़ना है। हल्दी कारोबारी सुभाष चंद्र गुप्ता ने बताया कि इस साल हल्दी के भाव बढ़कर दोगुने हो गए थे। इरोड मंडी में भाव 16,000 रुपए प्रति क्विंटल के ऊपरी स्तर तक चले गए। ऊंचे भाव पर हल्दी की मांग कमजोर पड़ने लगी और खरीदारों ने खरीद घटा दी। जिससे हल्दी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।

बाबा कल्याणी के भाई गौरीशंकर की 3% हिस्सेदारी पर लटक रही तलवार

एजेंसी। नई दिल्ली

कंपनी और उसके हक को लेकर एक बड़े कॉरपोरेट घराने में विवाद चल रहा है। यह मामला 36500 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाले भारत फोर्ज के सीएमडी बाबा कल्याणी और उनकी बहन सुगंधा हीरेमठ के बीच का है। यह विवाद इस साल उस समय शुरू हुआ जब बाबा कल्याणी और सुगंधा हीरेमठ की मां का 25 फरवरी 2023 को निधन हुआ। मां के निधन के बाद सुगंधा का आरोप है कि साल 1994 में हुए समझौते के तहत कल्याणी को सारी हिस्सेदारी उन्हें ट्रांसफर कर देनी चाहिए थी। अब इस मामले में एक और पहलू सामने आया है। यह पहलू बाबा कल्याणी के छोटे भाई गौरीशंकर से संबंधित है।

19 जून, 1994 को बाबा और उनके माता-पिता के बीच हुई पारिवारिक व्यवस्था के एक खंड के मुताबिक, गौरीशंकर, जो भारत

फोर्ज में करीब 3% के मालिक हैं, उन्हें अपने माता-पिता के निधन के बाद अपने बड़े भाई को अपना हिस्सा ट्रांसफर करना होगा। बता दें कि उनके पिता, नीलकंठ कल्याणी का साल 2013 में निधन हो गया था, जबकि उनकी मां, सुलोचना कल्याणी का 25 फरवरी, 2023 को निधन हो गया था। भारत फोर्ज में उनकी 3% की हिस्सेदारी 1,300 करोड़ रुपये की है। यह प्वाइंट उस पारिवारिक समझौते का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसमें बाबा को अपनी पूरी 34% हिस्सेदारी अपनी बहन को हस्तांतरित करनी है। अब बाबा कल्याणी के साथ गौरीशंकर की भारत फोर्ज में 3 फीसदी हिस्सेदारी सुर्खियों में आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाबा को अपने फ्लैगशिप में इस हिस्सेदारी को खोना पड़ सकता है, जिसका बाजार मूल्य 47,567 करोड़ रुपये से ज्यादा है। बाबा कल्याणी पर सुगंधा ने आरोप लगाया है कि उनकी मां के निधन के बाद जो हिस्सेदारी उन्हें मिलनी चाहिए थी, वह उनके भाई बाबा कल्याणी नहीं दे रहे हैं। आरोप है कि बाबा कल्याणी हिस्सेदारी को हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि कल्याणी ने अपनी बहन के आरोपों से इंकार किया था, लेकिन यह विवाद सुलझता हुआ नहीं दिख रहा है।

मैन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने अपने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

मैन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने पिछले एक साल में अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस अवधि के दौरान, कंपनी के शेयर की कीमत 3 सितंबर, 2021 को 46.73 रुपये से बढ़कर 31 अगस्त, 2023 को 149.45 रुपये हो गई, जो दो साल की होल्डिंग अवधि में 210% से अधिक की बढ़ोतरी है। अगर आपने एक साल पहले इस कंपनी के शेयरों में एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज उसकी वैल्यू 3.10 लाख रुपये होती। कंपनी ने 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अपने शुद्ध लाभ में 94.3% की ग्रोथ के साथ 84.80 करोड़ रुपये की रिपोर्ट की, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 43.65 करोड़ रुपये से अधिक है। कंपनी की कुल आय द1ऋ24 में 45.48% बढ़कर 509.66 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 351.97 करोड़ रुपये से अधिक है। मैन इंफ्रास्ट्रक्चर

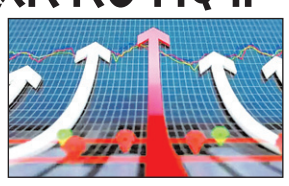

लिमिटेड की रॉयल नेत्र कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड में 33.32% हिस्सेदारी है। कंपनी ने मुंबई शहर के पश्चिमी उपनगरों में सबसे बड़े पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक विकसित करने की योजना की घोषणा की है। यह एक एकीकृत ईपीसी कंपनी है जिसके पास पोर्ट, आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक और सड़क निर्माण क्षेत्रों में भारत भर में परियोजनाओं के साथ लगभग छह दशक का अनुभव और एग्जीक्यूशन क्षमता है। आज यह स्टॉक 147.90 रुपये पर खुला। इस दौरान यह 149.65 रुपये के उच्चतम और 147.35 रुपये के न्यूनतम स्तर पर पहुंचा। अभी यह 0.92 परसेंट की बढ़ोतरी के साथ 147.65 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

कम होने का नाम नहीं ले रहा है मुसीबत, दिन-प्रतिदिन भंवर में फंसा जा रहा है चीन

नई दिल्ली। संकटों से जूझ रही चीन की इकॉनमी के लिए एक और बुरी खबर आई है। रेटिंग एजेंसी फिच ने फाइनेंशियल ईयल 2023 के लिए चीन की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को कम कर दिया है। पहले इसके 5.6 परसेंट रहने का अनुमान था लेकिन इसमें 80 बीपीएस की कमी की गई है। यानी चालू फाइनेंशियल ईयर में चीन की इकॉनमी के 4.8 परसेंट की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। हालांकि एजेंसी ने चीन की लॉन्ग टर्म फॉरेन करेंसी इश्यूर डिफॉल्ट रेटिंग्स ए+ को बरकरार रखा है। चीन में अगस्त में लगातार पांचवें महीने फैक्ट्री एक्टिविटीज में गिरावट आई है। चीन की सरकार पर सुस्त होती इकॉनमी में जान फूंकने का दबाव बढ़ रहा है। इसके लिए पॉलिसी सपोर्ट बढ़ाने की मांग की जा रही है। जून में एसएंडपी ग्लोबल ने भी चीन के इकॉनमिक ग्रोथ के अनुमान को घटा दिया था। एजेंसी के मुताबिक चीन की जीडीपी ग्रोथ 2023 में 5.2 परसेंट रह सकती है। इसके बाद गोल्डमैन सैश और दूसरे बड़े इन्वेस्टमेंट बैंकों ने भी चीन की रेटिंग में कटौती की थी। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है। हाल के महीनों में इकॉनमी के मोर्चे पर चीन को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। रियल एस्टेट गहरे संकट में है।

शहरों में नया घर खरीदने वालों के लिए कर्ज पर मिलेगी बड़ी राहत, बैंक ब्याज भी होंगे कम

नई दिल्ली। शहरों में अपना घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए बड़ी खबर है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि लोगों को गृह ऋण पर ब्याज में राहत देने के लिए अगले महीने यानी सितंबर में एक योजना लाई जाएगी। पुरी ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अभी इस योजना के तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव मनोज जोशी ने कहा, शहरों में घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों को कर्ज पर ब्याज में राहत देने के लिए सितंबर में योजना पेश की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में शहरों में रह रहे ऐसे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए योजना की घोषणा की थी, जिनके पास अपना घर नहीं है। मोदी ने लाल किले पर अपने संबोधन में कहा था, मध्यमवर्गीय परिवारों का शहरों में अपने घर का सपना होता है।

भारत ने भूटान-मॉरीशस और सिंगापुर को 1.43 लाख टन गैर-बासमती चावल निर्यात की दी अनुमति

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बुधवार को भूटान, मॉरीशस और सिंगापुर को 1.43 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दे दी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से इस निर्यात की अनुमति दी गई है। डीजीएफटी ने भूटान को 79,000 टन, मॉरीशस को 14,000 टन और सिंगापुर को 50,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को अधिसूचित किया है। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिये 20 जुलाई को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर लगाया गया प्रतिबंध जारी है, लेकिन अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिये और अनुरोध पर सरकार से अनुमोदन से निर्यात की अनुमति दी गयी है। बयान के अनुसार, ह्यह्यभूटान, मॉरीशस और सिंगापुर को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात के लिये अधिसूचित किया गया है।"

अडाणी ग्रुप में विदेशी इकाई के लेनदेन का आरोप

नई दिल्ली। ऑर्गेनाइजड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट' (ओसीसीआरपी) ने अडाणी समूह पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उसके प्रवर्तक परिवार के साझेदारों से जुड़ी विदेशी इकाइयों के जरिए अडाणी समूह के शेयरों में करोड़ों डॉलर का निवेश किया गया। अडाणी समूह ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स फंड द्वारा वित्त पोषित संगठन ने ऐसे समय में आरोप लगाए हैं, जब कुछ महीने पहले अमेरिकी वित्तीय शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह पर बही-खातों में धोखाधड़ी तथा शेयरों के भाव में गड़बड़ी के साथ विदेशी इकाइयों के अनुचित उपयोग का आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद समूह के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। कई ह्यटैक्स हेवन' की फाइलों और अडाणी समूह के कई आंतरिक ईमेल की समीक्षा का हवाला देते हुए ओसीसीआरपी ने कहा कि उसकी जांच में कम से कम दो मामले पाए गए।

शुरू में ही शेयर बाजार दिखा कमजोर

एजेंसी। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में शुरूआती तेजी बरकरार नहीं रह पाई और दोनों मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी लगभग स्थिर बंद हुए। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच कारोबार के अंतिम घंटे में बैंक तथा बिजली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार स्थिर रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 11.43 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65,087.25 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 4.80 अंक यानी 0.02 प्रतिशत के मामूली लाभ के साथ 19,347.45 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जासानी ने कहा, ह्यह्ययूरोपीय शेयर बाजारों में शुरूआती कारोबार में गिरावट

का रुख रहा। इसका कारण यह है कि महंगाई को लेकर जो आंकड़ा आया है, उससे पता चलता है कि यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति पूर्ण रूप से नरम नहीं हुई है। एशियाई बाजारों में भी जो शुरू में लाभ हुआ था, वह कायम नहीं रह पाया।" जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि शुरू में सकारात्मक धारणा से बाजार में तेजी आई। बाजार को अमेरिका में श्रम बाजार के नरम आंकड़े से समर्थन मिला...इससे नीतिगत दर में वृद्धि को लेकर चिंता कुछ हद तक दूर हुई।" उन्होंने कहा, ह्यह्यचीन में आवास ऋण पर ब्याज कम किये जाने से भी धारणा को बल मिला। इससे धातु शेयरों पर अनुकूल असर पड़ा। हालांकि, कारोबार आगे बढ़ने के साथ लाभ जाता रहा। इसका मुख्य कारण यूरोप में कमजोर आर्थिक आंकड़ों के कारण वैश्विक बाजारों में नरम रुख का होना है।" नायर ने कहा, ह्यह्यबैंक शेयरों में बिकवाली का असर दिखा। हालांकि, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मजबूती देखने को मिली। सेंसेक्स के शेयरों में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में सर्वाधिक 4.99 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहे। कारोबार के दौरान सेंसेक्स दिन के निचले स्तर 65,052.74 अंक तक चला गया था। बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.55 प्रतिशत जबकि स्मॉलकैप सूचकांक 0.83 प्रतिशत मजबूत हुआ।

विदेश

रूस के पास अब नहीं बचे हथियारे उत्तर कोरिया से मदद की लाई गुहार

एजेंसी। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने कहा कि उसके पास ताजा खुफिया जानकारी है जिससे पता चलता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पत्रों की अदला-बदली की है क्योंकि रूस, यूक्रेन युद्ध के लिए उत्तर कोरिया से युद्ध सामग्री की मांग कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी द्वारा दी गई इस ताजा जानकारी से कुछ सप्ताह पहले ही व्हाइट हाउस ने दावा किया था कि रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने हाल में प्योंगयांग की यात्रा के दौरान उत्तर कोरियाई अधिकारियों से यूक्रेन युद्ध के लिए मॉस्को को युद्ध संबंधी साजो-सामान की बिक्री बढ़ाने के लिए कहा था। किर्बी ने कहा कि

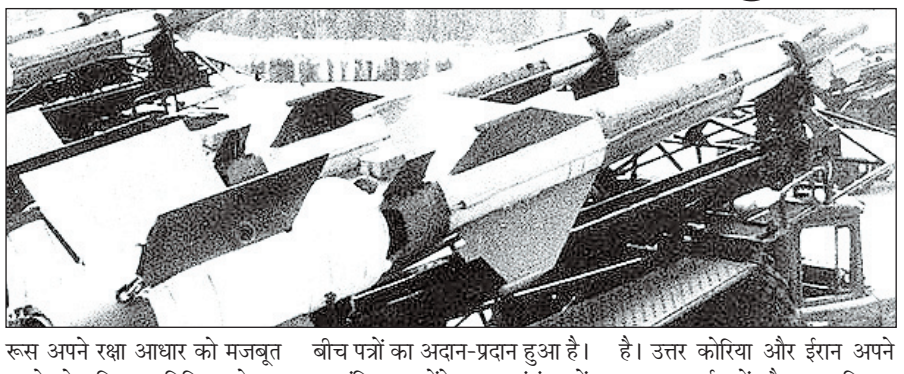

रूस अपने रक्षा आधार को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त गोला-बारूद और अन्य बुनियादी युद्ध सामग्री की तलाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हथियारों की बिक्री के संबंध में रूस और उत्तर कोरिया के बीच बातचीत आगे बढ़ रही है। किर्बी ने कहा कि शोइगु की यात्रा के बाद पुतिन और किम जोंग के बीच पत्रों का अदान-प्रदान हुआ है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में अमेरिका को खुफिया जानकारी मिलने के बारे में कोई विवरण साझा नहीं किया। बाइडन प्रशासन ने बार-बार यह दावा किया है कि रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के वास्ते आवश्यक हथियारों के लिए उत्तर कोरिया और ईरान पर निर्भर हो गया है। उत्तर कोरिया और ईरान अपने परमाणु कार्यक्रमों और मानवाधिकार रिकॉर्ड के चलते अंतरराष्ट्रीय मंच पर काफी हद तक अलग-थलग हैं। इसके बावजूद उत्तर कोरिया का रूस के साथ काफी अच्छे संबंध हैं। रूस लगातार उत्तर कोरिया को तेल की सप्लाई कर रहा है और बदले में सैन्य सहयोग चाहता है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने दिया इस्तीफा, सुनक ने ग्रांट शाप्स को सौंपेगे पदभार

लंदन। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से अपने पद से इस्तीफा दे दिया और ऐसी अटकल है कि प्रधानमंत्री ऋषि ग्रांट शाप्स को पदभार सौंपने की बात कही है। वालेस ने पिछले महीने कहा था कि वह मंत्रिमंडल के अगले फेरबदल से पहले इस्तीफा दे देंगे। वह चार साल तक इस पद पर रहे और इस दौरान उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के लिए सैन्य प्रतिक्रिया की कमान संभाली थी। उन्होंने अपने त्याग पत्र का उपयोग सेना के लिए कोष बढ़ाने के वास्ते दबाव डालने को लेकर किया, जो लंबे समय से उनका प्राथमिक मुद्दा था। वालेस ने सुनक को लिखे अपने पत्र में कहा, मेरा सचमुच मानना है कि अगले दशक में दुनिया अधिक असुरक्षित और अधिक अस्थिर हो जाएगी। उन्होंने इसमें कहा, हम दोनों का यह मानना है कि अब निवेश करने का समय आ गया है।

चीन के नए नक्शे पर घमासान, काठमांडू के मेयर ने रद की यात्रा

भारत की राह पर बढ़े मलेशिया-फिलीपीन्स

एजेंसी। काठमांडू

चीन के नए नक्शे पर भारत के बाद अब मलेशिया, फिलीपीन्स, ताइवान और नेपाल ने कड़ा विरोध जताया है। मलेशिया ने चीन के नए नक्शे को खारिज कर दिया है जिसमें लगभग पूरे साउथ चाइना सी को ड्रैगन का इलाका दिखाया गया है। इसमें मलेशिया के बोर्नियो तट के पास का भी इलाका शामिल है। इस बीच फिलीपी-?स और ताइवान ने चीन को जमकर सुनाया है। वहीं नेपाल की राजधानी काठमांडू के विवादित मेयर बालेन शाह ने तो अपनी चीन यात्रा तक को रद कर दिया है। इससे पहले भारत ने चीन के दावे की हवा निकाल दी थी और विदेश मंत्री जयशंकर ने उसकी पोल खोलकर रख दी थी। चीन साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय अदालत के फैसले के बाद भी दक्षिण चीन सागर के लगभग सारे इलाके पर दावा

करता है। अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने कहा कि चीन का 'नाइन डैश लाइन' निराधार है। चीन ने हाल के दिनों में दक्षिण चीन सागर में कई कृत्रिम द्वीप बनाए हैं और वहां पर मिसाइलों से लेकर फाइटर जेट तक की तैनाती की है। दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन का पड़ोसी देशों मलेशिया, फिलीपीन्स, वियतनाम, ब्रुनई और ताइवान के साथ गंभीर विवाद है। इसी को देखते हुए हाल ही में फिलीपीन्स ने अमेरिका को नेवल बेस बनाने के लिए जगह दी है। मलेशिया ने कहा कि चीन का यह दावा एकतरफा है। मलेशिया इसे मान्यता नहीं देता है। इस बीच नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर बालेन शाह चीन के इस नए नक्शे पर भड़क गए हैं। बालेन शाह ने अपनी चीन यात्रा को रद कर दिया है। चीन की सरकार ने बालेन शाह को यह न?योता दिया था। बालेन शाह ने आरोप लगाया कि चीन ने अपने नक्शे में नेपाल के नए राजनीतिक नक्शे को मान्यता नहीं दी है। दरअसल, चीन ने अपने नक्शे में कालापानी और लिंपियाधुरा के इलाके को भारत का हिस्सा माना है जिस पर नेपाल अपना दावा करता है।

रोकावट भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने भारत की तारीफ करते हुए कहा-

भारत और रूस के रिश्तों को बर्बाद करना चाहता है अमेरिका

एजेंसी। मास्को

जी-20 देशों की दिल्ली में होने वाली शिखर बैठक से ठीक पहले भारत और रूस के बीच रिश्तों में गर्माहट बढ़ती जा रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फोन करके चंद्रयान-3 की सफलता पर बधाई दी है। यही नहीं अब रूस भारत के साथ अंतरिक्ष कार्यक्रम को बढ़ाने की मंशा रखता है। इस बीच रूस के भारत में राजदूत डेनिस अलीपोव ने भारत की जमकर तारीफ करते हुए अमेरिका पर बड़ा हमला बोला है। रूसी राजदूत ने कहा कि अमेरिका खुलेआम कहता है कि वह भारत और रूस के बीच रिश्तों को बर्बाद करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी चीज है जिसे हम स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

रूसी राजदूत ने वियॉन टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि

अमेरिका की इस कोशिश को हम आगे नहीं बढ़ने देंगे। मैं फिर से कहना चाहूंगा कि हमारा भारत के साथ रिश्ता अच्छाई और सकारात्मकता के लिए है। रूसी राजदूत ने भारत को खुलकर मदद देने का ऐलान किया और जी-20 की अध्यक्षता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रूस जी20 में भारत के प्राथमिकताओं को अपना पूरा समर्थन देता है। उन्होंने कहा कि जी-20 एक अफ्रीकी देश को शामिल करने की पहल को रूस अपना पूरा साथ देगा। जी-20 में

रूसी राजदूत ने भारत को खुलकर मदद देने का ऐलान किया और जी-20 की अध्यक्षता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रूस जी20 में भारत के प्राथमिकताओं को अपना पूरा समर्थन देता है

यूक्रेन के मुद्दे को शामिल करने विवाद की वजह से संयुक्त बयान जारी करने में बाधाएं आ रही हैं। इसमें एक तरफ जी7 देश हैं और दूसरी तरफ रूस तथा चीन एक साथ खड़े हैं। इस गतिरोध पर रूसी राजदूत ने कहा कि वर्तमान समय में ऐसा लगता है कि बातचीत ठहर सी गई है। भारत और अमेरिका के रिश?ते पर रूसी राजदूत ने अमेरिका के रुख पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के साथ रिश्तों को बर्बाद करना चाहता है जिसे हम स्वीकार नहीं कर सकते हैं। राजदूत अलीपोव ने कहा कि यूक्रेन विवाद में भारत के शांति प्रयासों की रूस सराहना करता है। उन?होंने कहा कि रूस और भारत दोनों मिलकर भारत के यूपीआई सिस्टम को रूस में भी शुरू करने की संभावनाओं पर बात कर रहे हैं। यह ठीक उसी तरह से होगा जिस तरह से भारत और यूएई के ब्टम में रुपे का इस्तेमाल शुरू होता है तो यह स्वागतयोग्य कदम होगा। रूसी राजदूत ने कहा कि जी-20 को आर्थिक और वित्तीय मामलों पर फोकस करना चाहिए, उसे भूराजनीतिक मामलों को नहीं उठाना चाहिए। भूराजनीतिक मुद्दों के लिए हमारे पास पहले से ही संयुक्त राष्ट्र मौजूद है। संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन युद्ध का मुद्दा पहले ही चल रहा है।

फ्लोरिडा में इडालिया की वजह से 1000 से ज्यादा फ्लाइट्स हुईं कैंसिल

फ्लोरिडा। तूफान इडालिया खतरनाक श्रेणी 3 के तूफान के रूप में फ्लोरिडा के पश्चिमी तट पर पहुंचा। कुछ स्थानों पर तूफान से समुद्र में लहरें 15 फुट तक ऊंची उठी। इडालिया की वजह से क्षेत्र में भारी बारिश हुई है और जन-जीवन प्रभावित हुआ है। कई इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। वहीं इस तूफान की वजह से एक हजार से ज्यादा फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ गया है। भारी बारिश की वजह से आसपास के गांवों में बाढ़ की स्थिति है और बड़े स्तर पर राहत कार्य चलाया जा रहा है। क्यूबा के पश्चिम से गुजरने के एक दिन बाद विगत मंगलवार तड़के इदालिया एक और खतरनाक हो गया है। इसने घरों को नुकसान पहुंचाया, बिजली गुल हो गई, गांवों में बाढ़ आ गई और बड़े पैमाने पर लोगों को पलायन करना पड़ा। अमेरिका में बुधवार को 1,000 से ज्यादा फ्लाइट्स इस तूफान की वजह से कैंसिल करनी पड़ी है।

उत्तर कोरिया ने फिर किया शक्ति प्रदर्शन

जापान की ओर दागी बैलिस्टिक मिसाइल, टेंशन में दक्षिण कोरिया

एजेंसी। सियोल

दक्षिण कोरिया की सेना ने बुधवार को दावा किया कि उत्तर कोरिया ने उत्तर-पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने एक बयान में कहा कि उत्तर कोरियाई राजधानी क्षेत्र से बुधवार देर शाम को मिसाइल दागी गई। यह दावा ऐसे समय में किया गया है, जब उत्तर कोरिया के खिलाफ ताकत दिखाने के लिए अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर कोरियाई प्रायद्वीप में लंबी दूरी के बी1-बी बमवर्षक विमानों के साथ प्रशिक्षण किया। बयान में कहा गया कि दक्षिण कोरियाई सेना ने अमेरिका के साथ करीबी समन्वय कर अपनी सुरक्षा चाक-चौबंद की है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि उत्तर कोरिया की तरफ से संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई है। इस सप्ताह की शुरूआत में, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने कहा था कि देश के नेता किम जोंग उन ने सेना से प्रतिद्वंद्वियों की किसी भी योजना का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया था। उत्तर कोरिया, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य अभ्यासों को उकसावे वाली कार्रवाई करार देता है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने मंगलवार को कहा कि नेता किम जोंग उन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों की आक्रमण की योजना को विफल करने के लिए सेना को युद्ध के लिए लगातार तैयार रहने का आह्वान किया है। इसके अलावा विगत मंगलवार को, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने दक्षिण कोरिया के दक्षिणी जेजू द्वीप पर मिसाइल डिफेंस एक्सरसाइज के लिए अपने अपने नौसैनिक विध्वंसक विमानों को जुटाया।

कैसे सुधरेगा स्वास्थ्य विभाग?

झारखंड में स्वास्थ्य विभाग की हालत खस्ता है। लगभग हर जिले में डॉक्टरों की कमी है। कुछ जिले ऐसे हैं जहां डॉक्टर ज्यादा पैसे देने के बाद भी जाना नहीं चाहते हैं। ऐसा ही एक जिला है पाकुड़। झारखंड सरकार के मंत्री भी मानते हैं कि इस जिले में कोई भी अच्छा डॉक्टर नहीं आना चाहता है। भले ही उसे ज्यादा पैसे दिये जायें। यही वजह है कि सिर्फ 22 डॉक्टरों के सहारे पूरा जिला है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल होगा। कमोवेश यही हालत सभी जगहों पर देखने को मिलती है। पलामू में भी डाक्टरों का टोटा है। ऐसे में सवाल उठता है कि इसका जवाबदेह कौन है? सरकार इस मामले में पल्ला तो झाड़ नहीं सकती है। उसे हर हाल में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को ठीक तो करना ही पड़ेगा। लेकिन हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि सरकार का ध्यान नहीं के बराबर है। अब बात पाकुड़ की जाये तो यहां चिकित्सकों की घोर कमी के कारण आज भी यहां के मरीज पश्चिम बंगाल, बिहार के अलावा हैदराबाद, वैल्लोर, आंध्र प्रदेश, मुंबई सहित कई दूसरे राज्य में जाने को विवश हैं। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए जिला प्रशासन की पहल पर कोल कंपनी कॉपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत चिकित्सकों की बहाली के लिए आमंत्रित किया गया। लेकिन एक भी डॉक्टर पाकुड़ आने को तैयार नहीं है। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक पाकुड़ में डॉक्टरों की कमी को देखते हुए फिजिशियन, एमडी, आथोर्पेडिक सर्जन, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट एवं एक नेत्र सर्जन के लिए प्रचार प्रसार कराया गया, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी प्रचार प्रसार के साथ यहां पदस्थापित डॉक्टरों ने अन्य डॉक्टरों से संपर्क किया। लेकिन इसके बाद भी एक भी डॉक्टर ने यहां के लिए आवेद नहीं दिया। इस बाबत विधायक और मंत्री आलमगीर आलम का मानना है कि पूरे झारखंड में डॉक्टर की कमी है। हमने जिले में इंटरव्यू कॉल किया था। लेकिन एक भी डॉक्टर इसमें शामिल नहीं हुआ। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि यहां अच्छे डॉक्टर आयें। हमने इसके लिए अच्छी सैलरी भी ऑफर की है। जेनरल फिजिशियन और सर्जन को 2।5 लाख का ऑफर दे रहे हैं। इसके अलावा जो सिर्फ एमबीबीएस हैं उनको एक लाख सैलरी देने की पेशकश की है। इसके बाद भी कोई डॉक्टर नहीं आया है। इसके बाद हमने पश्चिम बंगाल के अधिकारियों से बात की है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि हफ्ते दस दिन में कुछ डॉक्टरों को भेज दिया जायेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि जब राज्य के मंत्री की बात को अनसुना किया जा रहा है तो आम आदमी का क्या होगा। यह एक गंभीर विषय है इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। यहां पदस्थापित चिकित्सकों के मुताबिक पाकुड़ अति पिछड़ा जिला होने के कारण यहां संसाधनों की बेहद कमी है। टूर के लिए कोई स्थान न होना, ट्रेनों की कमी के अलावा ड्यूटी के बाद निजी प्रैक्टिस से कोई ज्यादा लाभ नहीं होना भी एक समस्या है। यही वजह है कि यहां कोई भी अच्छा डॉक्टर नहीं आना चाहता है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबित पाकुड़ जिले में एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं है। खासकर महिलाओं को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। यहां तक कि महिलाओं को मेडिकल जांच के लिए दुमका मेडिकल कॉलेज ले जाना पड़ता है।

पलामू में भी डाक्टरों का टोटा है। ऐसे में सवाल उठता है कि इसका जवाबदेह कौन है? सरकार इस मामले में पल्ला तो झाड़ नहीं सकती है। उसे हर हाल में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को ठीक तो करना ही पड़ेगा। लेकिन हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि सरकार का ध्यान नहीं के बराबर है।

छात्रों में बढ़ी आत्महत्या की प्रवृति चिन्ताजनक

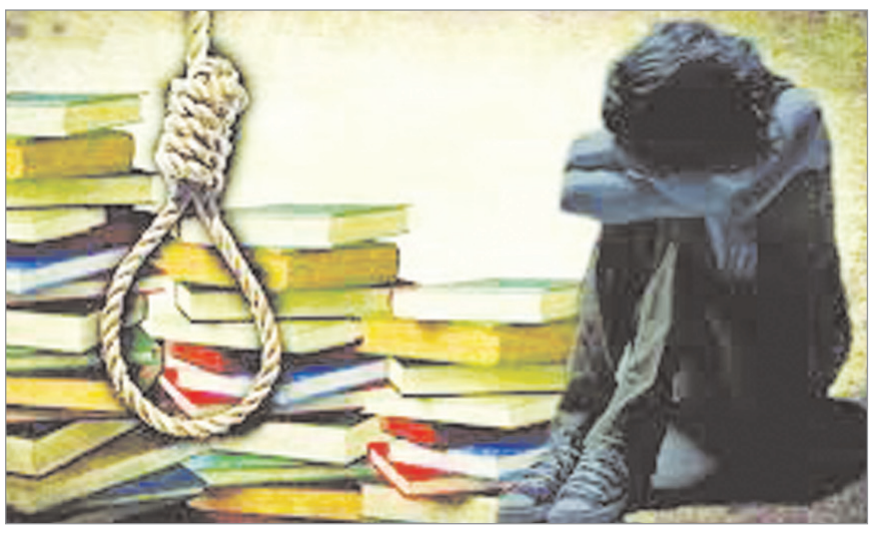

नया भारत-सशक्त भारत बनाने की बात हो रही है, नई शिक्षा नीति-2020 को प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा, शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हुए उस पर सर्वाधिक ध्यान दिया जा रहा है। लेकिन इन सब प्रयत्नों के बावजूद चिंता की बात यह है कि पूरे देश में खुदकुशी करने वाले छात्रों की संख्या बढ़ रही है। साल 2020 में 12500 से अधिक, तो 2021 में 13,000 छात्रों ने आत्महत्या की। ये आंकड़े नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के हैं। कोटा में इसी रविवार को दो और छात्रों ने खुदकुशी कर ली। इसके साथ इस साल कोटा में आत्महत्या करने वाले छात्रों की संख्या 23 हो गई है, जो बहुत ही गंभीर मसला है। राजस्थान की इस शिक्षा नगरी में दो महीनों में 9 छात्रों ने सुसाइड कर चुके हैं। यहां लगातार छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, इसके पीछे सरकार, प्रशासन या कोचिंग इंस्टिट्यूट की लापरवाही है या कुछ और? सुसाइड हब बन रहे कोटा के इस स्याह पक्ष को लेकर अब इस आपदा का हल तो ढूंढ़ना होगा। ऐसा नहीं है कि महामारी बनती इस समस्या के कारण हमें नहीं पता। आजादी के अमृतकाल को सार्थक करने में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारा जा रहा है, कहा भी जा रहा है कि शिक्षा ही एक ऐसा हथियार भी है जिससे इंसान न केवल खुद को, बल्कि समाज, राष्ट्र एवं दुनिया को भी बदल सकता है। फिर शिक्षा के आसपास ऐसी कौनसी विसंगतियां एवं विडम्बना है कि छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। सब जानते हैं कि शिक्षा के व्यवसाय बनने से उसमें अनेक कुचेष्टाएं प्रवेश कर रही है, छात्रों से अच्छे परीक्षा परिणाम देने का दबाव बनाया जा रहा है, अधिक प्रतिस्पर्धा एवं होड ने छात्रों पर प्रेशर बनाया है, इसके साथ ही किस तरह से पैरंट्स अपने सपने बच्चों पर थोपते हैं। उन्हें आईआईटी, एनआईटी या मेडिकल में ही बच्चों का सुनहरा भविष्य दिखता है, जिसे साकार करने के लिए कई अभिभावक कर्ज भी लेते हैं। मां-बाप के सपनों से दबा स्टूडेंट जब कोचिंग संस्थानों में पहुंचता है तो उस पर तैयारी और टेस्ट का प्रेशर डाला जाता है और यह कहकर भी डराया जाता है कि जेइइ या एनइइटी दुनिया की सबसे मुश्किल परीक्षाएं हैं। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था की कामयाबी इसमें है कि शुरूआती से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा हासिल करने के मामले में गलाकाट प्रतिस्पर्धा एवं जटिलता की बजाय सहजता हो। अगर किसी वजह से पढ़ाई करने या उसमें सफलता हासिल करने में किसी विद्यार्थी के सामने अड़चनें आ रही हो तो उसे दूर करने के उपाय किये जाएं। लेकिन बीते कई दशकों से यह सवाल लगातार बना हुआ है कि एक बड़ी तादाद में विद्यार्थी स्कूल-कॉलेजों में बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं और अपने अभिभावकों से नजरें ना मिला पाने के डर से आत्महत्या कर लेने हैं। इस मसले पर सरकार से लेकर शिक्षा पर काम करने वाले संगठनों की अध्ययन रपटों में अनेक बार इस चिंता को रेखांकित किया गया है, लेकिन अब तक इसका कोई सार्थक हल सामने नहीं आ सका है। प्रशासन से लेकर कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालक तक किसी के पास इसका जवाब नहीं है कि आखिरकार यहां सुसाइड के मामलों में लगातार इजाफा क्यों हो रहे हैं। छात्रों के द्वारा अगर लगातार ऐसे कदम उठाये जा रहे हैं तो साइकोलॉजिकल काउंसलिंग क्यों नहीं कराई जा रही है। इस संबंध कोचिंग संस्थान और प्रशासन की तरफ से कोई पहल क्यों नहीं की जा रही है? जहन में एक ही सवाल बार-बार उठता है कि आखिर बच्चों पर प्रेशर बनाता कौन है? कोचिंग इंस्टीट्यूट की तरफ से पढ़ाई का दबाव रहता है या फैमिली प्रेशर से या फिर मनचाहे परीक्षा परिणाम नहीं मिलने पर छात्र इस कदर दवाब में आ जाते हैं कि सुसाइड जैसे कदम उठा लेते हैं। कुछ छात्र तो अपने सपनों को पूरा करने के लिए इतने प्रेशर में आ जाते हैं कि रिजल्ट आने से पहले ही आत्महत्या जैसा कठोर, त्रासद एवं खौफनाक कदम उठा लेते हैं। पुणे स्थित कंसल्टेंसी फर्म इनफिनियम ग्लोबल रिसर्च का अनुमान है कि इस साल के आखिर तक कोचिंग इंडस्ट्री का कारोबार 58,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा होगा। यानी कोचिंग संस्थान समृद्ध एवं शक्तिशाली है कि वे चाहें तो बच्चों की मेंटल हेल्थ सुधारने के लिए पहल कर सकते हैं। वे ऐसे छात्रों की मॉनिटरिंग भी कर सकते हैं, जिनका टेस्ट स्कोर कम हो और जो अक्सर क्लास से गायब रहते हों। ऐसा भी नहीं है कि कोटा के कोचिंग संस्थानों की ओर से इस तरह की पहल नहीं हुई है, लेकिन स्पष्ट है कि ये नाकाफी साबित हो रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि उच्च नागरिक बनाने की बजाय ये संस्थान छात्रों को आत्महंता बना रहे हैं तो उनके ऊपर एक काला बदनुमा दाग होने के साथ बड़ा सवाल भी खड़ा है कि ऐसे संस्थानों में क्या पढ़ाई का स्तर व माहौल उचित नहीं है? सरकार और देश के शिक्षाविदों को इस तथ्य को लेकर भी चिंता करनी ही होगी कि बीते पांच साल में इन उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने वाले 92 विद्यार्थियों ने पढ़ाई के बीच में ही आत्महत्या क्यों कर ली? ऐसे ही आईआईटी बुम्बई के फर्स्ट ईयर के छात्र दर्शन सोलंकी ने पिछले दिनों खुदकुशी कर ली। इसके बाद वहां के छात्रों से अधिकारिक तौर पर कहा गया है कि छात्र एक दूसरे से जी (एडवांस) रैंक या गेट स्कोर के बारे में पूछताछ न करें। न ही ऐसा कोई सवाल करें जिससे छात्र की जाति, अमीरी-गरीबी और उससे जुड़े पहलू उजागर होते हो। इस तरह की गाइडलाइन की जरूरत केवल आईआईटी मुम्बई को ही नहीं, सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को एवं कोटा के कोचिंग संस्थानों को भी हैं। हालांकि बच्चों को मनोवैज्ञानिक दबाव से बाहर निकालने के लिए कोटा प्रशासन ने तकरीबन साल भर पहले एक गाइडलाइन जारी की थी, जिसे एक भी कोचिंग संस्थान ने पूरी तरह फॉलो नहीं किया है, प्रश्न है कि प्रशासन ने उनके खिलाफ क्या कदम उठाये? सवाल तो यह भी है कि क्या ऐसे सांकेतिक कदमों से आत्महत्या की बढ़ती संख्या जैसी गंभीर समस्याओं को हल किया जा सकता है। आत्महत्या की बढ़ती छात्र मानसिकता पर नियंत्रण के लिये सबसे पहले पैरंट्स को अपने बच्चों की काबिलियत पहचाननी होगी और उसी के अनुरूप आगे बढ़ने में उसकी मदद करनी होगी। कोटा में आज जो हो रहा है, उसे रोकने के लिए पैरंट्स, कोचिंग संस्थान और सरकारी मशीनरी सबको मिलकर काम करना होगा। यह जगजाहिर है कि एक ओर स्कूल-कालेज में शिक्षा पद्धति में तय मानक बहुत सारे विद्यार्थियों के लिए सहजता से ग्राह्य नहीं होते, वहीं पढ़ाई में निरंतरता नहीं रहने के पीछे पठन-पाठन के स्वरूप से लेकर प्रतिस्पर्धा, गरीबी, पारिवारिक, सामाजिक और अन्य कई कारकों से जुड़ा हुआ है और इसके समाधान के लिए सभी बिंदुओं को एक सूत्र में रखकर ही देखने की जरूरत होगी।

साल 2020 में 12500 से अधिक, तो 2021 में 13,000 छात्रों ने आत्महत्या की। ये आंकड़े नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के हैं। कोटा में इसी रविवार को दो और छात्रों ने खुदकुशी कर ली।

इन दिनों

ललित गर्ग

बोधि वृक्ष

आइये सुने कथा महान धनुर्धर एकलव्य की

सभी मिलजुल कर एक परिवार की तरह रहते और मिल बाँट कर सब काम किया करते थे। सभी शिष्य बड़ी निष्ठा और ईमानदारी के साथ शिक्षा प्राप्त करते थे। उस समय शिक्षा भी कुल के अनुसार ही दी जाती थी। ब्राह्मणों और क्षत्रियों के इलावा किसी को भी शिक्षा नहीं दी जाती थी। महाभारत काल में प्रयाग (इलाहाबाद) के तटवर्ती प्रदेश में सुदूर तक फैला हुआ एक राज्य श्रृंगवेरपुर था। व्याव्राज हरिण्यधनु उस आदिवासी इलाके के राजा व एक महान योद्धा थे। गंगा के तट पर अवस्थित श्रृंगवेरपुर उसकी सुदृढ़ राजधानी थी। उस समय श्रृंगवेरपुर राज्य की शक्ति मगध, हस्तिनापुर, मथुरा, चेदि और चन्देरी आदि बड़े राज्यों के समकक्ष थी। निषादराज हिरण्यधनु और रानी सुलेखा व उनकी प्रजा सुखी और सम्पन्न थी। निषादराज हिरण्यधनु की रानी सुलेखा ने एक पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम 'अभिद्युम्न' रखा गया। बचपन में वह 'अभय' के नाम से जाना जाता था। बचपन में जब 'अभय' शिक्षा के लिए अपने कुल के गुरुकुल में गया तो अस्त्र शस्त्र विद्या में बालक की लगन और एकनिष्ठता को देखते हुए गुरू ने बालक को 'एकलव्य' नाम से संबोधित किया। सारी शिक्षाएँ प्राप्त कर एकलव्य युवा हो गया तब उसका विवाह हिरण्यधनु के एक निषाद मित्र की कन्या सुणीता से हुआ। एकलव्य को अपनी धनुर्विद्या से संतुष्टि न थी इस कारन धनुर्विद्या की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लीये उसे उस समय धनुर्विद्या में दक्ष गुरू द्रोण के पास जाने का फैसला किया। एकलव्य के पिता जानते थे कि द्रोणाचार्य केवल ब्राह्मण तथा क्षत्रिय वर्ग को ही शिक्षा देते हैं और उन्होंने एकलव्य को भी इस बारे में बताया परंतु धनुर्विद्या सीखने की धुन और द्रोणाचार्य को अपनी कलाओं से प्रभावित करने की सोच लेकर उनके पास गया।

(क्रमशः)

जनसंख्यकिय संरचना में बहुसंख्यक आबादी मध्यम वर्ग की होगी

किशन भावनानी गोंदिया

वैश्विक स्तरपर भारत जिस तरह विकास की बुलंदियों के नये-नये आयाम गढ़ रहा है वैसे-वैसे इसका रिजल्ट व दूरदर्शी संभावनाएं आना शुरू हो गई है। कुछ दिन पूर्व संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पिछले 15 वर्षों में भारत में 37.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गये हैं। वहीं भारतीय नीति आयोग के रिपोर्ट में भी आया के पिछले 5 वर्षों में 13.5 करोड लोग गरीबी रेखा के ऊपर आये हैं जिसका उल्लेख पिछले कुछ दिनों से पीएम महोदय अपने हर संबोधन में करते हैं और इस रिजल्ट को गरीबी अनुकूल नीतियों रणनीतियों को तेजी से लागू करने का कारण बताते हैं, इसमें मध्यम वर्ग की जनसंख्या के ढांचे में बेतहाशा वृद्धि हो जायेगी क्योंकि गरीबी रेखा से आया वह वर्ग अब नये मध्यम वर्ग के माध्यम से इस मध्यम वर्ग में जुड़ जायेंगे और भारत में सबसे बड़ा वर्ग मध्यम वर्ग हो जायेगा। अभी हाल ही में प्रकाशित द राइस ऑफ इंडियन मिडल क्लास शीर्षक नाम से प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की आजादी को 100 वर्ष पूर्ण होने पर 2047 में देश में 100 करोड़ से अधिक लोग मध्यम वर्ग में शामिल हो जायेंगे। मध्यम वर्ग की आबादी 2004-05 में जहां 30 प्रतिशत गरीब परिवार हुआ करते थे उनकी आबादी 2030 तक 6 प्रतिशत के नीचे आ जायेगी और 2047 तक मात्र 2 प्रतिशत के भी नीचे चली जायेगी और मध्यम वर्ग की आबादी 2004-05 के 14 प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 46 प्रतिशत तक हो जायेगी और 2047 तक यह आबादी 63 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद हैऐसा रिपोर्ट में कहा गया है जिसे जी-20 के शेरिफ द्वारा जारी किया गया था। मेरा मानना है कि जिस प्रकार अभी 13.5 करोड लोग या संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 37.5 करोड लोग गरीबी रेखा के ऊपर आए हैं तो उन्हें अब कलमबद्ध करना जरूरी हो गया है, उनका रिकॉर्ड अब गरीबी रेखा से मध्यम वर्ग में तब्दील करना जरूरी हो गया है, ताकि उनको मिलने वाली शासकीय सुविधा, आरक्षण, शासकीय सहायता, हित अब उनसे नीचे वास्तविक गरीबों को मिले ताकि वह भी तेजी से मध्यम वर्ग में आये। मेरे सुझाव को शासकीय प्रशासकीय व माननीय पीएम द्वारा रेखांकित करना समय की मांग है, क्योंकि अब भारत की आबादीअधिकतम मध्यम वर्गीय होने की ओरअग्रसर हो रही है जो 2030 तक 40 प्रतिशत और 2047 तक 63 प्रतिशत होगी। अब सरकारों को मध्यम वर्गीय को अधिक ध्यान में रखना होगा क्योंकि सत्ता की चाबी इन्हीं 63 प्रतिशत मध्यम वर्गीय परिवारों से होकर ही गुजरेगी, जिसे रेखांकित करते हुए लोकसभा चुनाव 2024 में मध्यम वर्ग के परिवारों को नजरंदास करने की भूल शायद ही कोई राजनीतिक दल करेगा? परंतु अब गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके 37.5 करोड लोगों को शासकीय सुविधा से वंचित करना समय की मांग है क्योंकि अब 80 करोड़ नागरिकों को फ्री राशन सेवा पर प्रश्न चिन्ह लग गया है जिसे अब जनता रेखांकित कर रही है? और चुनाव में इसका जवाबमताधिकार का प्रयोग करके देने का मन बना लिया है? इसीलिए शीघ्रता से इन 37.5 या 13.5 करोड़ को मध्यम वर्गीय में हस्तांतरित करशासकीय सुविधाओं पर बैन लगाना समय की मांग है। चूंकि पीएम ने बी-20 शिखर सम्मेलन में गरीबी रेखा से मध्यम वर्गीय क्रम में पहुंचने की वजनदार बात कही है इसलिए शासन प्रशासन को पीएम के इन शब्दों को ध्यान देना बहुत जरूरी है, ध्यान देकर, अमल कर रिकॉर्ड चेंज करना समय की मांग है। इस विषय पर मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से हम चर्चा करेंगे, नये भारत में बहुसंख्यक आबादी मध्यम वर्ग की होगी, हमनें गरीबी को पीछे छोड़े हैं, आओअब शासकीय सुविधाएं छोड़ें।

मध्यम वर्ग की आबादी 2004-05 में जहां 30 प्रतिशत गरीब परिवार हुआ करते थे उनकी आबादी 2030 तक 6 प्रतिशत के नीचे आ जायेगी और 2047 तक मात्र 2 प्रतिशत के भी नीचे चली जायेगी।

आबादी

फोटो की दुनिया

फेसबुक वॉल से

राष्ट्रहित में जरुरी है धर्म के चोले में छुपे अधर्मियों को पहचानना

जिस भारतवर्ष में समाज का एक बड़ा वर्ग धार्मिक मान्यताओं का हवाला देते हुये जीव हत्या का मुखर विरोधी हो उसी देश में धार्मिक उन्माद के नाम पर इंसानों की सरेआम हत्यायें की जाने लगी हैं ,लोगों को पीट पीट कर मार दिया जाता है। घर व बस्तियां फूंकी जाने लगी हैं। वर्दीधारी जवान जिनपर अपने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का जिम्मा है वही धर्म के आधार पर लोगों की पहचान कर उन्हें सरकारी शस्त्र से गोली मरने लगे हैं। अध्यापक अपने छात्रों में धर्म के आधार पर भेद करने लगे, मंदिर की पानी की टोंटी से मुसलमान बच्चे के पानी पी लेने पर उसे पीटा गया, मुस्लिम महिला के बलात्कारियों की पैरवी व उनका महिमामंडन होने लगा है। गत दस वर्षों में इस तरह का भयावह व अशांत वातावरण बनाने में देश के जहां बिकाऊ व सत्ता की खुशामद परस्ती के लिये समर्पण कर चुके मीडिया की अहम भूमिका है वही देश भर में इस वातावरण को बनाने में साधू वेशधारियों का भी अहम किरदार है। इसमें कोई संदेह नहीं कि धर्म के मर्म को समझने वाला कोई भी किसी भी धर्म का संत फकीर इंसानों को एक दूसरे के खून का प्यासा बनाने के लिये नहीं उकसा सकता। कोई भी सच्चा संत त्याग, तपस्या, प्रेम सद्भाव की ही बात करता है। परन्तु यह भी पौराणिक सत्य है कि रावण भी सीता हरण करने के लिये साधू के वेश में ही भिक्षा मांगने आया था। यानी रावण को पता था कि उसके वास्तविक रूप को देखकर सीता सचेत हो जायेगी और उसका मकसद पूरा नहीं होगा लिहाजा साधु वेश में सीता को भी आसानी से धोखा दिया जा सकता है। हालांकि उन्माद फैलाने वाले साधू वेश धारियों की रावण से तुलना भी नहीं की जा सकती क्योंकि वह एक प्रकाण्ड ज्ञानी था। वहीं सिलसिला आज भी जारी है। तमाम अज्ञानी, अर्धज्ञानी, सत्ता द्वारा प्रायोजित, धन वैभव व सत्ता के लालची व शोहरत के भूखे लोग स्वयंभू महंत व महामंडलेश्वर बने बैठे हैं और दिन रात धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं। उधर टी आर पी व धनार्जन के नशे में डूबा मीडिया ऐसे ही पाखंडियों व समाज विभाजक तत्वों को तवज्जोह देकर इन्हें हीरो बना देता है। और बेरोजगारी व मंहगाई से व्याकुल जनता ऐसे साधू वेशधारियों को धार्मिक व धर्म हितैषी समझकर इनके पीछे झुण्ड की तरह खड़ी हो जाती है और इनके उकसाने पर उन्माद व हिंसा फैलाने में देर नहीं लगाती। उदाहरण के तौर पर गजियाबाद के समीप डासना के देवी मंदिर के महंत नरसिंहानंद सरस्वती को पहले गाजियाबाद जिले में भी कोई नहीं जानता था। परन्तु जब उनके मंदिर के बाहर लगे प्याऊ से एक मुसलमान लड़का पानी पी रहा था और मंदिर के कुछ लोगों ने मंदिर से पानी पीने के चलते उसकी पिटाई की। उसकी वीडिओ बनाई और उसे वायरल भी किया। उसके बाद मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती का चेहरा सामने आया जिन्होंने इस अमानवीय कृत्य का खुलकर समर्थन किया। आज वे गोदी मीडिया की बदौलत स्थापित 'फायरब्रांड हिंदू संत' बन चुके हैं। मोनू मानेसर, शंभु रैगर जैसे हत्यारे स्वयं को हिन्दू धर्म के आदर्श के रूप में स्थापित कर रहे हैं। कोई धार्मिक उन्माद के नाम पर लोगों को तलवार और त्रिशूल बेचने के वीडिओ जारी कर रहा है। बड़े बड़े संतों यहाँ तक कि शंकराचार्यों की आपत्ति व आलोचना के बावजूद बाबा बागेश्वर शास्त्री जैसे नवोदित स्वयंभू संत हिन्दू राष्ट्र निर्माण की आड़ में अपना भविष्य वाणी का धंधा चला रहे हैं। तो कई राष्ट्रवाद के नाम पर अपना व्यवसायिक साम्राज्य स्थापित किये बैठे हैं। परन्तु देश के अधिकांश संत व स्थानधारी संत जो वास्तव में मानवतावादी संत हैं वह सब धर्मों व आस्थाओं का सम्मान करते हैं। वे हिंसा, हत्या आगजनी के लिये अपने भक्तों को प्रोत्साहित नहीं करते। उनका रहन सहन भी साधारण रहता है और वे ज्ञानवान भी होते हैं।

निर्मल रानी

तमाम अज्ञानी, अर्धज्ञानी, सत्ता द्वारा प्रायोजित, धन वैभव व सत्ता के लालची व शोहरत के भूखे लोग स्वयंभू महंत व महामंडलेश्वर बने बैठे हैं और दिन रात धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं।

अधर्म

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट । - फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम व किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं। लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है।
बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।

इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।
जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए। आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

❖ अनन्या मिश्रा

बच्चों में कमजोर इम्यूनिटी होने पर दिखाई देते हैं ऐसे लक्षण, पेरेंट्स ना करें अनदेखा

पेरेंट्स को बच्चे की कमजोर इम्यूनिटी के लक्षणों को पहचानना चाहिए। इसके लिए आपको बच्चों के अंदर होने वाले उन लक्षणों को पहचानना होता है। जिससे उनकी कमजोर इम्यूनिटी के बारे में पता चलता है। मौसम में बदलाव होते ही कई बच्चे बीमार पड़ जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर होती है। लेकिन कई पेरेंट्स को यह बात पता ही नहीं होती है, वहीं बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को बच्चे की कमजोर इम्यूनिटी के लक्षणों को पहचानना चाहिए। इसके लिए आपको बच्चों के अंदर होने वाले उन लक्षणों को पहचानना होता है। जिससे उनकी कमजोर इम्यूनिटी के बारे में पता चलता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कमजोर इम्यूनिटी के लक्षणों और संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बार-बार बीमार पड़ना : अगर आपका भी बच्चा बार-बार बीमार पड़ रहा है। बच्चे की तबियत यदि अक्सर खराब रहती हैं, तो पेरेंट्स को समझ जाना चाहिए कि उसकी इम्यूनिटी कमजोर है। क्योंकि बच्चा जब बार-बार बीमार पड़ता है, तो इसका मतलब है कि उसकी एंटीबॉडी रोग से लड़ने में सक्षम नहीं है। हालांकि बच्चों को साल में 3-4 बार जुकाम होना आम बात है। लेकिन इससे ज्यादा बार बच्चे का बीमार पड़ना उसकी कमजोर इम्यूनिटी की ओर इशारा करता है।

कमजोर पाचन तंत्र : अगर आपके बच्चे का भी पेट अक्सर खराब रहता है, या फिर पेट संबंधित किसी न किसी परेशानी से परेशान रहता है। तो यह उसकी कमजोर इम्यूनिटी की ओर संकेत करता है। इम्यूनिटी कमजोर होने पर बच्चे को गैस, कब्ज आदि की शिकायत बनी रहती है। क्योंकि पेट में अच्छे व बुरे दोनों तरह के बैक्टीरिया पाए जाते हैं। जो बैक्टीरिया पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं, उनको गुड बैक्टीरिया कहा जाता है। गुड बैक्टीरिया संक्रमण से लड़ने में मददगार साबित होता है। ऐसे में अगर बच्चा किसी भी तरह की संक्रमण की चपेट में आता है, तो यह साफ है कि उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है।

बार-बार संक्रमण होना : आमतौर पर बच्चे आसानी से संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में अगर आपके बच्चे को भी बार-बार संक्रमण हो रहा है। तो यह उसके स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। क्योंकि बच्चे को बार-बार संक्रमण नहीं होना चाहिए। इससे यह साफ पता चलता है कि बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर है। कमजोर इम्यूनिटी के कारण बच्चे को अस्थमा, निमोनिया, साइनसाइटिस और कान में इंफेक्शन जैसी बीमारियां हो जाती है। ऐसे में पेरेंट्स को इस बात की भी जानकारी होना जरूरी है कि यदि बच्चे की एंटीबॉडी मजबूत नहीं होगी। तो उसको इंफेक्शन से बचाना मुश्किल होगा। इसलिए बच्चे की इम्यूनिटी को बूस्ट करने पर ध्यान देना चाहिए।

अक्सर थकान महसूस करना : अगर आपका बच्चा थोड़ी देर खेलने के बाद, सीढ़ियां चढ़कर या फिर थोड़ा सा दौड़ने-भागने में थकान महसूस करने लगता है। तो पेरेंट्स को समझ जाना चाहिए कि बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर है। जिन बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, वह अपना अधिकतर समय बैठे-बैठे गुजार देते हैं। क्योंकि इस तरह के बच्चों में फिजिकल एक्टिविटी काफी कम होती है। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वह अपने बच्चे को एक्टिव रखने का प्रयास करें और उन्हें एनर्जेटिक बनाएं। बच्चे को एनर्जेटिक बनाए रखने के लिए आप उनकी डाइट में हेल्दी फ्रूट्स और सब्जियां शामिल करें।

इन बातों का रखें खास ख्याल

अगर बच्चे का स्वास्थ्य बार-बार खराब हो रहा है, तो उसे डॉक्टर को जरूर दिखाएं।
बच्चों में बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के लिए शुरूआती 6 महीने सिर्फ मां का दूध पिलाएं।
घातक बीमारियों के प्रति प्रतिरोधकता विकसित करने के लिए बच्चे का वैक्सीनेशन होना जरूरी है। इस वैक्सीनेशन में मुख्य रूप से काली खांसी, खसरा, मेनिन्जाइटिस, पोलियो और एन्सेफलाइटिस शामिल हैं।
अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए बच्चे को अच्छा और स्वस्थ आहार देना जरूरी होता है। बेहतर इम्यून के लिए प्रोबायोटिक और प्रीबायोटिक मददगार हैं।
बच्चे की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। यदि बच्चे को सांस की बीमारी है, तो घर से बाहर निकलने के दौरान उनको मास्क जरूर पहनाएं। इन्फ्लूएंजा के लिए रेगुलर वैक्सीनेशन करवाना जरूरी है।
जंक फूड से दूर रखें।

देवघर हवाई अड्डे से झारखंड के आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त

देवघर हवाई अड्डे के परिचालन के बाद से, 11 जुलाई, 2023 तक यहां 63,764 हवाई यात्रियों का आगमन हुआ, जबकि 64,592 यात्री अन्य गंतव्यों के लिए रवाना हुए। हवाई अड्डे पर यात्रियों की कुल संख्या (प्रस्थान + आगमन) 1,28,000 से अधिक हो गई है। उड़ान, आरसीएस योजना के तहत देवघर हवाई अड्डे का निर्माण किया गया है। यह हवाई अड्डा देवघर के आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ पूरे राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी परिकल्पना का आधार भी यही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जुलाई, 2022 को इसका उद्घाटन किया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा था कि हवाई अड्डे से बाबा बैद्यनाथ के भक्तों को काफी सुविधा होगी।

हवाई अड्डे पर भारी संख्या में लोगों की आवाजाही : इसके परिचालन के बाद से, देवघर हवाई अड्डे पर 11 जुलाई, 2023 तक 63,764 हवाई यात्री आए, जबकि 64,592 यात्री अन्य गंतव्यों के लिए रवाना हुए। इस प्रकार, यात्रियों की कुल संख्या 1,28,000 से अधिक हो गई है। वर्तमान में, देवघर हवाई अड्डे से दिल्ली आने और जाने के लिए सीधी उड़ानें हैं। इसी तरह, कोलकाता-देवघर-रांची-देवघर-कोलकाता और कोलकाता-देवघर-पटना-देवघर- कोलकाता रूट उम्मीद के मुताबिक अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एक धार्मिक स्थान होने के नाते देवघर को भारत और कुछ हद तक दुनिया भर से आगंतुकों को आकर्षित करने में मदद मिलती है। देवघर हवाई अड्डा भगवान शिव को समर्पित एक प्राचीन मंदिर बाबा बैद्यनाथ धाम का आशीर्वाद लेने वाले तीर्थयात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। झारखंड राज्य के संथाल परगना प्रमंडल में स्थित यह द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है। सदियों से, यह मंदिर तीर्थयात्रियों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य रहा है, जहां उन्हें दुर्गम इलाके और परिवहन की मामूली सुविधाएं प्राप्त होती रही हैं। देवघर में हवाई अड्डे ने यात्रा का एक विकल्प खोला है, जो तेज और सस्ती होने के साथ-साथ आरामदायक भी है। यह रिकार्ड संख्या में लोगों की आवाजाही के पीछे एक कारण हो सकता है। न केवल बाबा बैद्यनाथ धाम का आशीर्वाद लेने वाले तीर्थयात्री, बल्कि साहसिक कार्य से जुड़े धार्मिक आस्था वाले व्यक्ति भी बड़ी संख्या में देवघर आते हैं। देवघर हवाई अड्डे से जुड़ा एक और बड़ा लाभ यह है कि यह शहर में स्थित है और इसका एक विस्तृत क्षेत्र भी है। संयोगवश, यह उत्तर-पश्चिम बंगाल और दक्षिण-पूर्व बिहार को कवर करता है। बिहार के बांका, खगड़िया, मुंगेर, शेखपुरा, भागलपुर और जमुई आदि जैसे आसपास के शहरों के लोगों को भी हवाई अड्डे से लाभ होता है, क्योंकि यह उन्हें दिल्ली और कोलकाता से जोड़ता है।

आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बना देवघर : सरकार ने हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन के निर्माण के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च किए, जो सालाना पांच लाख से अधिक यात्रियों को संभाल सकता है। निर्माण की अवधि के दौरान, इसने युवाओं, विशेष रूप से स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान किया। अब, यह कुल मिलाकर यात्रा और पर्यटन के विकास में अपना योगदान दे रहा है। बल्कि राष्ट्र के आर्थिक विकास में भी योगदान मिलता है। देवघर में अधिक लोगों के आने का बहुत प्रभाव है, क्योंकि यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि यह राज्य के समग्र विकास की संभावनाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यदि सामान्य रूप से देखा जाए तो झारखंड और विशेष रूप से देवघर क्षेत्र लंबे समय से विकास से वंचित रहा है। किंतु, दिल्ली और कोलकाता से जुड़ने वाले अत्याधुनिक हवाई अड्डे के बल पर देवघर आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभर रहा है। बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की कमी को दूर करने के अलावा, हवाई अड्डा इस क्षेत्र में रहन-सहन की सुगमता को भी बढ़ावा देता है, समृद्धि लाता है, और इसे एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में मदद करता है।

तुलसी साहित्य के अन्यतम अध्येता - फादर कामिल बुल्के

तैसेहिं सुकबि कबित बुध कहहीं।
उपजहिं अनत अनत छबि लहहीं।।

की युक्ति को अक्षरशः चरितार्थ करने वाले, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संस्कृति के अलौकिक अग्रदूत, रामचरित मानस के अन्यतम अध्येता, गोस्वामी तुलसीदास एवं महर्षि वाल्मीकी के आदर्शों को इस धरा-धाम पर प्रसारित-प्रचारित करने वाले सिद्धहस्त लेखक तथा सर्वधर्म समभाव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने वाले सच्चे सुचेता,हिन्दी साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकार फादर कमिल बुल्के का जन्म १ सितंबर, 1909 को बेल्जियम के रम्सकपैल गांव में भले ही हुआ था पर उनको लोक प्रसिद्धी भारत में मिली।

सच पूछो तो वे एक शिक्षक के रूप में ईसाई धर्म के प्रचार प्रसार के लिए भारत आए थे। पर हिंदी की दिव्यता और रामचरितमानस की पवित्रता से इतना प्रभावित हुए कि सब कुछ छोड़कर मीरा की तरह पायोजी मैंने राम रतन धन पायो का अनुशीलन कर विज्ञान के शिक्षक होकर भी हिंदी से प्रेम करने लगे। उनका हिंदी प्रेम इतना परवान चढ़ा कि 1947 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में एमए फिर वही से माता प्रसाद गुप्त के मार्गदर्शन में 1949 में राम कथा के विकास विषय पर पीएचडी किये जो बाद में राम कथा उत्पत्तिः और विकास किताब के रूप में चर्चित हुई। इसके बाद तो वे राम कथा में इतना रम गए कि... तुलसी सर नाम गुलामु है राम को
जाको रुचे सो कहै कछु कोऊ
मांगि के खैबो मसीत को सोइबो
लैवे को एकु न देवै को दोऊ
के मंगल पथ के मंगल पथिक बन राम कथा, मुक्तिदाता तथा मानस कौमुदी जैसी पुस्तकों की रचना की। अंग्रेजी हिन्दी कोश हिन्दी साहित्य को उनकी अनुपम देन है।

फादर बुल्के के हृदय में रामचरित मानस के प्रति अथाह सागर उमड़ता रहता था,जो आज भी हिन्दी साहित्यानुरागियों के लिए चरणामृत का काम कर रहा है।उसका पान कर आज भी लोग धन्य- धन्य हो रहे हैं।

उनके महान व्यक्तित्व और कृतित्व को पढ़ने के बाद ऐसा लगता है कि,जो संकल्प, अटूट, निष्ठा और निस्वार्थ समर्पण तुलसी दास जी के हृदय में राम के लिए थी,वही निष्ठा फादर बुल्के के हृदय में रामचरित मानस के लिए थी....
हम चाकर रघुवीर के, पटौ लिखो दरबार।
अब तुलसी का होहिगे, नर के मनसबदार।।
अर्थात, अगर चाकरी हीं करनी है, तो रघुनाथ की करनी है, किसी और की नहीं।ठीक यही स्थिति फादर बुल्के के साथ थी। उन्हें भी समस्त मानवता की सेवा राम चरित मानस के माध्यम से जीवनपर्यंत करनी थी।इसलिए वे धर्म के संकरे चारदीवारी से बाहर निकल, 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई' को अपनाया जो रामचरित मानस का बीज मंत्र है। वो ये मान कर चले कि परमार्थ रामचरित मानस के बिना नहीं किया जा सकता,बात भी सही है......

राम नाम अलम्ब बिना, परमारथ की आस।
बरसत बारिद बुंद गही, चाहत चढ़न आकाश।।

इसलिए उन्होंने राम चरितमानस का केवल अध्ययन हीं नहीं किया बल्कि उस पर शोध किया,आत्म मंथन किया और मंथन के उपरांत निकले अमृत को जन-जन तक बांटने की कोशिश की। वे हमें उपदेश देते हैं कि, यदि सुख की प्राप्ति करनी है या मानवता की सेवा करनी है तो मानस को छोड़ कहीं अन्यत्र जाने की जरूरत नहीं है। जिस तरह से चातक अपने पुत्र को, अपने कुल धर्म की शिक्षा देता है, कि उनके कुल की मयार्दा है कि स्वाति नक्षत्र के जल के सिवाय वे किसी दूसरे जल से अपनी प्यास नहीं बुझा सकते। उसी तरह हम रामचरितमानस के सिवाय किसी अन्यत्र के द्वारा अपने अध्यात्मिक, नैतिक सांस्कृतिक,सामाजिक या मानवीय उद्देश्यों की प्यास नहीं बुझा सकते। ....

चातक सुतहि सिखावहीं,आन धर्म जिन लेहु।
मेरे कुल की बानि है, स्वाति बूंद से नेहु।।

राम चरित मानस रूपी स्वाति बूंद से नेह रखने वाले,चातक, फादर बुल्के को कोटि-कोटि नमन।

❖ बिनोद सिंह गहरवार

सूडोकु नवताल- 6809

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6808 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

दैनिक पंचांग

01 सितम्बर 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.55 बजे से
चंद्र	कुंभ में	तुला	09.06 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.20 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.36 बजे से
गुरु	मेष में	मकर	15.41 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.28 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.01 बजे से
राहु	मेष में	मेष	20.31 बजे से
केतु	तुला में	वृष	22.11 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.09 बजे से
10.30 से		कर्क	02.23 बजे से
12.00 बजे तक		सिंह	04.39 बजे से

शुक्रवार 2023 वर्ष का 244 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 23.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 14.56 बजे को समाप्त। **योग** धृति 13.09 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.32 बजे तदनन्तर गर 23.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 27'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871723
जूलियन दिन 2460188.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर
तारीख 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

शब्द पहेली - 7871

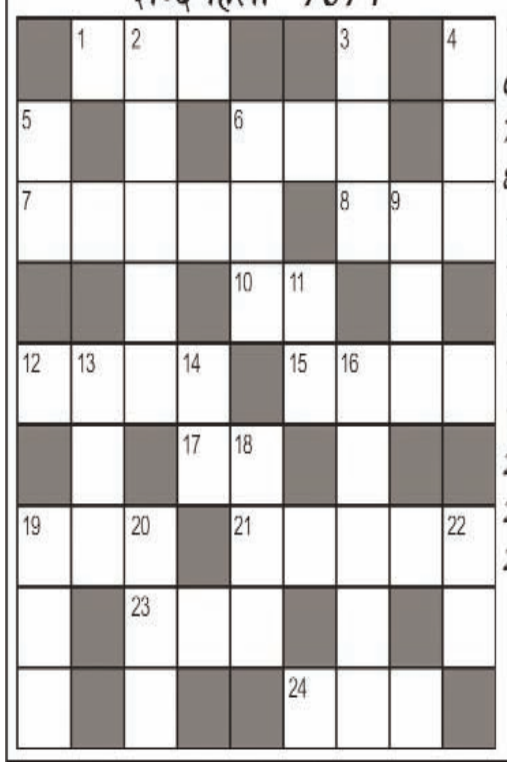

बाएँ से दाएँ
1. सिंह,शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा,थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना,तड़कना-4
17. शराब,मदिरा-2
19. बुद्धि,मति-3
21. सेवा,,चाकरी,देखभाल-5
23. कर्म,भाग्य-3
24. यज्ञ,होम-3

ऊपर से नीचे
2. आक्रमणकारी-5
3. समा,माहौल-3
4. आर्द्रता,नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर,फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति,60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा,खुमार-2
13. नरम,मुलायम-3
14. एक जैसा,समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ,बेसहारा-3
19. खालिस,शुद्ध-3
20. फालिज,पक्षाघात-3
22. क्रोध,खीज,गुस्सा-2

शब्द पहेली -7870 का हल

	बे	चा	रा		जी	व	न	
कि	ला		ई		न		भ	ला
ता		क	मा	र	त			य
ब	द	ला		थ		ह	ल	क
		का	ड़		म	नु		
म	छा	र		रा		मा	म	ला
ही			अ	न	ब	न		न
ना	ग		द		हा		भा	त
	म	ल	ना		व	च	न	

आज का राशिफल

मेष राशि : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

वृष राशि : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशि : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा।

कर्क राशि : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

सिंह राशि : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

कन्या राशि : आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा।

तुला राशि : अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा।

वृश्चिक राशि : पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

मकर राशि : खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

कुंभ राशि : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

मीन राशि : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

चांद पर तिरंगा लहराने के साथ देश नित

नई ऊंचाइयों को छू रहा : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी। रायपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को अपने दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंची। पहले दिन मुर्मू ने प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के वार्षिक परियोजना सकारात्मक परिवर्तन वर्ष का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हमारा देश नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चाहे चांद पर तिरंगा लहराना हो या विश्व स्तर पर खेल-कूद के क्षेत्र में नए अध्याय लिखने हों, हमारे देशवासी अनेक कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। यह बदलते भारत की खूबसूरत तस्वीर है।

शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर रायपुर में समारोह का आयोजन किया गया। मंच पर राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन एवं सीएम भूपेश बघेल मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति का स्वागत शाल और प्रतीक चिन्ह से किया गया। राज्यपाल और मुख्यमंत्री का भी ब्रह्मकुमारी सेवा सरोवर की ओर

से स्वागत हुआ। राष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलित कर सकारात्मक परिवर्तन वर्ष 2023 का शुभारंभ किया।

इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी मानवता के कल्याण के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। मनुष्य की सोच और व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए शुरू किए गए ऐसे कार्यक्रमों के लिए मैं ब्रह्माकुमारी परिवार की सराहना करती हूं। पिछले महीने 27 जुलाई को मैंने ओडिशा में भी "The Year of Positive Change" theme से जुड़े कार्यक्रम में भाग लिया था। आज छत्तीसगढ़ में भी इस प्रयास का आरम्भ करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

आज मैं बहुत प्रसन्न हूं कि मुझे छत्तीसगढ़ की धरती पर आकर आप सबसे मिलने का अवसर मिला। राष्ट्रपति के रूप में छत्तीसगढ़ आकर अपने देशवासियों से मिलने की मेरी इच्छा आज पूरी हुई है। एक कहावत है-छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया और ऐसी कहावतों के माध्यम से सदियों से चले आ रहे सत्य को मात्र शब्दों में कह दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले ही नीट की तैयारी करने वाले दो विद्यार्थियों ने अपने जीवन, अपने सपनों और अपने भविष्य का अंत कर दिया। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पढ़ाई कर रहे कई बच्चों ने पिछले दिनों आत्महत्या की है। प्रतिस्पर्धा एक सकारात्मक भाव है, जिससे जीवन संवरता है। हार-जीत तो जीवन का हिस्सा है। मुझे बहुत दुख होता है, जब कुछ बच्चों में कई कारणों से नकारात्मक भाव उत्पन्न हो जाते हैं।

इस बात के अनेक उदाहरण हैं कि क्षणिक असफलता में भविष्य की सफलता निहित होती है। मेरी इस भावी पीढ़ी के परिवार के लोगों, दोस्तों, अध्यापकों और समाज से अपील है कि वे इन बच्चों की मानसिकता को समझकर इनकी सहायता करें। मैं सभी से कहना चाहूंगी कि अगर बच्चों पर पढाई का, प्रतियोगिता का दबाव है, तो सकारात्मक सोच के जरिये उसे दूर करके उनको आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करें। जितना जरूरी उनका करियर है, उतना ही जरूरी है कि वे जीवन की चुनौतियों का डट कर सामना करें। उन्होंने आगे कहा कि हर एक व्यक्ति को ईश्वर ने अलग बनाया है और सब में अनोखी प्रतिभाएं होती हैं। दूसरों से प्रेरणा लेना अच्छी बात है, लेकिन अपनी रुचियों, अपनी क्षमताओं को समझकर अपने लिए सही दिशा का चुनाव करना चाहिए। इसके लिए स्वयं से संवाद करना आवश्यक है। हमारे ब्रहमाकुमारी परिवार के सदस्य इस दिशा में कई वर्षों से कार्यरत हैं। मनुष्य के अंतर्मन को जागृत करके उसकी क्षमताओं को बढ़ाया जा सकता है। सकारात्मक सोच और कार्यों से केवल अपनी ही नहीं बल्कि आस-पास के सब लोगों का जीवन भी बेहतर बनाया जा सकता है।

NEWS इन ब्रीफ

राष्ट्रपति भवन 1 से 10 सितंबर तक आम जनता के लिए बंद रहेगा

नई दिल्ली। आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन से संबंधित तैयारी के चलते आम जनता के लिए राष्ट्रपति भवन का दौरा 1 से 10 सितंबर तक बंद रहेगा। राष्ट्रपति भवन ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन की 18वीं बैठक 9 और 10 सितंबर को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में होने वाली है। ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20) अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। जी-20 सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई प्रतिनिधित्व करते हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान 16 अगस्त से 17 सितंबर के लिए आम जनता के लिए खोला गया है।

सीमा पर जांच चौकियां स्थापित करे मिजोरम सरकार : चुनाव आयोग

आइजल। केन्द्रीय चुनाव आयोग ने मिजोरम सरकार से मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर और जांच चौकियां स्थापित करने को कहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग के एक दल ने मिजोरम में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार से मादक पदार्थों और शराब की तस्करी रोकने और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अतिरिक्त जांच चौकियां स्थापित करने को कहा है।

25 साल से अधिक समय से फरार 8 आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। सीआईडी इनपुट की सहायता से महीनों तक चुपचाप काम करने वाले जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के जासूसों ने 27-31 वर्षों के बाद टाडा मामलों में फरार आठ आतंकवादियों को पकड़ लिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। लिस ने कहा, जम्मू-कश्मीर की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आज आठ फरार आतंकवादियों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है जो आतंकवाद और विघटनकारी गतिविधियों के गंभीर अपराधों में शामिल थे। ये लगभग तीन दशक पहले डोडा, जम्मू और कश्मीर जिलों के विभिन्न थानों में दर्ज टाडा मामलों में शामिल थे। उनके खिलाफ जम्मू के टाडा कोर्ट में आरोप पत्र दायर किये गये थे।

यूक्रेन संघर्ष पर भारत शांति के पक्ष में खड़ा है : जयशंकर

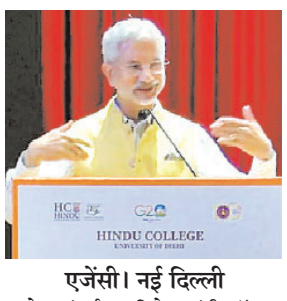

एजेंसी। नई दिल्ली

यूक्रेन संघर्ष पर विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत इस वैश्विक घटनाक्रम में तटस्थ नहीं बल्कि शांति के पक्ष में है। इस संघर्ष से दुनिया में तेल और अनाज की कीमतें बढ़ी हैं। दुनिया का कोई देश संघर्ष का समर्थन नहीं कर रहा है। इसका मतलब है कि भारत उन देशों के साथ शांति के पक्ष में खड़ा है। जयशंकर दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वैश्विक संदर्भ में विदेश मंत्री ने कहा कि 2023 को सभी लोग एक ऐसे वर्ष के तौर पर याद करेंगे, जब भारत ने अपनी जी20 की अध्यक्षता में दुनिया के मानचित्र पर एक अलग स्थान पाया है। हम सोलर अलायंस से ऊर्जा को लेकर दुनिया की सोच बदल रहे हैं। इंटरनेशनल ईयर आफ मिलेट्स के माध्यम से खानपान की आदतों को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। गठबंधन के माध्यम से आपदाओं के लिए सामूहिक प्रतिक्रिया तैयार कर रहे हैं। वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाने वाले देश के रूप में आज भारत को देखा जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की संभावना पर विदेश मंत्री ने कहा कि यह होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का गठन उस समय हुआ था, जब इसके केवल 50 सदस्य थे। आज इसके करीब 200 सदस्य हैं। ऐसे में उस दौर में जो देश दुनिया चला रहे थे, अब उनकी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद के ढांचे में अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से एक भी स्थाई सदस्य नहीं है। उस समय जो सत्ता पर बैठ गए, वो लोग अब उठने को तैयार नहीं है। हालांकि यह उनके भी हित में नहीं है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि हाल ही में ब्रिक्स ने भी उन में बदलाव का समर्थन किया है।

10 बिल के लिए बुलाया गया संसद का विशेष सत्र

नये बन संसद भवन में 18-22 सितंबर तक चलेगा

कृष्णमोहन सिंह। नई दिल्ली

कौन सी ऐसी जरूरत पड़ गई कि 10 नये बिल लाकर पास कराने के लिए संसद का पांच दिनी विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर तक के लिए बुलाया गया है। और इसकी जानकारी संसदीय कार्य मंत्री के कार्यालय से भारतीय समाचार एजेंसियों व मीडिया से पहले संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा सोशल मीडिया वेबसाइट पर पोस्ट से ज्यादातर लोगों को हुई । केन्द्र सरकार के अनुसार संसद का एक विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर के बीच बुलाया गया है। इस 5 दिनी विशेष सत्र के दौरान 10 बिल पेश किए जाएंगे। संसद का विशेष सत्र नये बने संसद भवन में होगा। मालूम हो कि उसके पहले दक्षिण भारत से लाये गये दंड को बहुत ही पूजा पाठ के बाद नये बने संसद भवन में प्रतिष्ठापित किया गया था। सांसद व अतिथि लोग उसमें बैठे भी थे। फिलहाल 10 कौन -कौन से बिल हैं, क्या हैं, यह सरकार ने नहीं बताया है।

क्या सत्र बुलाने का कोई बड़ा मकसद है?

संसद के इस विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है । हालांकि यह सत्र 9 और 10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में हो रहे जी-20 शिखर बैठक के 7 दिनों बाद आयोजित होने जा रहा है। इस बैठक को लेकर एनडीए से लगायत इंडिया तक के नेताओं के बीच तरह-तरह के कयास लगाये जाने लगे हैं। कुछ का कहना है कि जम्मू - कश्मीर में चुनाव कराने के संबंध में कुछ हो सकता है। लेकिन कुछ इससे आगे बढ़कर कहने लगे हैं कि एक्सटेंशन पर चल रहे ईडी प्रमुख को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हर हालत में 15 सितंबर को ईडी निदेशक पद छोड़ना होगा। जबकि उनको केन्द्र सरकार आगामी लोकसभा चुनाव तक छोड़ना नहीं चाहती है। एक खबर आई थी कि सरकार उनके लिए ईडी व सीबीआई निदेशक के भी ऊपर, दोनों को दिशा निर्देश देने वाला एक नया पद बना, उस पर सितंबर के अंत तक बैठाना चाहती है। सो हो सकता है उससे संबंधित कुछ हो। मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम, व तेलंगाना में इस वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव हैं। इनमें से मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ को भाजपा हर हालत में जीतना चाहती है। जबकि इस बार कांग्रेस एग्रेसिव हो गई है और माहौल बदलता जा रहा है। ऐसे में हो सकता है कि केन्द्र सरकार इन सभी राज्यों के साथ ही लोकसभा चुनाव कराने की घोषणा करा दे। यह भी हो सकता है कि कॉमन सिविल कोड वाला बिल लाकर पास करा दिया जाये।

विशेष सत्र में इंडिया करेगा अडानी घोटाले पर जेपीसी गठन की मांग

आरएनएम। नई दिल्ली

मोदी सरकार द्वारा अचानक बुलाये गये 18 से 22 सितंबर तक के संसद के विशेष सत्र में भले ही सरकार का एजेंडा दस बिल पास कराने का है, लेकिन विपक्षी गठबंधन इंडिया इस विशेष सत्र में अडानी घोटाले की जाँच के लिए जेपीसी गठन की मांग करेगा। विपक्ष के एक वरिष्ठ सांसद का कहना है कि इस मामले पर विपक्षी गठबंधन एकजुट हो गया है। उधर विपक्षी गठबंधन की प्रमुख पार्टी कांग्रेस के नेता व सांसद राहुल गांधी ने आज मुंबई में चल रही दो दिवसीय इंडिया की बैठक के पहले संवाददाता सम्मेलन में मोदी सरकार पर अडानी को बचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश में जी 20 का माहौल है, और यह दुनिया में भारत की स्थिति के बारे में है। भारत जैसे देश के लिए जो बात बहुत महत्वपूर्ण है, वह यह है कि हमारे आर्थिक माहौल और यहां ऑपरेट होने वाले व्यापारों में समान अवसर और पारदर्शिता है या नहीं। आज सुबह, दो ग्लोबल फाइनेंसियल न्यूज पेपर्स ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं। ये कोई रैंडम न्यूज पेपर नहीं हैं। ये न्यूज पेपर भारत में निवेश और बाकी दुनिया में भारत की धारणा को प्रभावित करते हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरे लिए आश्चर्य की बात यह है कि जिस सज्जन ने जांच की है, वह आज अडानी की कंपनी में डायरेक्टर है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि कोई जांच नहीं हुई और जांच न होने की एकमात्र वजह यह है कि पीएम नहीं चाहते कि कोई जांच हो। अडानी किसी जांच को नहीं रोक सकते, पीएम कर सकते हैं यह एक ऐसा मुद्दा है जो भारत की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है, खासकर इसलिए क्योंकि अब जी-20 हो रहा है और भारत और पीएम की प्रतिष्ठा दांव पर है। मोदी सरकार पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम स्पष्ट रूप से बताएं कि क्या चल रहा है। कम से कम जेपीसी की इजाजत दी जानी चाहिए और गहन जांच होनी चाहिए। यह समझ नहीं आ रहा कि पीएम जांच क्यों नहीं करवा रहे हैं? वे चुप क्यों हैं और जो लोग जिम्मेदार हैं, क्या उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया गया है?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पहला सवाल यह उठता है कि- ये किसका पैसा है? ये अडानी का पैसा है या किसी और का है? इसके पीछे के मास्टरमाइंड विनोद अडानी नामक एक सज्जन हैं जो गौतम अडानी के भाई हैं। पैसे की इस हेरा-फेरी में दो अन्य लोग भी शामिल हैं। एक सज्जन हैं जिनका नाम नासिर अली शाबान अली है और दूसरे एक चीनी सज्जन हैं जिनका नाम चांग चुंग लिंग है।उन्होंने आगे कहा कि दूसरा सवाल उठता है कि- इन दो विदेशी नागरिकों को उन कंपनियों में से एक के मूल्यांकन के साथ खेलने की अनुमति क्यों दी जा रही है जो लगभग सभी भारतीय बुनियादी ढांचे को नियंत्रित करती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जांच हुई, सेबी को सबूत दिए गए और सेबी ने गौतम अडानी को क्लीन चिट दे दी।

जिनकी शादी में लाखों-करोड़ों खर्च होते हैं उनमें तलाक ज्यादा

आरपी सिंह

नई दिल्ली। अर्थशास्त्र के अमेरिकी प्रोफेसर, एंड्रयू फ्रांसिस-टैन व ह्यूगो एम मियालोन ने 3 हजार से ज्यादा शादीशुदा जोड़ों पर शोध किया। इस शोध के परिणाम से पता चलता है कि व्यक्ति को अपनी शादी के लिए बहुत ही कम खर्च करना चाहिए। ऐसा न करने वाले कपल आमतौर पर अपने रिश्ते में कम खुश देखे जाते हैं।

महंगी शादी के दुष्परिणाम

अध्ययन में पाया गया है कि जिस शादी में 1,83,011 रुपए से कम खर्च किया गया, उन शादियों के लंबे समय तक चलने की संभावना बहुत ज्यादा थी। जबकि 6,60,230 रुपए या इससे ज्यादा खर्च करने वाले जोड़े के बीच तलाक होने की संभावना बहुत ज्यादा थी। ऐसे में जोड़े को शादी के बजाय एक साथ अध्ययन प्रवास, परिवार के साथ प्रवास करते हुए कुछ माह आराम से छुट्टियां मनाते हुए पसंदीदा जगह जाना, पसंदीदा विषय पढ़ना, खेलना चाहिए। यह करने पर विवाहित जोड़े शादी से जुड़ी व परिवारिक जिम्मेदारियों से रू-ब-रू होते हैं। हवा -हवाई ख़्वाब में फिल्मी अंदाज वाले जीवन के बारे में सोचने के बजाय जमीनी स्तर के अनुभव से अनुभवी बन जाते हैं। इससे एक-दूसरे के प्रति लगाव व घर परिवार प्रति जिम्मेदारी का अहसास हो जाता है।

FILMY हलचल

बिना लाइसेंस बंदूक रखने वालों को बिग बी ने कहा, 'आप कानून तोड़ रहे हैं'

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बिना लाइसेंस के बंदूक रखने वालों को

हिदायत देते हुए लाइसेंस लेने की जरूरत पर जोर दिया। क्विज आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 के होस्ट बिग बी ने यूपी के अयोध्या से रोलओवर प्रतियोगी वरुण केसरवानी का हॉट सीट पर स्वागत किया। प्रतियोगी से बात करते हुए 'पा' फेम अभिनेता ने पूछा, क्या आपके माता-पिता आपके साथ या अयोध्या में रहते हैं? वरुण ने उत्तर दिया की सर, मेरे माता-पिता अयोध्या में रहते हैं। वहां मेरा पुश्तैनी घर है और हमारा संयुक्त परिवार है। हमारा हथियार और गोला-बारूद का कारोबार है। पिछले 80 वर्षों से यह हमारा पारिवारिक व्यवसाय रहा है। वरुण ने शेयर किया कि सभी पिताओं की तरह, मेरे पिता भी दूरदर्शी थे। उन्हें एहसास हुआ कि मुझे व्यवसाय में शामिल नहीं करना चाहिए। इसलिए उन्होंने मुझे आगे की शिक्षा के लिए शहर से बाहर भेजने का फैसला किया। आज की तारीख में भारत में हथियार लाइसेंस हासिल करना कठिन है।

व्यक्तिगत अनुभवों का मिश्रण है ट्रैक 'लाडो' : एमसी स्क्वायर

'एमटीवी हसल 2.0' के विजेता रैपर एमसी स्क्वायर ने अपने नए सिंगल ट्रैक 'लाडो' को अपने व्यक्तिगत अनुभवों और हरियाणा की संस्कृति का मिश्रण बताया है। अभिषेक बैसला उर्फ एमसी स्क्वायर ने बताया, "लाडो मेरे व्यक्तिगत अनुभवों और हरियाणा की संस्कृति के सार का मिश्रण है। मेरे लिए हिप-हॉप को हरियाणवी के साथ जोड़ना एक कदम है। दुनिया को संगीत के माध्यम से सांस्कृतिक स्वाद का अनुभव मिलता है। मैं 'लाडो' को दुनिया के साथ साझा करने के लिए रोमांचित हूं। मुझे उम्मीद है कि यह श्रोताओं के लिए भी उतना ही खास बन जाएगा, जितना मेरे लिए है। यह रोमांचक ट्रैक एक युवा प्रेमी की कहानी को दर्शाता है।

फिल्म 'स्त्री' में मेरा किरदार कल्पना से परे : अभिषेक बनर्जी

अभिनेता अभिषेक बनर्जी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की 5वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने राजकुमार राव के दोस्त जना का किरदार निभाया था। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उनका 'स्त्री' फिल्म का किरदार उनकी कल्पना से भी परे है।

फिल्म 'स्त्री' के 5 साल पूरे होने के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि जना को जीवंत हुए पांच साल बीत चुके हैं। इस किरदार ने जो यात्रा की है, वह मेरी कल्पना से भी परे है। 'स्त्री' से शुरूआत करने और इस

किरदार के ब्रह्मांड का विस्तार करने के बाद जना की यात्रा उल्लेखनीय रही है।

उन्होंने आगे कहा कि जबकि मैंने अपनी फिल्मी यात्रा गहरे किरदारों के साथ शुरू की, जना के किरदार ने मुझे अपने हास्य पहलुओं को अपनाने का मौका दिया। मैंने जना का किरदार निभाने हुए आनंद लिया है। मैं इसके साथ अच्छी तरह से जुड़ा हूं। जना का किरदार निभाने के लिए दर्शकों ने मुझ पर जो प्यार बरसाया है, उससे मैं बहुत खुश हूं और उतना ही उत्साहित हूं कि जना जल्द ही 'स्त्री 2' के साथ वापस आने वाला है।"

इस बीच अभिनेता को हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ क्राइम-थ्रिलर सीरीज 'आखिरी सच' में देखा गया था।

उपलब्धि भारत में ही जीई-414 विमान इंजन बनने का रास्ता साफ, अमेरिकी कांग्रेस ने मंजूरी दी

पीएम के अमेरिकी दौरे पर हुआ था समझौता

स्वदेशी तेजस एमके-2 और पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए फाइटर जेट में लगाए जाएंगे इंजन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले अमेरिकी दौरे के समय हुए जीई-414 विमान इंजन सौदे को अमेरिकी कांग्रेस ने मंजूरी दे दी है। अब प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से भारत में ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जीई-414 इंजन का निर्माण कर सकेगा। भारत ने तेजस एमके-2 फाइटर जेट के लिए अमेरिका के साथ 99 जीई-414 का सौदा किया है। प्रोटोटाइप बनाने के लिए 8 एफ-414 इंजन पहले

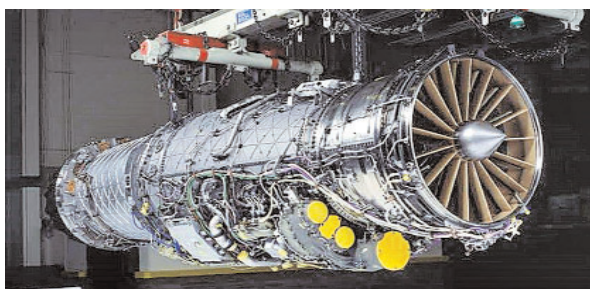

से ही एचएएल के पास हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति ने पिछले साल 31 अगस्त को इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को मंजूरी दी थी। इसके बाद इस साल के अंत तक स्वदेशी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान तेजस मार्क-2 का प्रोटोटाइप आने की संभावना जताई गई थी, लेकिन इसके लिए इंजन फाइनल न होने से प्रोटोटाइप का विकास अधर में लटका था। प्रधानमंत्री मोदी के हालिया अमेरिकी दौरे में जीई-414 विमान इंजन भारत में ही विकसित किये जाने का समझौता होने बाद अब अमेरिकी कांग्रेस की भी मंजूरी मिलने से एलसीए तेजस मार्क-2 के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इसी माह भारत सरकार ने लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-2 के 6 प्रोटोटाइप विमानों के निर्माण को मंजूरी दी थी। डीआरडीओ ने एलसीए तेजस मार्क-2 और पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) दोनों को एक ही इंजन से चलाने का फैसला किया है। वायुसेना ने भी तमाम तरह के परीक्षण करने के बाद लड़ाकू एएमसीए की डिजाइन को हरी झंडी दे दी है। विमान के कई हिस्से पहले ही बनाए जा चुके हैं। शुरू में कुल चार प्रोटोटाइप बनाकर इसकी पहली उड़ान 2026 में तय की गई है। यानी तब पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान भारतीय आसमान में उतरकर दुश्मनों के बीच नई हलचल पैदा करेगा। एएमसीए के डिजाइन और प्रोटोटाइप विकास के लिए सीसीएस की मंजूरी मिलने के बाद एएमसीए के प्रोटोटाइप का निर्माण होने की प्रक्रिया भी तेज होगी। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि तेजस मार्क-2 के प्रोटोटाइप विकास में लगभग 5-6 साल लगने का अनुमान है। एचएएल 15 साल या उससे अधिक की अवधि में 230 एलसीए मार्क-2 विमानों का निर्माण करेगा। इस व्यापक परियोजना पर हजारों करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। एलसीए मार्क-2 कार्यक्रम से भारत की स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमताओं को बढ़ावा मिलने के साथ ही वायुसेना का हवाई बेड़ा भी मजबूत होगा। भारतीय वायुसेना शुरूआत में 108 विमानों का ऑर्डर दे सकती है।

नागरमल मोदी सेवासदन के 66वां स्थापना दिवस समारोह के मौके पर 'सेवासदन संवाद' स्मारिका का हुआ लोकार्पण

लोगों की सेवा में सेवासदन की भूमिका महत्वपूण रही है : महेश पोद्दार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची। नागरमल मोदी सेवासदन के 66वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसका का उद्घाटन ओम एवं वैदिक मंत्रोचार से किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेश पोद्दार, चिन्मय आश्रम के आचार्य स्वामी परिपूर्णानन्द, अध्यक्ष अरूण कुमार छावछरिया एवं मानद सचिव आशीष मोदी आदि मौजूद थे। मुख्य अतिथियों ने समारोह का आयोजन दीप प्रज्ज्वलित कर शुरू किया। सदन की नर्सों एवं कर्मचारियों ने गणेश वंदना एवं स्वागत गान से अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि मुनाफे के बजाय सेवाभावी अस्पताल के रूप में सेवासदन की सराहनीय भूमिका है। आजकल सरकारी और कारपोरेट अस्पताल

बढ़ रहे हैं, लेकिन ऐसे सेवाभावी अस्पताल कम खुलना चिंताजनक है। देश में सेवासदन जैसे अस्पतालों की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सेवासदन वंचितों के द्वारा वंचितों के लिए चलाया जा रहा है। हमलोगों में अधिकांश लोगों की जिंदगी में सेवासदन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। श्री छावछरिया ने सेवासदन के संस्थापक पुरोधाओं का नमन करते हुए कहा कि सेवासदन एक गैरलाभकारी अस्पताल है। समाज के सहयोग से इसने अपनी 66 वर्ष की यात्रा पूरी की है। अब 200 बेड का यह अस्पताल कम खर्च, समुचित इलाज और सही व्यवहार की भावना के साथ चिकित्सा सेवा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि महेश पोद्दार ने पहले भी सांसद फंड सेवासदन में वाटर सेवेरेज प्लांट एवं कई अन्य महत्वपूर्ण कार्य करवाए हैं। मानद सचिव आशीष मोदी ने सेवासदन की विकास यात्रा, लक्ष्य एवं उद्देश्य के साथ सेवासदन की व्यवस्था की

सेवाभावी अस्पताल कम खुलना चिंताजनक, देश में इस तरह के अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, ताकि लोगों को समस पर सेवा मिल सके

जानकारी स्लाइड शो द्वारा दी। उन्होंने बताया कि कैथ लैब, कार्डियक सर्जरी इत्यादि सुविधा भी जल्द लागू होंगी। पवन कनोई के नेतृत्व में कैथ लैब के निर्माण का कार्य जारी है। इस मौके पर 12 पृष्ठों की 'सेवासदन संवाद' स्मारिका का लोकार्पण किया गया। इसमें सेवासदन की सुविधाओं तथा चिकित्सकों की विस्तृत जानकारी दी गई है। संपादक सेवासदन के उपसमिति चेयरमैन आलोक तुलस्यान ने कहा कि यह सकारात्मक सृजन का एक माध्यम है। इसके प्रकाशन में कमल केडिया, वेदप्रकाश बागला एवं वरुण जालान ने सहयोग किया। समारोह में सेवासदन के पूर्व अध्यक्ष जुगलकिशोर मारू, राजकुमार केडिया, राजेन्द्र कुमार सरावगी तथा पूर्व सचिव चंडी प्रसाद डालमिया को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सदन के कर्मचारियों को उनकी श्रेष्ठ सेवा के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिया गया। स्वामी परिपूर्णानन्द ने सेवा परमो धर्म का महत्व बताते हुए कहा कि नर सेवा ही मनुष्य काल में सबसे बड़ा सेवा है। सेवासदन का मूल मन्त्र कम खर्च - समुचित इलाज - सही व्यवहार है। यही सबसे बड़ा धर्म है। जीवन व्रती दिशा पर बताते हुए उन्होंने कहा कि हम जैसा करेंगे, वैसा ही भरेंगे। नागरमल सेवासदन ने आज गुरूवार को अपना 66 वां स्थापना दिवस मना। इस मौके पर पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने सांसद निधि के माध्यम से फोर्स एम्बुलेंस प्रदान किया। सेवासदन ने इसके लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में अन्य सभी दानदाताओं को भी सम्मानित किया गया। सभा में पवन शर्मा, अरुण खेमका, भागचंद पोद्दार, आलोक तुलस्यान, आरके गाड़ोदिया, डॉ रमण, डॉ कृष्णा, किशोरी चौधरी, अजय जैन, डॉ विजय दास, बसंत मित्तल, रविशंकर शर्मा, रंजीत टिबड़ेवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। सेवासदन के अध्यक्ष अरुण कुमार छावछारिया ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। मंच संचालन रेखा जैन एवं वेदप्रकाश बागला ने किया। धन्यवाद ज्ञापन पवन शर्मा ने किया।

विहिप की विभाग स्तरीय बैठक एक सितंबर को जमशेदपुर में

रांची। विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत की विभाग स्तरीय बैठक एक सितंबर को जमशेदपुर से प्रारंभ होगी। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सहमंत्री और अखिल भारतीय प्रचार प्रसार सहप्रमुख सचिंद्रनाथ सिन्हा रहेंगे। प्रांत मंत्री डॉ० बिरेन्द्र साहु ने गुरुवार को बताया कि एक सितंबर को सिंहभूम विभाग की बैठक जमशेदपुर में, दो को पलामू विभाग की बैठक गढ़वा में , तीन सितंबर को रांची विभाग की बैठक रांची में , चार सितंबर को गुमला विभाग की बैठक गुमला में, पांच सितंबर को हजारीबाग विभाग की बैठक हजारीबाग में, छह सितंबर को देवघर एवं साहिबगंज विभाग की बैठक देवघर में तथा सात सितंबर को धनबाद विभाग की बैठक धनबाद में होगी। साहु ने कहा विहिप का 60 वां स्थापना दिवस सात सितंबर से 21 सितंबर तक झारखंड प्रांत के प्रत्येक समिति में मनाया जाएगा। बैठक में संगठन विस्तार, विहिप का स्थापना दिवस, बजरंग दल शौर्य जागरण यात्रा एवं षष्ठीपूर्ति की आगामी योजना बनाई जाएगी।

एनडीए गठबंधन राज्य के विकास को रोकना चाहती है : राजेश ठाकुर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

डुमरी विधानसभा के चन्द्रपुरा व नवाडीह प्रखण्ड में महागठबंधन की प्रत्याशी बेबी देवी के पक्ष में झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने चुनावी सभा की। चुनावी सभा को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा और आजसू झुठ और भय के जोर पर चुनाव लड़ रही है। इनकी प्राथमिकता विकास नहीं बल्की विनाश का है। उन्होंने कहा कि हमें भरोसा विश्वास है कि डुमरी की जनता अपने लोकप्रिय दिवगंत नेता जग्रनाथ महतो को सच्ची श्रद्धांजलि देगी और बेबी देवी को भारी मतो से विजय दिलाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि डुमरी में अपने 18 वर्षों के

कार्यकाल में जो विकास स्व जग्रनाथ दा ने किया वो एक मिशाल है। जगन्नाथ दा गरीबो, वंचितों की आवाज हमेशा रहे और वही आवाज बेबी देवी बनेंगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार राज्य में विकास की बुनियाद पर राजनीति कर रही है। हम झारखण्डी विचारों, विषयों, और जन भावना के साथ चलने का काम करते हैं। जबकि आजसू भाजपा महागठबंधन सिर्फ झूठ षड्यंत्र साजिश और जनता को गुमराह करने की राजनीति करती है। हम समाज में प्यार बांटते हैं। हमारे नेता राहुल गांधी ने भी मोहब्बत के लिए कन्यकुमारी से कश्मीर तक पैदल भारत जोड़ो यात्रा की। उन्होंने कहा कि भाजपा और आजसू भुख और भष्ट्राचार को बढ़ावा देनेवाली पार्टी है। डुमरी की जनता महंगाई, भय, झूठा, के खिलाफ वोट करेंगी और महागठबंधन की प्रत्याशी को भारी मतों से जीताने का काम करेंगी। कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आजसू भाजपा महागठबंधन राज्य को विकास से रोकना चाहती है। सरकार को डरना चाहती है। लेकिन उन्हें पता नहीं की जनता का प्यार और आशीर्वाद हमारे साथ है। जगरनाथ महतो के अधूरे सपने को बेबी देवी पुरा करने का काम करेंगी। सभा को कृषि विपनण के अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश महासचिव अमुल्य नीरज खलखो आदि ने संबोधित किया।

सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मी को दी गई विदाई

रांची। पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय सभागार में गुरुवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस विदाई सह सम्मान समारोह की अध्यक्षता पिपरवार स्टाफ ऑफिसर्स एक्सवेशन जेएसपी शर्मा एवं संचालन पिपरवार कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी आलोक मनीष सोए ने किया। कार्यक्रम में पिपरवार परियोजना से सेवानिवृत होने वाले कोयला कामगार राणा प्रताप सिंह पदनाम ड्रील ऑपरेटर की सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम में उपस्थित सीसीएल अधिकारियों एवं यूनियन प्रतिनिधियों द्वारा श्रीफल, अंगवस्त्र एवं अनेकों उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पिपरवार स्टाफ ऑफिसर जेएसपी शर्मा ने कहा कि कोयला कामगारों के साथ एक साथ किए गए क्षण और कार्यों में सहभागिता मैं बिताए गए क्षण विस्मृत नहीं होते हैं। लेकिन नौकरी के कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात सेवानिवृत्ति भी एक प्रक्रिया हैं, जिसमें इस प्रक्रिया से सभी को गुजरना पड़ता है।

बड़ी बहन अंजनी सोरेन ने मुख्यमंत्री को बांधा रक्षा सूत्र

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाई बहन के अटूट प्यार, स्नेह और विश्वास का पावन त्योहार रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर आज बड़ी बहन श्रीमती अंजनी सोरेन ने मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा तथा उनके दीघार्यु होने की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की चचेरी बहन आशा सोरेन, संचला सोरेन एवं रेखा सोरेन ने भी मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधा तथा उनके स्वस्थ एवं लम्बी उम्र की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपनी सभी बहनों को सहृदय आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। मौके पर मुख्यमंत्री के पिता राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन एवं माता रूपी सोरेन सहित अन्य परिजन उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बाबूलाल मरांडी ने डुमरी उप चुनाव में चलाया जनसंपर्क अभियान

सत्ता के संरक्षण में राज्य में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे बिचौलिए और दलाल : मरांडी

नवीन मेल संवाददाता। रांची/ गिरिडीह

डुमरी उप चुनाव में एनडीए गठबंधन प्रत्याशी यशोदा देवी के चुनाव प्रचार में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को डुमरी विधानसभा क्षेत्र के तेलो मंडल के तेलो पश्चिमी, भदाही पंचायत में आदिवासी टोला, सरैयाटांड़ सहित दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि आज राज्य में बिचौलिए और दलाल भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे और उन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महंगे वकील रखकर उन्हें बचाने में लगे हैं। पुलिस कानून व्यवस्था नहीं वसूली व्यवस्था संभाल रही है। मरांडी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए

भाजपा सरकार की उपलब्धियों और हेमंत सरकार की विफलताओं को उजागर किया। साथ ही एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी को भारी मतों से जिताने की अपील की। उन्होंने कहा झारखंड राज्य भाजपा और एनडीए की देन है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भगवान बिरसा की जयंती पर राज्य की स्थापना हुई। भाजपा की सरकारें जब-जब बनीं राज्य के विकास को गति दी गई। बुनियादी सुविधाएं विकसित हुईं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गांव गरीब किसान के लिए

भाजपा की सरकारें जब-जब बनीं राज्य के विकास को गति दी गई। बुनियादी सुविधाएं विकसित हुईं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गांव गरीब किसान के लिए संकल्पित है।

संकल्पित है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। जनसभा में झारखंड विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक विधायक बिरंची नारायण, गोमिआ से आजसू पार्टी के विधायक लंबोदर महतो, भाजपा के पूर्व सांसद रविंद्र पांडेय सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता मौदूद रहे।

बकरी चोरी करने के आरोप में तीन गिरफ्तार, गए जेल

रांची। एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने बकरी चोरी करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया है। जेल जाने वाले आरोपी का नाम डोरंडा के रिबू देव, शब्बीर आलम और अरगोड़ा पीपर टोली निवासी अरुणिश साइमन तिर्की है। पुलिस के अनुसार खुखमाटोली निवासी रामेश्वर भगत की बकरी तीनों आरोपियों ने बुधवार की शाम चोरी कर ली थी। इस संबंध में रामेश्वर ने एयरपोर्ट थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि बकरी चोरी कर उसे बेचते हैं। उस पैसे से ब्राउन शुगर खरीदकर उसका सेवन किया करते हैं। जिससे समाज में बुराईयों को बढ़ावा देने में इनलोगों की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

न्याय और निष्पक्षता से ही मानवाधिकारों की रक्षा संभव : मुफ्ती अजहर कासमी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड के राष्ट्रीय अध्यक्ष हजरत मौलाना मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने अपने प्रेस बयान में कहा कि न्याय और निष्पक्षता से ही मानवाधिकार की रक्षा संभव है। पवित्र कुरआन ने संदेश दिया है कि किसी राष्ट्र की दुश्मनी आपको लोगों के साथ न्याय न करने के लिए प्रेरित नहीं करती। हर परिस्थिति में न्याय करें। भले ही वो फैसला आपके खिलाफ ही क्यू न हो। इस्लाम धर्म में इसका उदाहरण मौजूद है। हजरत अली के खिलाफ काजी शरीह की अदालत में मुकदमा पेश किया गया। मुकदमा एक यहूदी ने किया। काजी शरीह के दरबार में हजरत अली ने अपने बेटे को गवाह के तौर पर पेश किया। न्यायाधीश(काजी) ने गवाही को

यह कहते हुए खारिज कर दिया कि शरियत में गवाह ऐसे व्यक्ति होने चाहिए जो वादी या प्रतिवादी से खून से संबंधित रिश्ता न हों। जबकि जराह(समान) असल में हजरत अली का था। काजी शरीह ने यहूदी के हक में फैसला सुनाया। इस्लाम के न्याय और निष्पक्षता के संदेश को देखकर यहूदी ने इस्लाम की प्रामाणिकता पर विश्वास हो गया और इस्लाम कुबूल कर लिया। और हजरत अली को जराह (सामान) भी लौटा दिया। आज विश्व में भ्रष्टाचार, कलह और अराजकता का माहौल है। इसका मुख्य उद्देश्य उत्पीड़ित एवं कमजोर वर्गों के न्याय एवं न्याय को दबाना है। वर्तमान स्थिति की आवश्यकता है कि देश और दुनिया के हर हिस्से में कानून और संविधान की रोशनी में न्याय और निष्पक्षता को बढ़ावा दिया जाए। ताकि मानवाधिकार बहाल हो और समाज के हर वर्ग के लोग खुशहाल जीवन जी सकें और नाम रोशन कर सकें। दुनिया में भारत का नाम रोशन हो।

ग्रामीणों के सहयोग से बनाई गई 125 बांस की पुलिया

तमाड़। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत इचाडीह सोतिया में ग्रामीणों के सहयोग से 125 फीट बांस की पुलिया बनकर तैयार हो गई। 31 जुलाई को तेज बारिश से इचाडीह सोतिया में बनी कल्वर्ट पुलिया बह गई थी। इससे दर्जनों गांवों का आवागमन बाधित हो गया। इससे पहले वर्ष 2021 और 2022 में भी पुलिया टूटी थी। लेकिन वर्ष 2023 में बांस की पुलिया पूरी तरह ध्वस्त हो गई। हर बार ग्रामीणों ने अपने सहयोग से बांस की पुलिया बनाकर आवागमन चालू कराया। बताया जाता है कि केन्द्रीय योजना से पुलिया बनाने की मंजूरी मिल गई है। संभवतः बारिश के बाद पुलिया का निर्माण शुरू हो जाएगा। वहीं पुलिया के सफल निर्माण के लिए सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह मुंडा ने ग्रामीणों को बधाई दी और कहा कि जल्द केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से उच्च स्तरीय पुलिया निर्माण के लिए आग्रह करेंगे। बांस की पुलिया बनाने में मेडियम मुंडा, सोमा मुंडा, सोहराई मुंडा, कामदेव मुंडा और महेश्वर सिंह मुंडा सहित काफी संख्या में ग्रामीण शामिल हैं।

निशाना झामुमो के प्रवक्ता ने आजसू पार्टी पर जमकर बरसे, कहा-

सुदेश महतो में आ गया है भाजपा का संस्कार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा और आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भाजपा के साथ रहने वाले सुदेश महतो में भाजपा के ही संस्कार आ गए हैं। यही कारण है कि वे न केवल एक महिला बेबी देवी, बल्कि दिवंगत जगरनाथ महतो का भी अपमान कर रहे हैं। भट्टाचार्य गुरुवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जगरनाथ महतो ओबीसी वर्ग, मूलवासी, ओबीसी आरक्षण, 1932 खतियान और झारखंडियों की शिक्षा को लेकर आजीवन संघर्ष करते रहे। जब जगरनाथ महतो का निधन हुआ था, तो सुदेश महतो ने उनकी चिता के

सामने खड़ा होकर कहा था कि वे जगरनाथ दा के परिवार के साथ खड़े हैं। यह वही सुदेश महतो हैं, जब बाबूलाल मरांडी के मुख्यमंत्रित्व काल में ओबीसी का आरक्षण 27 से घटाकर 14 फीसदी कर दिया गया था। सुप्रियो ने कहा कि यह वही सुदेश महतो हैं, जब रघुवर सरकार ने 1985 के खतियान आधारित स्थानीय नीति बनायी थी और उनके नेता चंद्रप्रकाश चौधरी ने संवाददाता सम्मेलन की थी। आज वही सुदेश महतो ने दिवंगत जगरनाथ महतो के परिवार के खिलाफ न केवल उम्मीदवार उतारा, बल्कि उनकी पत्नी और परिवार का अपमान कर रहे हैं। वे किस मुंह से डुमरी में प्रचार कर रहे हैं। डुमरी में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए आयातित नेताओं और लोगों को उतारा जा रहा है। इसका गवाह भी झामुमो के पास है। जरूरत पड़ने पर इसे सामने लाया जाएगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि डुमरी उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की पहली जीत होगी। इसी रास्ते एनडीए की हार भी होगी। इंडिया की बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता, साझा कार्यक्रम सहित कई चीजें तय होंगी। रही बात झामुमो की तो हेमंत सोरेन को जो जिम्मेवारी सौंपी जाएगी, उसे निभाया जाएगा। सीट शेयरिंग पर निर्णय स्टेट की परिस्थिति के अनुसार होगा।

चोरी की पांच बाइक के साथ तीन वाहन चोर गिरफ्तार

रांची। कोतवाली थाना पुलिस ने चोरी की दो स्कूटी और तीन बाइक के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में मो मोसीन आलम, मो नाजिश और मो अरमार शामिल है। कोतवाली थाना प्रभारी शैलेश कुमार ने गुरुवार को बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के अपर बाजार स्थित पर्ल स्कैचर अपार्टमेंट से स्कूटी चोरी की गयी थी। इस संबंध में संजय कुमार बंका ने थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। अनुंसधान के क्रम में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरी करने वाले आरोपितों की पहचान की गयी। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार किया गया।

झारखंड में बिजली संकट बढ़ा

राजधानी रांची समेत कई जिलों में 3 घंटे तक हो रही कटौती

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड में बिजली संकट गहरा गया है। बिजली की मांग व आपूर्ति में करीब 350 मेगावाट का अंतर हो गया है। इस कारण रांची सहित तमाम शहरों और ग्रामीण इलाकों में लोड शेडिंग हो रही है। शहरों में दो तो ग्रामीण इलाकों में तीन घंटे से अधिक की बिजली कटौती हो रही है। शाम के वक्त ज्यादा परेशानी हो रही है। जानकारी के अनुसार एनटीपीसी के हर्ली-पल्ली प्लांट में उत्पादन प्रभावित हो गया है। यहां से 130 मेगावाट बिजली झारखंड को मिलती थी। दूसरी ओर तेनुघाट की दूसरी यूनिट में भी ट्यूब लीकेज हो गया है। पहली यूनिट मरम्मत की प्रक्रिया में है। यहां से करीब 350 मेगावाट की आपूर्ति बंद है। सेंट्रल पूल से 1000 के बदले सिर्फ 700 मेगावाट बिजली मिल रही है। धूप खिलने के साथ

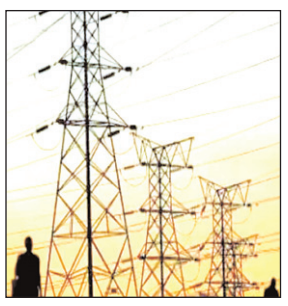

राज्य में बिजली की मांग एकाएक2000 मेगावाट पहुंच गई है। राज्य में शाम को आपूर्ति 1650 मेगावाट तक हो रही है। जेबीवीएनएल अधिकारियों का कहना है कि देश में बिजली की मांग 230 गीगावाट है, पर आपूर्ति 220 गीगावाट तक हो रही है। जेबीवीएनएल ने एनर्जी एक्सचेंज से 900 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की मांग की। खबर लिखे जाने तक केवल 80 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिल सकी थी।

NEWS इन ब्रीफ

कनाडा की डेनियेले मैकगाहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाली पहली ट्रांसजेंडर बनेंगी

लंदन। कनाडा की डेनियेले मैकगाहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाली पहली ट्रांसजेंडर क्रिकेटर बनेंगी जब वह बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के क्वालीफायर के लिये उतरेंगी। 29 वर्ष की मैकगाहे को अगले महीने होने वाले क्वालीफायर के लिये कनाडा की महिला टीम में चुना गया है। वह पुरूष से महिला ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के लिये आईसीसी की पात्रता के मानदंडों पर खरी उतरी है। क्वालीफाइंग टूर्नामेंट लॉस एंजिलिस में चार से 11 सितंबर तक खेला जायेगा।

एंटवर्प ने एईके एथेंस को हराकर यूएफा चैंपियंस लीग ग्रुप चरण में प्रवेश किया

एथेंस। बेल्जियम के चैंपियन एंटवर्प ने एथेंस में यूएफा चैंपियंस लीग प्लेऑफ के दूसरे चरण में ग्रीस के एईके एथेंस पर 2-1 से जीत हासिल की और पहली बार ग्रुप चरण में आगे बढ़े। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दर्शकों के शोर से गूंज रहे एरेना स्टेडियम में मैदान पर आने के सिर्फ सात मिनट बाद ग्यारानो केर्क ने 73वें मिनट में एंटवर्प के लिए पहला गोल किया। 90वें मिनट में सर्जियो अराउजो ग्रीक मेजबान टीम के लिए स्कोर बराबर करने में सफल रहे।

विक्रम राऊत प्रो कार्ड जीतने वाले ओडिशा के पहले बॉडीबिल्डर बने

ताकातपुर (ओडिशा)। चेन्नई में आईसीएन (आई कॉम्पीट नेचुरल) नेशनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में अपने सफल कार्यकाल के बाद विक्रम राउत प्रो कार्ड जीतने वाले ओडिशा के पहले बॉडीबिल्डर बन गए। मयूरभंज जिले के रहने वाले विक्रम ने 26 अगस्त को पुरुषों की बॉडीबिल्डिंग और पुरुषों की फिजिक में दो स्वर्ण पदक और नकद पुरस्कार के साथ एक प्रो कार्ड हासिल करने के लिए देश भर के 400 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ दिया। विक्रम ने कहा कि आई कॉम्पीट नेचुरल भारत में एकमात्र महासंघ है जो प्राकृतिक शरीर सौष्ठव को बढ़ावा देता है। वे ऑस्ट्रेलिया से आते हैं और चेन्नई में एक प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं। इसमें लगभग 400 प्रतियोगी थे और मैंने दो स्वर्ण पदक और एक प्रो कार्ड जीता। यह पहला प्रो है कार्ड जो ओडिशा में जीता गया है। प्रो कार्ड हासिल करने के बाद, विक्रम को अब एक पेशेवर बॉडीबिल्डर माना जाएगा और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए भी पात्र है। 28 वर्षीय खिलाड़ी का बचपन से ही स्वर्ण पदक जीतने का सपना था। अपने सपने के करीब जाने के लिए उन्होंने तकतपुर इलाके में लीजेंड नाम से जिम खोला और पिछले 5 से 6 साल तक कड़ी मेहनत की।

हॉकी इंडिया ने एशियाई खेलों में भाग लेने वाली पुरुष-महिला टीमों को किया सम्मानित

एजेंसी। बेंगलुरु

बेंगलुरु में गुरुवार को हॉकी इंडिया द्वारा हांग्जो एशियाई खेलों में भाग लेने वाली भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों के लिए एक विशेष विदाई समारोह रखा गया। यह अवसर, विशेष रूप से खिलाड़ियों के लिए, काफी खास था क्योंकि महासंघ ने इस अवसर का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से उनके माता-पिता और परिवार के सदस्यों को आमंत्रित किया था, जिसमें टीमों और उनके परिवार के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। कई लोगों के लिए, यह पहली बार था, जब उनके माता-पिता, पति/पत्नी, बच्चे और भाई-बहन इस समारोह का हिस्सा बने। इसके अलावा समारोह में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, खेल और युवा सेवा और गृह मंत्री तुषारकांति बेहरा ओडिशा सरकार, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, हॉकी इंडिया के कार्यकारी सदस्य, पूर्व खिलाड़ी और भारत के तकनीकी

अधिकारी और अंपायर जिन्हें हांगझू एशियाई खेलों में अंपायरिंग के लिए नामित किया गया है, ने भी हिस्सा लिया।

इस अवसर पर एबी सुब्बैया और साबू वर्की जैसे पूर्व खिलाड़ी और ओलंपियन भी उपस्थित थे। समारोह में दक्षिण कर्नाटक, राजस्थानी लोक और एक संलयन कलाकारों की टुकड़ी के साथ एक पारंपरिक नृत्य-नाटिका भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें टीम की तैयारियों को भी रेखांकित किया गया। इस अवसर पर हॉकी इंडिया ने आधिकारिक तौर पर पुरुष और महिला टीमों के सदस्यों की घोषणा की, उन्होंने पुरुष टीम के लिए हरमनप्रीत सिंह को कप्तान और हार्दिक सिंह को उप-कप्तान नियुक्त किया, जबकि सविता को महिला टीम का कप्तान और दीप ग्रेस एक्का को उप-कप्तान बनाया।

पुरुष टीम में पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, संजय, सुमित, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, अभिषेक, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह सुखजीत सिंह और ललित कुमार उपाध्याय शामिल हैं।

महिला टीम में सविता, बिच्छू देवी खारीबाम, दीपिका, लालरेम्सियामी, मोनिका, नवनीत कौर, नेहा, निशा, सोनिका, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का, वंदना कटारिया, संगीता कुमारी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, निक्की प्रधान, सुशीला चानू और सलीमा टेटे शामिल हैं।

इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि टीमें बड़ी सफलता के लिए सही रास्ते पर हैं। हाल ही में चेन्नई में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की जीत और महिला टीम ने अपने हालिया दौरों में कुछ महत्वपूर्ण मैच जीते। उद्घाटन एफआईएच नेशंस कप में टीम की जीत दृढ़ संकल्प और क्षमता का प्रमाण है। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि दोनों टीमें चीन में सफल होंगी और अपनी ओलंपिक बर्थ जीतेंगी।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी खिलाड़ियों को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, एक आत्मविश्वास से भरी भारतीय पुरुष और महिला टीम को अपने करियर की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में से एक के लिए तैयार होते देखना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। मैं सबसे पहले आप सभी भारतीयों को कड़ी मेहनत करने के लिए बधाई देता हूं। महीनों की कड़ी मेहनत के बाद, अब इस प्रयास को फल देने का समय आ गया है।

हॉकी इंडिया के इस कदम से प्रसन्न होकर, भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, यह वास्तव में एक अद्भुत कार्यक्रम था। इस उत्सव के हिस्से के रूप में मेरे परिवार का यहां आना और हमें इतना यादगार संदेश देना मेरे लिए बेहद खास था। इसने हमें देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया है।

बता दें कि इस अवसर पर हांग्जो एशियाई खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को जर्सी भेंट की गई, जबकि उनके परिवारों को अंगवस्त्र, गुलदस्ता और हॉकी इंडिया स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

भारतीय टीमें 19 सितंबर को चीन के लिए रवाना होंगी और उनके प्रस्थान तक टीमें एसएआई, बेंगलुरु में प्रशिक्षण जारी रखेंगी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट की भारत में वापसी

अगला संस्करण 18 नवंबर से

एजेंसी। नई दिल्ली

लीजेंड्स लीग क्रिकेट का अगला संस्करण 18 नवंबर से 9 दिसंबर 2023 तक भारत में खेला जाएगा। इस त्योहारी सीजन में भारत में क्रिकेट का बुखार चरम पर रहने वाला है। इस सप्ताह एशिया कप शुरू होने और उसके बाद भारत में आईसीसी विश्व कप के साथ, दुनिया भर और भारत में प्रशंसक एक रोमांचक क्रिकेट सीजन के लिए तैयार हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट का आगामी फ्रेंचाइजी सीजन निश्चित रूप से इस खेल के शीर्ष दिग्गजों के भारत आने से इसका स्वाद और बढ़ जाएगा। भारत में नए स्थानों पर लीजेंड्स लीग क्रिकेट की वापसी से काफी उत्साह पैदा होने की उम्मीद है। लीग क्रिकेट प्रशंसकों के हित को ध्यान में रखते हुए उन स्थानों का चयन करेगी जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला गया है, जिससे खेल को बढ़ावा मिलेगा।

लीग इस सीजन में अधिक खिलाड़ियों को जोड़ेगी, जिससे यह दर्शकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक हो जाएगा। दोहा में पिछले सीजन के दौरान, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके कुछ शीर्ष खिलाड़ियों - सुरेश रैना, आरोन फिंच, हाशिम अमला, रॉस टेलर, क्रिस गेल सहित काफी खिलाड़ी लीजेंड्स लीग क्रिकेट के साथ खेले और क्रिकेट के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले गए। इंडिया कैपिटल्स ने सितंबर 2022 में खेला गया पहला फ्रेंचाइजी सीजन जीता था। सूत्रों के मुताबिक, नए प्लेयर ड्राफ्ट पूल के साथ टीमों की रिटेंशन पॉलिसी की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के आयुक्त रवि शास्त्री ने कहा, इसे आगे बढ़ाएं, विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का हमेशा स्वागत है। खेल में और अधिक दिग्गजों के शामिल होने से मैदान पर और अधिक मजा आने की उम्मीद है। मेरे जैसा प्रशंसक यही तो चाहेगा। हम इस श्रेणी में प्रशंसकों और क्रिकेट जगत के लिए लीग को सर्वश्रेष्ठ अनुभवों में से एक बनाने की उम्मीद करते हैं। लीग सीजन दर सीजन महत्वपूर्ण विकास और सकारात्मक बदलावों का अनुभव कर रही है। भारत में अगले सीजन के साथ, इसकी लोकप्रियता और अपील में और योगदान मिलने की संभावना है।"

नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में, चीन के झांग झिझेन ने रचा इतिहास, सितसिपास हारे

एजेंसी। न्यूयॉर्क

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन 2023 के तीसरे दौर में पहुंचकर एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया।

सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी ने स्पैनिश टेनिस खिलाड़ी बनार्बे जपाटा मिरालेस को 6-4, 6-1, 6-1 से हराया। नोवाक का अब राउंड- 3 में हमवतन लास्लो जेरे से मुकाबला होगा। नोवाक ने लंबे समय के बाद यूएस ओपन टूर्नामेंट में खेलने पर खुशी व्यक्त की और कहा, मैं आप लोगों के सामने वापस आकर खुश हूं। यही बात मुझे 36 साल की उम्र में ताकत और प्रेरणा देती है। मुझमें अभी भी इस कोर्ट पर अपना सर्वश्रेष्ठ खेलने की भूख और इच्छा है।"

इस बीच 1973 में एटीपी रैंकिंग की शुरूआत के बाद से, चीन के झांग झिझेन शीर्ष पांच प्रतिद्वंद्वी को हराने वाले पहले पुरुष चीनी खिलाड़ी बन गए और इस प्रक्रिया में इतिहास रचा। 6-4, 5-7, 6-2, 0-6, 6-2 के स्कोर के साथ, दुनिया के 67वें नंबर के खिलाड़ी

ने कैस्पर रूड को हराया, जो पिछले साल यूएस ओपन में उपविजेता रहे थे।

रूड पर उनकी जीत चीनी पुरुष टेनिस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, क्योंकि झांग के शानदार प्रदर्शन ने उनकी दृढ़ता को दिखाया। समय के साथ, 26 वर्षीय झांग की उपलब्धियां बढ़ती गई। पिछले दिनों, उन्होंने 86 वर्षों में फ्रेंच ओपन में मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाले चीन के पहले व्यक्ति बनकर इतिहास रचा था।

वह मैड्रिड ओपन एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंचे। रूड पर झांग की हालिया जीत अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर चीनी पुरुष टेनिस को बेहतर बनाने की उनकी प्रतिबद्धता और संकल्प का प्रमाण है।

यूएस ओपन के दूसरे दौर में स्विस खिलाड़ी डोमिनिक स्ट्राइकर ने सातवीं वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सितसिपास को पांच सेट के कड़े संघर्ष के बाद हराया। स्ट्राइकर ने रोमांचक मैच में सितसिपास को 7-5, 6-7(2), 6-7(5), 7-6(6), 6-3 के स्कोर से हराया और शीर्ष 10 में किसी खिलाड़ी पर अपनी पहली जीत हासिल की।

इस बीच, अमेरिकी फ्रांसिस टियाफो, टॉमी पॉल, कोको गॉफ और टेलर फ्रिट्ज ने यूएस ओपन में अपनी चमक जारी रखी और अमेरिकी प्रतिभा की ताकत का प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में पहुंच गए। मौजूदा चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियाटेक को अपने दूसरे दौर के मैच में डारिया सैविले के खिलाफ कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा। 6-3, 6-4 से जीत के बावजूद स्वियाटेक की कड़ी परीक्षा हुई क्योंकि सैविले ने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

यूएस ओपन के युगल के पहले दौर में ऑस्ट्रेलियाई मैथ्यू एबडेन और भारतीय रोहन बोपन्ना ने क्रिस्टोफर ओ'कोनेल और अलेक्जेंडर वुकिक की ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इस जोड़ी ने वुकिव और ओ'कोनेल की तुलना में 60 मैच प्वाइंट अर्जित किए, जो केवल 32 अंक हासिल करने में सफल रहे।

हमारे पास कौशल-गेंदबाजी लाइनअप है : मोहम्मद शमी

एजेंसी। नई दिल्ली

टीम इंडिया एशिया कप 2023 से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी टीम के साथ वापस आ गई है। मेन-इन-ब्लू अपना पहला मैच शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने गुरुवार को बड़े टूर्नामेंटों की संभावनाओं को व्यक्त किया। बड़े खेलों के लिए, हमेशा तैयारी होती है क्योंकि हमने प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास किया है। मुझे नहीं लगता कि हमें स्थिति का बहुत अधिक विश्लेषण करना होगा, हमारे पास कौशल और गेंदबाजी लाइनअप है, इसलिए हमें बहुत अधिक सोचने की जरूरत नहीं है।" उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, लेकिन मुझे एक बात कहनी है कि जब भी वनडे मैच आते हैं तो फोकस होना

चाहिए। इसलिए फोकस होना चाहिए और उचित योजना बनानी चाहिए। शमी ने टीम की क्षमता और गेंदबाजी चयन में निरंतर विश्वास के साथ एक दिवसीय मैचों के दौरान फोकस बनाए रखने और अच्छी तरह से संरचित योजना का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। शमी इस बात पर भी विचार करते हैं कि जसप्रीत बुमराह जैसे महत्वपूर्ण व्यक्ति टीम की प्रभावशीलता को कैसे प्रभावित करते हैं, खासकर सफेद गेंद शैली में।

वायकॉम 18 ने 5 साल के लिए हासिल किए बीसीसीआई के मीडिया राइट्स

एजेंसी। मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले पांच साल (2023-2028) के लिए मीडिया अधिकारों की नीलामी ई-ऑक्शन के जरिए कर दी है। वायकॉम18 ग्रुप ने ये राइट्स अपने नाम किए हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। भारत में होने वाले घरेलू क्रिकेट मैचों के लिए टीवी और डिजिटल मीडिया के राइट्स बिक गए हैं। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, अगले 5 वर्षों के लिए टीवी और डिजिटल दोनों के लिए बीसीसीआई मीडिया अधिकार जीतने के लिए वॉयकाम18 को बधाई। भारतीय क्रिकेट दोनों ही क्षेत्रों में आगे बढ़ता रहेगा क्योंकि आईपीएल और डब्ल्यूपीएलटी20 के बाद हम बीसीसीआई मीडिया राइट्स के साथ साझेदारी भी बढ़ाएंगे।"

वॉयकाम18, जो अपने टीवी चैनल स्पोर्ट्स18 और डिजिटल प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा के माध्यम से प्रसारण जगत में एक नया नाम है, 2027 तक महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के टीवी और डिजिटल अधिकारों का भी धारक है। इसके पास क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका मैचों के भारत में 2024-31 तक प्रसारित होने वाले मैचों का भी अधिकार है। वॉयकाम18 ने डिज्नी स्टार से बीसीसीआई के द्विपक्षीय मीडिया अधिकार ले लिए हैं, जिसने 2018-23 चक्र के लिए 6138 करोड़ रुपये में टेलीविजन और डिजिटल अधिकार जीते थे। डिज्नी स्टार ने देश में भारतीय क्रिकेट के प्रसारण के 2012-18 चक्र के अधिकार 3851 करोड़ रुपये में जीते थे।

जय शाह ने अगले पोस्ट में लिखा इतने वर्षों तक साथ देने के लिए स्टार इंडिया और डिज्नी प्लस हॉटस्टार का बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने दुनियाभर में भारतीय क्रिकेट को उसके फैंस के बीच पहुंचाने में बहुत अहम योगदान दिया है।द बीसीसीआई ने द्विपक्षीय मीडिया अधिकारों के लिए ई-नीलामी का विकल्प चुना, जिसमें भारत डिजिटल और शेष विश्व टीवी और डिजिटल अधिकारों के लिए आधार मूल्य 25 करोड़ रुपये और भारतीय टेलीविजन अधिकारों के लिए 20 करोड़ रुपये है, जो कि आईपीएल मीडिया अधिकारों के रुझान को जारी रखता है।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 111 रन से हराया

एजेंसी। डरबन

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार को पहला टी-20 मैच खेला गया और मिशेल मार्श की अगुवाई वाली टीम ने इसे 111 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 226 रनों का विशाल लक्ष्य रखा और दक्षिण अफ्रीका को 15.3 ओवर में 115 रनों पर ढेर कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करने का मौका मिलने पर, कप्तान मार्श ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और 92 रनों की तेज पारी खेली और इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी जीता। मार्श ने नवोदित तनवीर संघा की सराहना की और कहा, तनवीर संघा एक शानदार प्रतिभा हैं, वह टीम में नहीं थे, कल

आए और आज बहुत अच्छा खेला। उन्होंने कहा, टिम डेविड शानदार थे, उन्होंने जमने के लिए कुछ गेंदें लीं लेकिन उन्होंने मुझ पर से दबाव हटा दिया। मुझे लगता है कि मैंने हाल ही में बहुत अधिक टेस्ट क्रिकेट खेला है, इसलिए डेथ ओवरों में छक्के नहीं लगा सका।द्दहरफनमौला खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन के लिए युवा खिलाड़ियों टिम डेविड और तनवीर संघा की सराहना की।

एशिया कप | **भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या ने कहा**

आपके जज्बे और व्यक्तित्व की परीक्षा होती है

एजेंसी। चेन्नई

आल राउंडर हार्दिक पांड्या को लगता है कि एशिया कप 2023 सिर्फ भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला नहीं है और इससे भारतीय टीम के खिलाड़ियों के जज्बे और व्यक्तित्व की परीक्षा होगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरूआत रविवार को पालेकल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। दोनों टीमें अगर फाइनल में पहुंचती हैं तो दोनों के बीच तीन मुकाबले देखने को मिल सकते हैं।

टूर्नामेंट से पहले पांड्या ने भारत-पाक मुकाबले की प्रतिद्वंद्विता और इसमें जुड़ी भावनाओं के बारे में बात की। पंड्या ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, यह ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें मैंने देखा है कि इससे आपके जज्बे और व्यक्तित्व की परख कैसे होती है। और साथ ही यह दिखाता है कि आप पानी में कितनी गहराई तक तैर सकते हो (आप कितने दबाव को झेल सकते हो)। इसलिये

मुझे ये सभी चीजें रोमांचित करती हैं। उन्होंने कहा, काफी भावनायें खेल प्रेमियों से जुड़ी होती हैं। हमारे लिये एक अच्छी टीम से खेलना महत्वपूर्ण है, ऐसी बहुत अच्छी टीम के खिलाफ मुकाबला खेलना जिसने हाल के समय में काफी अच्छा खेल दिखाया हो। पंड्या ने साथ ही जिक्र किया कि पाकिस्तान जैसी टीम के खिलाफ मुकाबले भावनाओं में बहने के नहीं बल्कि सोच समझकर फैसले करने के बारे में होते हैं। उन्होंने कहा, हम बाहर की भावनाओं को बाहर ही रखने की कोशिश करते हैं और अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान लगाते हैं। हम इसके बारे में ज्यादा भावनात्मक नहीं हो सकते क्योंकि फिर कुछ फैसले लापरवाही भरे हो सकते हैं जिसमें मैं विश्वास नहीं करता। लेकिन साथ ही यह बड़ा टूर्नामेंट है।

एशिया कप वनडे प्रारूप में हो रहा है जो भारत में अक्टूबर-नवंबर में खेले जाने वाले आईसीसी विश्व कप के लिए 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह है। इस प्रारूप के बारे में बात करते हुए पंड्या ने कहा कि परिस्थितियों का अंदाजा लगाने के साथ रणनीतिक मानसिकता इसमें अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, यह प्रारूप ऐसा है कि आपके पास सोचने के लिए थोड़ा ज्यादा समय रहता है। यह ऐसा प्रारूप है जिसमें आप ढल सकते हो, आपको परिस्थितियों का आदी होना होता है क्योंकि खेल 50 ओवर तक चलता है और अच्छी टीम के खिलाफ खेलने के लिए आपको शत प्रतिशत बढ़िया क्रिकेट खेलना होता है।

पांड्या ने कहा, बतौर क्रिकेटर मेरे लिए मेरी मानसिकता सिर्फ इस तथ्य से बदलती है कि मैं वनडे प्रारूप की मांग के अनुसार तैयारी कैसे शुरू करता हूं और अगर तैयारी ठीक होती है तो मैं मैदान में जाकर हालात को पढ़ लूंगा। उन्होंने कहा, आधे समय परिस्थितियां खुद ही बता देती हैं इसलिये आपको कोई 'रॉकेट साइंस' की जरूरत नहीं है। आप सिर्फ मैच देखो और समझने की कोशिश करो कि क्या हो रहा है और समझदारी भरा फैसला करो।